छात्रोपयोगी अध्ययन सामग्री

कक्षा – बारहवीं

हिन्दी केंद्रिक (302)

शैक्षिक वर्ष 2021– 22
(प्रथम सत्र)

केन्द्रीय विद्यालय संगठन
एरणाकुलम संभाग

मुख्य संरक्षक

श्री आर. सेंदिल कुमार ,
उपायुक्त
केन्द्रीय विद्यालय संगठन
एरणाकुलम संभाग

प्रेरणा स्रोत

श्रीमती दीप्ति नायर
सहायक आयुक्त
केन्द्रीय विद्यालय संगठन
एरणाकुलम संभाग

श्री संतोष कुमार एन
सहायक आयुक्त
केन्द्रीय विद्यालय संगठन
एरणाकुलम संभाग

मार्गदर्शक/ प्रभारी

श्रीमती जी के पी कृष्णवेणी
प्राचार्या
केन्द्रीय विद्यालय एन ए डी आलुवा
एरणाकुलम संभाग

आर सेन्दिल कुमार
उपायुक्त

R. Senthil Kumar
Deputy Commissioner

तत् त्वं पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

केन्द्रीय विद्यालय संगठन,
क्षेत्रीय कार्यालय, एरणाकुलम

KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN
REGIONAL OFFICE,
ERNAKULAM,
KOCHI – 682 020
Ph. No.0484- 2205111(DC), 2203091(Fax))
Website: www.roernakulam.kvs.gov.in
Email : dcernakulamregion@gmail.com

F.31/Acad/KVS(EKM) **दिनांक :** *01.11.2021*

संदेश

कक्षा बारहवीं के हिंदी के लिए अध्ययन सामग्री प्रकाशित करते हुए मुझे बेहद प्रसन्नता हो रही है। यह सहायक सामग्री सीबीएसई द्वारा हाल ही में किए गए पाठ्यक्रम और मूल्यांकन प्रक्रिया के सभी परिवर्तनों को शामिल करते हुए तैयार की गई है। मुझे यकीन है कि यह निश्चित रूप से सभी केन्द्रीय विद्यालयों के कक्षा बारहवीं के छात्रों के लिए बहुत मददगार होगा।

नवीनतम परिवर्तनों से परिचित होने से छात्रों को बोर्ड परीक्षा के लिए अच्छी तैयारी करने में मदद मिलेगी और छात्रों को आत्मविश्वास के साथ अभिकथन – कारण आधारित और बहुविकल्पीय प्रश्नों का सामना करने में मदद मिलेगी। यह सहायक सामग्री अनुभवी शिक्षकों के एक समूह द्वारा विशेषज्ञता के साथ तैयार की गई है।

सहायक सामग्री में छात्रों के लिए आवश्यक सभी महत्वपूर्ण पहलू शामिल हैं- प्रश्न पत्र की बनावट , सत्रानुसार विभाजित पाठ्यक्रम, सभी अध्यायों का सारांश, नमूना प्रश्न पत्र, समस्या समाधान और अभिकथन – कारण आधारित प्रश्न आदि ।

मुझे आशा है कि यह सहायक सामग्री छात्रों के साथ साथ शिक्षकों द्वारा भी उपयोग की जाएगी और त्वरित पुनरावृत्ति के लिए एक अच्छा उपकरण साबित होगा ।

इस अध्ययन सामग्री को तैयार करने के लिए अथक परिश्रम करने वाले सभी शिक्षकों के प्रति मैं हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। इस परिश्रम को सफल बनाने में उनका अपार योगदान प्रशंसनीय है।

कड़ी मेहनत, प्रभावी समय प्रबंधन के साथ मिली हुई सूक्ष्म योजना छात्रों को सफलता के शिखर तक पहुँचने में मदद करेगी।

शुभकामनाएँ

(आर सेन्दिल कुमार)
उपायुक्त

छात्रोपयोगी अध्ययन सामग्री
कक्षा – XII
हिन्दी (302)
सहायक सामग्री निर्माण समिति

	पाठ / प्रकरण	प्रभारी /सदस्य	केन्द्रीय विद्यालय
1.	अपठित गद्यांश	श्रीमती सुषमा के , स्नातकोत्तर शिक्षिका हिन्दी	केंद्रीय विद्यालय मलप्पुरम
2.	अपठित पद्यांश	श्रीमती प्रीता एम.पी. वी. स्नातकोत्तर शिक्षिका हिन्दी	केंद्रीय विद्यालय पय्यनूर
3.	अभिव्यक्ति और माध्यम	श्रीमती जयश्री पी जे, स्नातकोत्तर शिक्षिका हिन्दी	केंद्रीय विद्यालय अडूर
4.	दिन जल्दी जल्दी ढलता है	श्रीमती शाल्बी मिनि कुरियन, स्नातकोत्तर शिक्षिका हिन्दी	केंद्रीय विद्यालय एन ए डी आलुवा
5.	कविता के बहाने	डॉ. शैलजा टी एच , स्नातकोत्तर शिक्षिका हिन्दी	केंद्रीय विद्यालय केल्ट्रोण नगर
6.	कैमरे में बंद अपाहिज	श्रीमती लेखा टी , स्नातकोत्तर शिक्षिका हिन्दी	केंद्रीय विद्यालय ए एफ एस, आक्कुलम
7.	सहर्ष स्वीकारा है	डॉ. कृष्णकुमार जे , स्नातकोत्तर शिक्षक हिन्दी	केंद्रीय विद्यालय पट्टम
8.	भक्तिन	श्रीमती शैलजा टी , स्नातकोत्तर शिक्षिका हिन्दी	केंद्रीय विद्यालय कन्नूर
9.	बाजार दर्शन	श्री अजित कुमार, स्नातकोत्तर शिक्षक हिन्दी	केंद्रीय विद्यालय कोल्लम
10.	काले मेघा पानी दे	श्रीमती गीता कुमारी , स्नातकोत्तर शिक्षिका हिन्दी	केंद्रीय विद्यालय सी आर पी एफ, पल्लीपुरम
11.	सिल्वर वेडिंग	श्रीमती शाहिनशाबी शेख , स्नातकोत्तर शिक्षिका हिन्दी	केंद्रीय विद्यालय न: 2, कोषिकोड़
12.	जूझ	श्रीमती बिंदु सी आर , स्नातकोत्तर शिक्षिका हिन्दी	केंद्रीय विद्यालय एरणाकुलम
13.	आदर्श प्रश्न पत्र -1	श्रीमती शाल्बी मिनि कुरियन, स्नातकोत्तर शिक्षिका हिन्दी	केंद्रीय विद्यालय एन ए डी आलुवा
14.	आदर्श प्रश्न पत्र -2	श्रीमती शाल्बी मिनि कुरियन, स्नातकोत्तर शिक्षिका हिन्दी	केंद्रीय विद्यालय एन ए डी आलुवा
15.	आदर्श प्रश्न पत्र -3	डॉ. शैलजा टी एच , स्नातकोत्तर शिक्षिका हिन्दी	केंद्रीय विद्यालय केल्ट्रोण नगर
16.	आदर्श प्रश्न पत्र -4	डॉ. शैलजा टी एच , स्नातकोत्तर शिक्षिका हिन्दी	केंद्रीय विद्यालय केल्ट्रोण नगर
17.	संपादन और संकलन	श्रीमती शाल्बी मिनि कुरियन, स्नातकोत्तर शिक्षिका हिन्दी	केंद्रीय विद्यालय एन ए डी आलुवा

कक्षा बारहवीं

हिंदी आधार परीक्षा हेतु पाठ्यक्रम विनिर्देशन 2020-2021

प्रश्न पत्र में तीन खण्ड होंगे ।

खण्ड 'अ' में तीस प्रश्नों में से केवल पंद्रह प्रश्नों का ही उत्तर देना है ।

खण्ड 'ब' में छह प्रश्नों में से केवल पांच प्रश्नों का ही उत्तर देना है ।

खण्ड 'स' में बाईस प्रश्नों में से केवल बीस प्रश्नों का ही उत्तर देना है ।

प्रश्नपत्र में केवल वस्तुपरक प्रश्न पूछे जाएँगे ।

प्रत्येक प्रश्न के उत्तर में चार विकल्प दिए गए हैं ।

परीक्षा भार विभाजन				
	विषयवस्तु		उपभार	कुलभार
1	अपठित गद्यांश (चिंतन क्षमता एवं अभिव्यक्ति कौशल पर बहुविकल्पात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे)		15	
	अ	दो अपठित गद्यांशों में से कोई एक गद्यांश करना होगा। (450-500 शब्दों के) (1 अंक x 10 प्रश्न)	10	10
	ब	दो अपठित पद्यांशों में से कोई एक पद्यांश करना होगा। (250-250 शब्दों के) (1 अंक x 5 प्रश्न)	05	05
2	कार्यालयी हिंदी और रचनात्मक लेखन ('अभिव्यक्ति और माध्यम' पुस्तक के आधार पर)		05	
	अ	अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक से बहुविकल्पात्मक प्रश्न (1 अंक x5 प्रश्न)	05	05
3	पाठ्यपुस्तक आरोह भाग – 2 से बहुविकल्पात्मक प्रश्न		15	
	अ	पठित काव्यांश पर पाँच बहुविकल्पीय प्रश्न (1 अंक x 05 प्रश्न)	05	
	ब	पठित गद्यांश पर पाँच बहुविकल्पीय प्रश्न। (1 अंक x 05 प्रश्न)	05	
	स	पठित पाठों पर पाँच बहुविकल्पीय प्रश्न। (1 अंक x 05 प्रश्न)	05	
4	अनुपूरक पाठ्यपुस्तक वितान भाग-2 से बहुविकल्पात्मक प्रश्न		05	
	अ	पठित पाठों पर पाँच बहुविकल्पीय प्रश्न। (1 अंक x 05 प्रश्न)	05	
5	आंतरिक मूल्याङ्कन			10
		श्रवण तथा वाचन	10	
कुल अंक				50

विषय सूची

क्र. सं.	प्रकरण	पृष्ठ संख्या
1.	अपठित गद्यांश	1-10
2.	अपठित पद्यांश	11-17
3.	अभिव्यक्ति एवं माध्यम 1. पत्रकारीय लेखन के विविध रूप और लेखन प्रक्रिया 2. विभिन्न माध्यमों के लिए लेखन	18-27
4.	आरोह भाग- 2 (पद्य खण्ड) 1. हरिवंश राय बच्चन – एक गीत 2. कुँवर नारायण – कविता के बहाने 3. रघुवीर सहाय – कैमरे में बंद अपाहिज 4. गजानन माधव मुक्तिबोध –सहर्ष स्वीकारा है	 28-34 35-39 40-45 46-52
5.	आरोह भाग- 2 (गद्य खण्ड) 1. महादेवी वर्मा – भक्तिन 2. जैनेन्द्र कुमार – बाजार दर्शन 3. धर्मवीर भारती – काले मेघा पानी दे	 53-60 61-68 69-76
6.	वितान भाग- 2 1. मनोहर श्याम जोशी – सिल्वर वैडिंग 2. आनंद यादव – जूझ	 77-83 84-88
7.	प्रतिदर्श प्रश्न पत्र – 1 (अंक योजना एवं उत्तर कुंजी सहित) प्रतिदर्श प्रश्न पत्र – 2 (अंक योजना एवं उत्तर कुंजी सहित) प्रतिदर्श प्रश्न पत्र – 3 (अंक योजना एवं उत्तर कुंजी सहित) प्रतिदर्श प्रश्न पत्र – 4 (अंक योजना एवं उत्तर कुंजी सहित)	89-99 100-113 114-126 127-135

पाठ्य सामग्रियाँ – अपठित गद्यांश

दिए गए गद्यांश पढिए और पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प का चयन कर लिखिए।

अपठित गद्यांश-1

इस संसार में कुछ व्यक्ति भाग्यवादी होते है और कुछ केवल अपने पुरुषार्थ पर भरोसा रखते हैं | प्रायः ऐसा देखा जाता है कि भाग्यवादी व्यक्ति ईश्वरीय इच्छा को सर्वोपरी मानता है और अपने प्रयत्नों को गौण मान बैठते हैं | वे विधाता का ही दूसरा नाम भाग्य को मान लेते हैं | भाग्यवादी व्यक्ति कभी-कभी अकर्मण्यता की स्थिति में भी आ जाते हैं | उनका कथन होता है कि कुछ नहीं कर सकते सब कुछ ईश्वर के अधीन है | हमें उसी प्रकार परिणाम भुगतना पड़ेगा जैसा भगवान चाहेगा | भाग्योदय शब्द में भाग्य प्रधान है | एक अन्य शब्द है- सूर्योदय | हम जानते है कि उदय सूर्य का नहीं होता, सूरज तो अपनी जगह पर रहता है,चलती घूमती तो धरती ही है | फिर भी सूर्योदय हमें बहुत शुभ और सार्थक मालूम होता है | भाग्य भी इसी प्रकार है | हमारा मुख सही भाग्य की तरफ हो जाए तो इसे ही भाग्योदय मानना चाहिए |पुरुषार्थी व्यक्ति अपने परिश्रम के बल पर अपना कार्य सिद्ध कर लेना चाहता है | पुरुषार्थ वह है जो पुरुष को सप्रयास रखें | पुरुष का अर्थ पशु से भिन्न है | बल-विक्रम तो पशु में अधिक होता है, लेकिन पुरुषार्थ पशु चेष्ठा के अर्थ से अधिक भिन्न और श्रेष्ठ है | वासना से पीड़ित होकर पशु में अधिक पराक्रम देखा जाता है, किन्तु यह पुरुष से ही संभव है कि आत्मविसर्जन में पराक्रम दिखाए | पुरुषार्थ व्यक्ति को क्रियाशील रखता है जबकि अकर्मण्य व्यक्ति ही भाग्य के भरोसे बैठता है | हमें भाग्य और पुरुषार्थ का मेल साधना है | यदि सही दिशा में बढ़ेंगे तो सफलता अवश्य हमारे कदम चूमेगी |

1. भाग्यवादी मनुष्य किसको सर्वोपरि मानता है?
   I. पुरुषार्थ को
   II. भाग्य को
   III. ईश्वरीय इच्छा को
   IV. अपने-आप को

2. किस प्रकार के व्यक्ति विधाता का ही दूसरा नाम भाग्य को मान लेते हैं?
   I. पुरुषार्थ पर भरोसा रखने वाले
   II. भाग्य पर भरोसा रखने वाले
   III. परमात्मा पर भरोसा रखने वाले
   IV. दूसरों पर भरोसा रखने वाले

3. कौनसी चीज पुरुष को सप्रयास रखती है?
   I. पुरुषार्थ
   II. कर्म
   III. भाग्य
   IV. आगे बढ़ने की इच्छा

4. पुरुषार्थी व्यक्ति किसके बल पर अपना कार्य सिद्ध कर लेना चाहता है?
   I. भाग्य के बल पर
   II. अपने कौशल पर
   III. ईश्वर की इच्छा के बल पर

IV. परिश्रम के बल पर

5.'आत्मविसर्जन में पराक्रम' से क्या तात्पर्य है?

I. आत्मा का पराक्रम दिखाना
II. आत्मसमर्पण कर पराक्रम दिखाना
III. विनम्रता के साथ पराक्रम का होना
IV. पराक्रम दिखाकर आत्मसमर्पण कर देना

6. कौनसा कथन सही नहीं है?

I. कुछ लोग अपने पुरुषार्थ पर भरोसा रखते हैं
II. पुरुषार्थ वह है जो पुरुष को सप्रयास न रखे
III. पुरुषार्थ व्यक्ति को क्रियाशील रखता है
IV. हमारा मुख सही भाग्य की तरफ हो जाए तो इसे ही भाग्योदय मानना चाहिए |

7. 'सूर्योदय' में कौनसा समास होगा?

I. कर्मधारय समास
II. तत्पुरुष समास
III. बहुव्रीहि समास
IV. अवव्ययीभाव समास

8. 'अकर्मण्यता' शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग एवं प्रत्यय है-

I. 'अ' और 'ता'
II. 'अक' और 'आ'
III. 'ता' और 'अक'
IV. 'अक' और 'यता'

9.सफलता कब हमारे कदम चूमेगी?

I. जब हम भाग्य के साथ पुरुषार्थ दिखायेंगे
II. जब हम ईश्वर की शक्ति और भाग्य पर विश्वास रखेंगे
III. जब हम केवल भाग्य पर भरोसा करेंगे
IV. जब हमारा सही समय आयेगा

10. गद्यांश का उचित शीर्षक कौनसा है ?

I. भाग्य और पुरुषार्थ
II. हमारा पुरुषार्थ
III. पुरुषार्थ व्यक्ति
IV. भाग्योदय

अपठित गद्यांश-1 -उत्तर *:-*

I. III. ईश्वरीय इच्छा को
2 II. भाग्य पर भरोसा रखने वाले
3 . I. पुरुषार्थ
4 . IV. अपने परिश्रम के बल पर
5 . III. विनम्रता के साथ पराक्रम का होना
6 II. पुरुषार्थ वह है जो पुरुष को सप्रयास न रखे
7 . II. तत्पुरुष समास
8 . I. 'अ' और 'ता'
9 . I. जब हम भाग्य के साथ पुरुषार्थ दिखायेंगे
10. I. भाग्य और पुरुषार्थ

अपठित गद्यांश-2

टेलीविजन मनोरंजन का एक सशक्त माध्यम है। दिन प्रतिदिन विश्व में घटने वाली घटनाओं का दर्पण है। ज्ञान वर्धन का सशक्त माध्यम है। विद्यार्थियों को सचित्र शिक्षा देने वाला श्रेष्ठ शिक्षक है। विज्ञापन द्वारा प्रचारित वस्तु की बिक्री वृद्धि का प्रभावकारी ढ़ंग है। दिन भर के परिश्रम के पश्चात् थका-हारा मानव घर पहुंचकर टेलीविजन का स्विच ऑन करता है, तो अज्ञात स्फूर्ति और उल्लास उसके मन मस्तिष्क पर उतर आता है, मानो टेलीविजन के नाम को ही वह मनोरंजन की संज्ञा देने लगा हो। पिक्चर, नाटक, हास्य-व्यंग्य एकांकी आदि देखने के लिए सिनेमाघर, नाटक -भवन या सांस्कृतिक केंद्रों में जाने की जरूरत नहीं। वाहनों के धक्के खाने, टिकट घर की खिड़की की भीड़-भाड़ में पिसने और जेब खाली करने की आवश्यकता नहीं। समय पर पहुंच पाने का झंझट नहीं, टिकट मिल भी सकेगा या नहीं का मानसिक द्वंद्व नहीं। विश्व में कहीं भी कुछ हुआ, उसकी खबर तो आप अखबारों में पढ़ लेते हैं, किंतु उसकी हू-बहू घटित घटना को देखकर आपका मन भाव-विभोर हो जाता है। वर्ल्ड ट्रेड टावर पर हमला हुआ अमेरिका में, उसका पूरा का पूरा ज्यों का त्यों चित्र आप देख रहे हैं, अपने टेलीविजन पर। ओलंपिक खेल हुए मास्को में, उसका जीवंत चित्र देख रहे हैं, भारत में। इसी प्रकार क्रिकेट मैच हॉकी मैच, 26 जनवरी की परेड, 15 अगस्त को लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री का संदेश आदि सब कुछ आप आंखों से साक्षात् देख रहे हैं। टेलीविजन ज्ञानवर्धन का अतुलनीय साधन है। पढ़ने सुनने में जो ज्ञान प्राप्त होता है, वह भूला भी जा सकता है किंतु जो दृश्य देखा जाता है, वह शीघ्र भूल पाना सहज नहीं होता।

1. कौन-सा कथन सही है?
(क) टेलीविजन मनोरंजन का सब से सशक्त माध्यम है
(ख) टेलीविजन मनोरंजन का एक सशक्त माध्यम है
(ग) टेलीविजन मनोरंजन का एकमात्र सशक्त माध्यम है
(घ) टेलीविजन मात्र मनोरंजन का माध्यम है।

2. टेलीविजन किसका का अतुलनीय साधन कहा गया है-
(क) ज्ञान वर्धन का (ख)शिक्षा के प्रचार का
(ग) विज्ञापन का (घ) सिनेमा देखने का

3. टेलीविजन विश्व में घटने वाली घटनाओं का है-
(क) सशक्त माध्यम (ख) दर्पण

(ग) इतिहास (घ) सूत्रधार

4. सशक्त शब्द में उपसर्ग है
(क) स (ख) सश
(ग) सह (घ) स:

5. सांस्कृतिक में प्रत्यय है।
(क) तिक (ख) इक
(ग) क (घ) इनमें से कोई नहीं

6. गद्यांश में शिक्षक के समान सचित्र शिक्षा देने वाला किसको बताया है ?
(क) परंपरागत ज्ञान को (ख) चित्रों को
(ग) टेलीविजन को (घ) रेडियो को

7. सिनेमाघरों में जाने के लिए मनुष्य को कौनसी कठिनाई का सामना करना पड़ता था?
(क)वाहनों के धक्के खाना (ग)टिकटघर की खिड़की की भीड़
(ख)समय पर पहुँचने का झंझट (घ) उपर्युक्त सभी

8. टेलीविजन से प्राप्त ज्ञान स्थायी क्यों हो जाता है?
(क)सुनने के कारण (ख) पढ़ने के कारण
(ग)सुनने व देखने के कारण (घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं

9. थके-हारे मनुष्य पर टेलीविजन क्या प्रभाव डालता है?
(क)मनुष्य सो जाता है (ख) अज्ञात स्फूर्ति और उल्लास का अनुभव करता है
(ग) दुखी हो जाता है (घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं

10. गद्यांश के लिए सर्वाधिक उपयुक्त शीर्षक होगा-
(क)मानव जीवन (ग) टेलीविजन का महत्त्व
(ख)मनोरंजन के कारण (घ) भाग दौड़ भरा जीवन

अपठित गद्यांश-2 -उत्तर

1 (ख) टेलीविजन मनोरंजन का एक सशक्त माध्यम है
2 (क) ज्ञान वर्धन का
3 (ख) दर्पण
4 (क) स
5 (ख) इक
6 (ग) टेलीविजन को
7 (घ) उपर्युक्त सभी
8 (ग)सुनने व देखने के कारण
9 (ख) अज्ञात स्फूर्ति और उल्लास का अनुभव करता है
10 (ग) टेलीविजन का महत्त्व

अपठित गद्यांश-3

भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता रही है-'अनेकता में एकता'। यद्यपि ऊपरी तौर पर भारत के विभिन्न प्रदेशों में पर्याप्त भिन्नता दिखाई देती है,तथापि अपने आचार-विचार की एकता के कारण यहाँ सामाजिक संस्कृति का रूप देखने को मिलता है । यही कारण है कि विभिन्नताओं के होते हुए भी भारत सदियों से एक भौगोलिक,राजनीतिक एवं सांस्कृतिक इकाई के रूप में विश्व में अपना स्थान बनाये हुए है । इसलिए भारत में अनेकता में एकता के सदैव दर्शन होते हैं । भारतीय संस्कृति में आध्यात्मिकता और भौतिकता दोनो का ही मिश्रण रहा है ।अत: इसकी प्राचीनता,इसकी गतिशीलता,इसका लचीलापन,इसकी ग्रहणशीलता,इसका सामाजिक स्वरुप और अनेकता में निहित एकता ही इसकी प्रमुख विशेषता है । इस विशेषता के कारण ही भारतीय संस्कृति विश्व में अपना एक विशिष्ट स्थान रखती है । भारतीय संस्कृति का इतिहास बहुत ही प्राचीन है । वास्तव में,संस्कृति का निर्माण एक लम्बी परम्परा के बाद होता है । संस्कृति वस्तुत:विचार और आचरण के नियम और मूल्य हैं,जिन्हें कोई समाज अपने अतीत से प्राप्त करता है । इसलिए कहा जा सकता है कि इसे हम अपने अतीत से विरासत के रूप में प्राप्त करते हैं । दूसरे शब्दों में कहें तो संस्कृति एक विशिष्ट जीवन-शैली का नाम है । यह एक सामाजिक विरासत, है जो परम्परा से चली आती रही है । प्राय: सभ्यता और संस्कृति को एक ही मान लिया जाता है, परन्तु इसमें भेद है । सभ्यता में मनुष्य के जीवन का भौतिक पक्ष प्रधान होता है अर्थात् सभ्यता का अनुमान सुख-सुविधाओं से लगाया जा सकता है । इसके विपरीत संस्कृति में आचार और विचार पक्ष की प्रधानता होती है । इस प्रकार,'सभ्यता' को शरीर माना जा सकता है और 'संस्कृति' को आत्मा, इसलिए इन दोनो को अलग-अलग नहीं देखा जा सकता ।वास्तव में, दोनों एक दुसरे के पूरक हैं ।

1)गद्यांश में सामाजिक विरासत किसे कहा गया है ?

क) संस्कृति को ख) भौतिक पक्ष को
ग) विचारों को घ) आचरण को

2) भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता किसे माना गया है?

क) सामाजिक इतिहास को ख) अनेकता में एकता को
ग) प्राचीन इतिहास को घ) सभ्यता एवं संस्कृति को

3. भारत में सामाजिक संस्कृति का रूप दिखाई पड़ने का क्या कारण है ?

क) धार्मिकता ख) विभिन्नता
ग) एकता घ) विविधता

4. भारतीय संस्कृति किसका मिश्रण है ?

क) प्राचीनता का ख) आध्यात्मिकता एवं भौतिकता का
ग) आध्यात्मिकता का घ) भौतिकता का

5. गद्यांश के अनुसार भारतीय संस्कृति की विशिष्टता नहीं है-

क) गतिशीलता ख) ग्रहणशीलता
ग) स्थिरता घ) लचीलापन

6. सभ्यता का अनुमान किससे लगाया जा सकता है ?

क) भीतरी उन्नति से ख) परोपकारिता से
ग) व्यावहारिकता से घ)भौतिक सुख-सुविधाओं से

7. आचार और विचार पक्ष की प्रधानता किस में होती है?
क) इतिहास में ख) भौतिकता में
ग) संस्कृति में घ) सभ्यता में

8. प्रस्तुत गद्यांश में एक दूसरे का पूरक किसे बताया गया है?
क) शरीर और आत्मा को ख) प्राचीनता और आधुनिकता को
ग) सभ्यता और संस्कृति को घ) अनेकता और एकता को

9. किस विशेषता के कारण भारतीय संस्कृति विश्व में अपना विशेष स्थान रखती है?
क) सामाजिकता ख) आधुनिकता
ग) भौतिकता घ) अनेकता में एकता

10. अतीत से विरासत के रूप में हम किसे प्राप्त करते है ?
क) संस्कृति को ख) अनेकता को
ग) विचार को घ) जीवन को

अपठित गद्यांश-3 -उत्तर

1 क) संस्कृति को
2 ख) अनेकता में एकता को
3 ग) एकता
4 ख) आध्यात्मिकता एवं भौतिकता का
5. ग) स्थिरता
6. घ)भौतिक सुख-सुविधाओं से
7. ग) संस्कृति में
8. ग) सभ्यता और संस्कृति को
9. घ) अनेकता में एकता
10. क) संस्कृति को

अपठित गद्यांश-4

प्राय: देखा जाता है कि विज्ञान के क्षेत्र में जाकर लोग धर्म की उपेक्षा करने लगते हैं। धर्म पर अंधविश्वास का लांछन लगाकर वैज्ञानिक अपने सत्यान्वेषी होने का गुणगान करते हैं। सच्चाई यह है कि धर्म और विज्ञान अलग अलग होकर भी अलग अलग नहीं है। दोनों का उद्देश्य मनुष्य का हित है। धर्म का लक्ष्य मनुष्य के भीतर परोपकार, त्याग बलिदान, करुणा और प्रेम का विकास करके उसे सुंदर सामाजिक जीवन जीने योग्य बनाना है। धर्म मनुष्य को मनुष्य के प्रति कर्तव्य पालन करना सिखाता है। जबकि विज्ञान का लक्ष्य है सत्य की खोज करना तथा प्रकृति के भीतर छिपे गूढ़ रहस्यों का उद्घाटन करना। विज्ञान बताता है कि मानव जगत कैसा है, जबकि धर्म बताता है कि यह मानव जगत कैसा होना चाहिए। ध्यान से देखा जाए तो दोनों के लक्ष्यों में कहीं कोई

टकराव में होकर भी दोनों परस्पर एक दूसरे के पूरक हैं। यदि धर्म और विज्ञान को ठीक ठीक समझा जाए तो हमें मालूम होगा कि धर्म के बिना विज्ञान पंगु है और विज्ञान के बिना धर्म अंधा।

1 गद्यांश के अनुसार धर्म की उपेक्षा करने का कारण बनता है -

क) विज्ञान के क्षेत्र से संबंध रखना ख) अंधविश्वासों को पालना
ग) धार्मिक भेद-भाव रखना घ) लक्ष्य से भटकने के कारण

2 वैज्ञानिक किस का गुणगान करते हैं?

क) धर्म की उपेक्षा का ख) वैज्ञानिक उन्नति का
ग) वैज्ञानिक आविष्कारों का घ)अपने सत्यान्वेषी होने का

3 धर्म और विज्ञान दोनों का क्या उद्देश्य है?

क) अंधविश्वासों का विरोध करना ख) देश की उन्नति करना
ग) मनुष्य का हित करना घ) कर्तव्य पालन से विमुख करना

4 निम्न लिखित में से धर्म का लक्ष्य नहीं है -

क) मनुष्य के भीतर परोपकार का भाव पैदा करना ख) विज्ञान का विरोध करना
ग) त्याग और बलिदान का प्रोत्साहन घ) करुणा और प्रेम का विकास करना

5.उपेक्षा शब्द के समानार्थक शब्द लिखिए-

क)प्रसन्न चित्त, जोश ख) नाराज, परोपकार
ख)आशा करना, सम्मान देना घ) उदासीनता, विराग

6 पंगु शब्द का अर्थ है-

क) गूंगा ख) बहरा
ख) अंधा घ) लंगड़ा

7 "दोनों परस्पर एक दूसरे के पूरक है"- दोनों से संकेत है

क) सत्य और अहिंसा की ओर ख)धर्म और विज्ञान की ओर
ग)विश्वासी और वैज्ञानिक की ओर घ) सत्य और मिथ्या की ओर

8 विज्ञान किसका निर्धारण करता है?

क) मानव जगत में कैसे जिएंगे ख) मानव जगत कैसा है
ग) मानव जगत कैसे होना चाहिए घ)मानव को जगत में कैसे जीना चाहिए

9. निम्न लिखित में से कौन-स कथन सही है?

क) धर्म मनुष्य को सत्य एवं प्रकृति के रहस्य की खोज करने की प्रेरणा देता है
ख) विज्ञान मनुष्य को कर्तव्य पालन करना सिखाता है
ग) विज्ञान और धर्म मिलकर सत्य की खोज करते हैं
घ) धर्म मनुष्य को कर्तव्य पालन सिखाता है और विज्ञान प्रकृति के गूढ़ रहस्यों का उद्घाटन करता है

10.गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए

क)धर्म और अंधविश्वास ख) धर्म और विज्ञान एक दूसरे से भिन्न

ग) धर्म और विज्ञान एक दूसरे के पूरक घ) विज्ञान का लक्ष्य

अपठित गद्यांश-4 -उत्तर :-

1. *क) विज्ञान के क्षेत्र से संबंध रखना*
2. *घ) अपने सत्यान्वेषी होने का*
3. *ग) मनुष्य का हित करना*
4. *ख) विज्ञान का विरोध करना*
5. *घ) उदासीनता, विराग*
6. *घ) लंगड़ा*
7. *ख)धर्म और विज्ञान की ओर*
8. *ख) मानव जगत कैसा है*
9. *घ) धर्म मनुष्य को कर्तव्य पालन सिखाता है और विज्ञान प्रकृति के गूढ़ रहस्यों का उद्घाटन करता है*
10. *ग) धर्म और विज्ञान एक दूसरे के पूरक*

अपठित गद्यांश- 5

आत्मनिर्भरता का अर्थ है- अपने ऊपर निर्भर रहना |जो व्यक्ति दूसरे के मुँह को नहीं ताकते वे ही आत्मनिर्भर होते हैं|व्यक्ति ,समाज तथा राष्ट्र में आत्मविश्वास की भावना , आत्मनिर्भरता का प्रतीक है | स्वावलंबन जीवन की सफलता की पहली सीढ़ी है | सफलता प्राप्त करने के लिए व्यक्ति को स्वावलंबी अवश्य होना चाहिए |स्वावलंबन व्यक्ति, समाज और राष्ट्र के जीवन में सर्वांगीण सफलता-प्राप्ति का महामंत्र है|स्वावलंबन जीवन का अमूल्य आभूषण है, वीरों तथा कर्मयोगियों का इष्ट देव है|सर्वांगीण उन्नति का आधार है | स्वावलंबी मनुष्य के सामने कोई भी कार्य आ जाए तो वह अपने दृढ़ विश्वास से,अपने आत्मबल से उसे अवश्य ही पूर्ण कर लेगा| स्वावलंबी मनुष्य जीवन में कभी भी असफलता का मुँह नहीं देखता| वह जीवन के हर क्षेत्र में निरंतर कामयाब होता जाता है| सफलता तो स्वावलंबी मनुष्य की दासी बनकर रहती है| जिस व्यक्ति को स्वयं अपने आप पर ही विश्वास नहीं उसे निरंतर पराजय भोगना पड़ता है| परंतु इसके विपरीत जिस व्यक्ति में आत्मनिर्भरता होगी उसका सबसे बड़ा लक्षण है कि वह कभी किसी के सामने नहीं झुकेगा | मनुष्य में सबसे बड़ी कमी स्वावलंबन का न होना है| आत्मविश्वासी मनुष्य का लक्ष्य केन्द्रित होता है। उसका ध्यान अर्जुन की तरह, साधना एकलव्य की तरह और निर्भीकता कर्ण की तरह होतीहै। हमारी सोचने की शक्ति, आदत, सहनशीलता तथा साहस सभी कुछ हमारी कर्त्तव्य परायणता से लक्षित होता है, जो अपनी इन्द्रियों को जीते उसे जितेन्द्रिय कहते हैं और जो सफलता प्राप्त करे वही विजयी होता है।

i) आत्मनिर्भरता का मतलब क्या है?

(क)आत्मा को जानना

(ख)आत्मज्ञान को प्राप्त करना

(ग)अपने ऊपर निर्भर रहना

(घ)आत्मबल को प्राप्त करना

ii) किसे जीवन की सफलता की पहली सीढ़ी कहा है?

(क) परिश्रम

(ख) सत्यता

(ग) स्वावलंबन

(घ) सहयोग

iii) व्यक्ति,समाज और राष्ट्र के संदर्भ में स्वावलंबन की क्या भूमिका होती है?

(क)सर्वांगीण सफलता प्राप्ति का महामंत्र

(ख)आर्थिक उन्नति का उपाय

(ग)आपसी संबंध का माध्यम

(घ)संस्कृति का परिचायक

iv) मनुष्य की सबसे बड़ी कमी क्या है?

(क)आर्थिक विषमता

(ख) स्वावलंबन का अभाव

(ग) सामाजिक असमता

(घ)अविश्वास।

v) स्वावलंबी मनुष्य की पहचान है -

(क) वह दृढ़ विश्वास और आत्मबल से किसी भी काम को पूर्ण कर लेगा

(ख) वह जीवन में कभी भी असफलता का मुँह नहीं देखता

(ग)वह जीवन के हर क्षेत्र में निरंतर कामयाब होता जाता है

(घ) उपर्युक्त सभी

vi) गद्यांश के आधार पर कौन स्वावलंबी मनुष्य की दासी बनकर रहती है?

(क)आत्मविश्वास

(ख)सफलता

(ग) निडरता

(घ) दृढ़ता

vii) आत्मनिर्भर व्यक्ति का सबसे बडा लक्षण है –

(क)वह कभी किसी के सामने नहीं झुकेगा

(ख)वह कभी किसी से नहीं डरेगा

(ग)वह कभी किसी से नहीं लड़ेगा

(घ)वह कभी किसी का परिहास नहीं करेगा

viii) किसे निरंतर पराजय भोगना पड़ता है?

(क) जिस में प्रयत्न का अभाव है

(ख) जो भाग्य पर विश्वास करता है

(ग) जो दूसरों की प्रतीक्षा करता है

(घ) जिसे अपने आप पर ही विश्वास नहीं

ix) गद्यांश में किसे निर्भीकता का प्रतीक माना है?
(क) अर्जुन को
(ख) एकलव्य को
(ग) कर्ण को
(घ)इन में से कोई नहीं

x) प्रस्तुत गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक होगा-
(क) निर्भीकता
(ख)जीवन सफलता
(ग)परिश्रम का महत्व
(घ) आत्मनिर्भरता

अपठित गद्यांश-5 -उत्तर :-

i (ग) अपने ऊपर निर्भर रहना
ii (ग) स्वावलंबन
iii (क) सर्वांगीण सफलता प्राप्ति का महामंत्र
vi (ख) स्वावलंबन का अभाव
v (घ) उपर्युक्त सभी
vi (ख) सफलता
vii (क) वह कभी किसी के सामने नहीं झुकेगा
viii (घ) जिसे अपने आप पर ही विश्वास नहीं
ix (ग) कर्ण को
x (घ) आत्मनिर्भरता

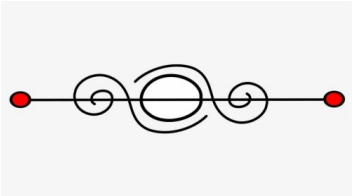

अपठित काव्यांश

अपठित पद्यांश-1

I) शांति नहीं तब तकजब तक ,
सुख-भाग न सबका सम हो।
नहीं किसी को बहुत अधिक हो
नहीं किसी को कम हो।
स्वत्व माँगने से न मिले,
संघात पाप हो जाएँ।
बोलो धर्मराज, शोषित वे
जिएँ या कि मिट जाएँ?
न्यायोचित अधिकार माँगने
से न मिले, तो लड़ के
तेजस्वी छीनते समय को,
जीत, या कि खुद मर के।
किसने कहा पाप है? अनुचित
स्वत्व-प्राप्ति-हित लड़ना?
उठा न्याय का खड्ग समर में
अभय मारना-मरना?

1)कवि के अनुसार शांति के लिए क्या आवश्यक शर्त हैं ?
क)शोषक एवं शोषितों के बीच असमानता हो
ख)केवल शोषक ही रहे
ग)संसार में संसाधनों का वितरण समान हो।
घ)संसार में संसाधनों का वितरण समान न हो।

(2) न्यायोचित अधिकार के लिए मनुष्य को क्या करना चाहिए?
क)धन वैभव जिनके पास हैं उनसे मित्रता करें|
ख)संघर्ष करें|
ग)शान्ति से इंतज़ार करें |
घ)अपना स्वत्व को ही खो दें |

3)धर्मराज कौन हैं
क)दुर्योधन
ख)कृष्ण
ग)अर्जुन
घ)युधिष्ठिर

4)प्रस्तुत कविता किसका समर्थन करते हैं ?
क)अहिंसा का
ख)अपना न्यायोचित हक़ के लिए संघर्ष करने का

ग)किसी भी परिस्थिति में शांति कायम रखने का
घ)इनमें से कोई नहीं |

5)) तेजस्वी किस प्रकार समय को छीन लेते हैं ?
क)जीतकर या खुद मरकर
ख)आराम से बैठकर
ग)लोकचर्चा में
घ)समय को रोककर

अपठित पद्यांश-1 के *उत्तर*

1) ग) संसार में संसाधनों का वितरण समान हो।
2)ख) संघर्ष करें|
3) घ) युधिष्ठिर|
4) ख)अपना न्यायोचित हक के लिए संघर्ष करने का|
5)क) जीतकर या खुद मरकर|

अपठित पद्यांश-2

II. नीड़ का निर्माण फिर-फिर
नेह का आह्वान फिरफिर-

वह उठी आँधी कि नभ में
छा गया सहसा अँधेरा

धूलिधूसर बादलों ने-
भूमि को इस भाँति घेरा,

रातसा दिन हो गया फिर-
रात आई और काली,

लग रहा था अब न होगा,
इस निशा का फिर सवेरा,

रात के उत्पातभय से-
भीत जन-जन, भीत कण-कण

किंतु प्राची से उषा की
मोहिनी मुसकान फिर-फिर

नीड़ का निर्माण फिरफिर-
नेह का आह्वान फिर-फिर

1)आँधी तथा बादल किसके प्रतीक हैं ?

क)प्रेम के

ख)सम्मान के

ग) अभिलाषा की

घ)विपदाओं के

(2) कवि निर्माण का आह्वान क्यों करता है?

क) ताकि हम विकास की ओर बढ़ें |

ख)सृष्टि का चक्र चलता रहे|

ग) सृष्टि में विघ्न – बाधा हो |

घ)अपना स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए |

(3) कवि किस बात से भयभीत है?

क)कहीं आँधी तूफ़ान से उसका घर न ढह जाएं|

ख)कहीं निराशा के कारण निर्माण कार्य रुक न जाएँ ।

ग)कहीं भ्रष्टाचार का बोलबाला हो

घ)इनमें से कोई नहीं

(4)) उषा की मुसकान मानव-मन को क्या प्रेरणा देती है?

क)उषा की मुसकान मानव में कार्य करने की इच्छा जगाती है।

ख)वह मानव को निराशा के अंधकार से बाहर निकालती है।

ग)आशा की किरण जगाती हैं |

घ)उपर्युक्त सभी

5) विपदाएं आती हैं तो उसका परिणाम क्या होता हैं ?

क)उससे जनजीवन अस्तव्यस्त हो जाता है।

ख)मानव मन का उत्साह नष्ट हो जाता है।

ग)लोग निराशाग्रस्त हो जाते हैं |

घ)उपर्युक्त सभी |

अपठित पद्यांश-2 के उत्तर

1) घ)विपदाओं के

2) ख)सृष्टि का चक्र चलता रहे|

3) ख)कहीं निराशा के कारण निर्माण कार्य रुक न जाएँ ।

4) घ)उपर्युक्त सभी

5) घ)उपर्युक्त सभी |

अपठित पद्यांश-3

III)और प्रज्वलित प्राण देश कया कभी मरेगा मारे?
लहू गर्म करने को रक्खो मन में ज्वलित विचार,
हिंसक जीव से बचने को चाहिए किंतु तलवार ।
एक भेद है और जहाँ निर्भय होते नर-नारी
कलम उगलती आग, जहाँ अक्षर बनते चिंगारी
जहाँ मनुष्यों के भीतर हरदम जलते हैं शोले,
बातों में बिजली होती, होते दिमाग में गोले।
जहाँ लोग पालते लहू में हालाहल की धार
क्या चिंता यदि वहाँ हाथ में हुई नहीं तलवार?

1)कलम किस बात की प्रतीक है?
क)कलम क्रांति पैदा करने का प्रतीक है।
ख) कलम अन्धकार का प्रतीक हैं |
ग) कलम विचारधारा का प्रतीक हैं
घ) इनमें से कोई नहीं |

2)तलवार की आवश्यकता कहाँ पड़ती है?
क) मैदान में |
ख)अन्यायी को समाप्त करने के लिए|
ग) दंगे में |
घ) दूसरों को मिटाने के लिए |

3)लहू को गरम करने से कवि का क्या आशय है?
क)धूप में बैठकर लहू को उष्णता दें |
ख)चूल्हे के पास बैठकर सर्दी को निकाले |
ग)क्रातिकारी विचारों से मन में जोश व उत्साह का बनाए रखें ।
घ) इनमें से कोई नहीं |

4)कैसे व्यक्ति को तलवार की आवश्यकता नहीं होती?
क) वे व्यक्ति जिनमें जोश है
ख)वे व्यक्ति जिनके अन्दर वैचारिक शक्ति है
ग)) जो कलम की ताकत को पहचानते हैं |
घ) उपर्युक्त सभी

5)कलम किसप्रकार की क्रांति लाती हैं ?
क)शारीरिक क्रांति की
ख)मारकाट की
ग)खून खच्चर की
घ)वैचारिक क्रांति की

अपठित पद्यांश-3 के उत्तरः

1) क)कलम क्रांति पैदा करने का प्रतीक है।
2) ख)अन्यायी को समाप्त करने के लिए|
3) ग)क्रातिकारी विचारों से मन में जोश व उत्साह का बनाए रखें ।
4) घ) उपर्युक्त सभी
5) घ)वैचारिक क्रांति की

अपठित पद्यांश-4

IV) यह जीवन क्या है ? निर्झर है, मस्ती ही इसका पानी है।
सुखदुख- के दोनों तीरों से चल रहा राह मनमानी है।

कब फूटा गिरि के अंतर सेकिस अंचल से उतरा नीचे। ?
किस घाटी से बह कर आया समतल में अपने को खींचे।

निर्झर में गति है जीवन हैवह आगे बढ़ता जाता है। ,
धुन एक सिर्फ़ है चलने की, अपनी मस्ती में गाता है।

बाधा के रोड़ों से लड़ता,वन के पेड़ों से टकराता ,
बढ़ता चट्टानों पर चढ़ता, चलता यौवन से मदमाता।

लहरें उठती हैं,गिरती हैं, नाविक तट पर पछताता है ,
तब यौवन बढ़ता है आगे, निर्झर बढ़ता ही जाता है।

निर्झर कहता है बढ़े चलो,देखो मत पीछे मुड़कर !
यौवन कहता है बढ़े चलो! सोचो मत क्या होगा चल कर।

चलना है केवल चलना है,जीवन चलता ही रहता है !
रुक जाना है मर जाना है, निर्झर यह झरकर कहता है।

1)जीवन की तुलना निर्झर से क्यों की गई है?
क)दोनों में मस्ती होती है|
ख)दोनों ही सुख-दुख के किनारों के बीच चलते हैं।
ग)दोनों में गति हैं |
घ)उपर्युक्त सभी

(2) निर्झर की केवल एक ही धुन हैं |क्या हैं ?
क) चलते जाना |
ख) जड़ता |
ग) निष्क्रियता|
घ) बाधा उपस्थित करना |

(3) जीवन का उद्देश्य क्या होना चाहिए?

क)जीवन का उद्देश्य सिर्फ चलना है।

ख) धन वैभव इकट्ठा करना हैं |

ग) मन को वश में करना हैं

घ)मरना हैं

(4) 'तब यौवन बढ़ता है आगे!' से क्या आशय है?

क) युवा अकर्मण्य रहते हैं |

ख) युवा परिस्थिति को नज़र अंदाज़ करते करते हैं |

ग) विपरीत परिस्थितियों में भी युवा शक्ति हार नहीं मानती |

घ) सामान्य मनुष्य हार नहीं मानते |

5) प्रस्तुत कविता का सन्देश हैं ?

क) हमें परिस्थितियों के आगे घुटने टेकना हैं |

ख) हमें संघर्ष का रास्ता नहीं अपनाना हैं |

ग) हमें धैर्यपूर्वक अनुकूल समय का इंतज़ार करना हैं |

घ) इनमें से कोई नहीं |

अपठित पद्यांश-4 के उत्तर

1) घ)उपर्युक्त सभी

2) क) चलते जाना |

3) क)जीवन का उद्देश्य सिर्फ चलना है।

4) ग) विपरीत परिस्थितियों में भी युवा शक्ति हार नहीं मानती |

5) घ) इनमें से कोई नहीं

अपठित पद्यांश-5

. V) आँसू से भाग्य पसीजा है, हे मित्र कहाँ इस जग में?
नित यहाँ शक्ति के आगे, दीपक जलते मग-मग में।
कुछ तनिक ध्यान से सोचो, धरती किसती हो पाई ?
बोलो युग-युग तक किसने, किसकी विरुदावलि गाई ?
मधुमास मधुर रुचिकर है, पर पतझर भी आता है।
जग रंगमंच का अभिनय, जो आता सो जाता है।
सचमुच वह ही जीवित है, जिसमें कुछ बल-विक्रम है।
पल-पल घुड़दौड़ यहाँ है, बल-पौरुष का संगम है।
दुर्बल को सहज मिटाकर, चुपचाप समय खा जाता,
वीरों के ही गीतों को, इतिहास सदा दोहराता।
फिर क्या विषाद, भय चिंता जो होगा सब सह लेंगे,
परिवर्तन की लहरों में जैसे होगा बह लेंगे।

1) ' आँसू से भाग्य पसीजा है, हे मित्र, कहाँ इस जग में नित यहाँ शक्ति के आगे, दीपक जलते मग-मग में।'इन पंक्तियों के आशय हैं |

(क)'रोने से दुर्भाग्य सौभाग्य में नहीं बदल जाता| '
(ख) रोने से भाग्य उदय होता हैं |
(ग) यहाँ हर कहीं दीपक हमें रोशनी दिखाएगा |
(घ) उपर्युक्त सभी

(2) समय किसे नष्ट कर देता है और कैसे?
क) समय सभी को नष्ट करते हैं
ख) समय हमेशा कमजोर व्यवस्था को चुपचाप नष्ट कर देता है।
ग) समय किसी को नष्ट नहीं करता |
घ) इनमें से कोई नहीं |

(3) इतिहास किसे याद रखता है ?
क)जिसके पास अपार धन हो |
ख)जो ज्ञानी हो |
ग)जिसमें पुरुषार्थ न हो|
घ)जो अपने बल व पुरुषार्थ के आधार पर समाज के लिए कार्य करते हैं।

(4) मधुमास मधुर रुचिकर है, पर पतझर भी आता है' पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए।
क)जीवन में सुख दुःख दोनों रहते हैं |
ख)अच्छे दिन सदैव नहीं रहते। मानव के जीवन में पतझर जैसे दुख भी आते हैं।
ग)उपर्युक्त दोनों |
घ)मधुमास और पतझर दोनों रुचिकर हैं |

(5) कौन इस जगत में जीवित रहता हैं ?
क) जो भाग्य का रोना रोता हैं |
ख) जो जग रूपी रंगमंच से विमुख हैं |
ग) जिसमें संघर्ष करने की ज़ज़्बा हैं,बल -विक्रम हैं |
घ) जो सदैव दूसरों से मृदुल और कोमल हैं |

अपठित पद्यांश-5 के *उत्तरः*

1) क) 'रोने से दुर्भाग्य सौभाग्य में नहीं बदल जाता'
2) (ख) समय हमेशा कमजोर व्यवस्था को चुपचाप नष्ट कर देता है।
3) घ)जो अपने बल व पुरुषार्थ के आधार पर समाज के लिए कार्य करते हैं।
4) ग) उपर्युक्त दोनों |
5) ग) जिसमें संघर्ष करने की ज़ज़्बा हैं,बल -विक्रम हैं |

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

अभिव्यक्ति और माध्यम
पत्रकारीय लेखन के विभिन्न रूप और लेखन प्रक्रिया

50 बहुविकल्पीय प्रश्न

1 इनमें से कौन सा जनसंचार का प्रमुख साधन नहीं है ?

क) रेडियो

ख) समाचार पत्र

ग) दूरभाष

घ) इंटरनेट

2 आधुनिक छापेखाने के आविष्कार का श्रेय किसे दिया जाता है ?

क) जर्मनी के गुटेन्बेर्ग

ख) इंग्लैंड के चार्ली विलयम्स

ग) जापान के युवान सुकामा

घ) भारत के सुरेन्द्र वर्मा

3 भारत में पहला छापाखाना कब और कहां खुला ?

क) सन् 1556, गोवा में

ख) सन् 1565, मुंबई में

ग) सन् 1505, कोलकाता में

घ) सन् 1556, मद्रास में

4 जनसंचार के आधुनिक माध्यमों में सबसे पुराना कौन सा है ?

क) दृश्य माध्यम

ख) श्रव्य माध्यम

ग) मुद्रित माध्यम

घ) इनमें से कोई नहीं

5 इनमें कौन सी विशेषता मुद्रित माध्यम की नहीं है?

क) मुद्रित माध्यम लिखित भाषा का विस्तार है

ख) मुद्रित माध्यमों को संदर्भ की तरह इस्तेमाल कर सकते हैं

ग) मुद्रित माध्यमों का पाठक साक्षर अथवा निरक्षर हो सकता है

घ) मुद्रित माध्यमों को हम पढ़ते हुए सोच सकते हैं

6 अखबारों में समाचारों या रिपोर्ट के प्रकाशन के लिए स्वीकार करने की एक निश्चित समय-सीमा होती है । इसे ----------कहते हैं ।

क) डेस्क

ख) सीमा

ग) डेडलाइन
घ) रेडलाइन

7 एकरेखीय माध्यम छाँटिए
क) रेडियो
ख) टी.वी
ग) क व ख दोनों
घ) कोई और

8 किस शैली मैं कहानी की तरह क्लाइमैक्स अंत में नहीं खबर के बिलकुल शुरू में आता है
क) सीधा पिरामिड
ख) उल्टा पिरामिड
ग) संयुक्त पिरामिड
घ) मिश्रित पिरामिड

9 समाचार लेखन में कितने ककार हैं ?
(क) पाँच
(ख) छह
(ग) सात
(घ) आठ

10 फीचर के संबंध में कौन सा वाक्य सही नहीं है?
(क) यह एक सुव्यवस्थित,आत्मनिष्ठ ,सृजनात्मक लेखन है
(ख) यह पाठकों को तात्कालिक घटनाक्रम से अवगत नहीं कराता
(ग) इसमें शब्दों की कोई अधिकतम सीमा नहीं होती
(घ) इसमें लेखक अपनी राय,दृष्टिकोण,भावना नहीं डाल सकता

11 इंटरनेट एक्सप्लोरर और नेटस्केप – ये क्या हैं ?
(क) ब्राउज़र
(ख) अपडेट
(ग) एचटीएमएल
(घ) बीबीसी

12 सही वाक्य चुनिये
क) रेडियो एक ऐसा माध्यम है जिसमें सब कुछ ध्वनि, स्वरों, शब्दों, और दृश्यों का खेल है
ख) रेडियो में पीछे लौटकर सुनने की सुविधा है
ग) रेडियो एकरेखीय माध्यम है
घ) रेडियो समाचार उल्टा शैली में नहीं होती

13 कम से कम शब्दों में कोई खबर जो तत्काल दर्शकों तक पहुंचाई जाए उसे ----------कहते है ।
क) लाइव

ख) ब्रेकिंग न्यूज़
ग) फोन इन
घ) एंकर पैकेज

14 बाइट यानि ----------
क) टुकड़ा
ख) दृश्य
ग) कथन
घ) खबर

15 आल इंडिया रेडियो की स्थापना कब हुई ?
क) 1930
ख) 1935
ग) 1936
घ) 1937

16 किसी घटना के सीधे प्रसारण को कहते है –
क) एंकर बाइट
ख) फोन इन
ग) लाइव
घ) इनमे से कोई नही

17 एंकर पैकेज -
क) संबन्धित घटना के दृश्य ,ग्राफिक के जरिये सूचनाएं ,लोगों के बाइट
ख) खबर को पुष्ट करने के लिए संबन्धित दृश्य
ग) एंकर रिपोर्टर से फोन पर बात करता है
घ) घटनास्थल से सीधा प्रसारण

18 पत्रकारों द्वारा सूचनाएं पाठकों, दर्शकों और श्रोताओं तक पहुंचाने के लिए के लिए लेखन के जिन विभिन्न रूपों का प्रयोग करते है उसे----------कहते हैं
क) समाचार केखन
ख) फीचर लेखन
ग) पत्रकारीय लेखन
घ) क व ग

19 पत्रकार कितने तरह के होते हैं ?
क) 3
ख) 5
ग) 4
घ) 2

20 किस पत्रकार का संबंध किसी खास समाचार पत्र से नहीं होता बल्कि वह भुगतान के आधार पर अलग – अलग अखबारों के लिए लिखता है?

क) स्वतंत्र /फ्रीलैंस पत्रकार
ख) अंशकालिक पत्रकार
ग) पूर्णकालिक पत्रकार
घ) उपरयुक्त सभी

21 निम्नलिखित में से गलत वाक्य चुनिये –

क) अखबारों में साफ-सुधरी ,सरल व प्रभावी भाषा का प्रयोग होना चाहिए
ख) अखबारों की भाषा को प्रभावी बनाने के लिए विशेषणों और अलंकारिक भाषा का प्रयोग भी करें
ग) अखबारों की भाषा सहज, सरल व रोचक होनी चाहिए
घ) बोलचाल की भाषा का प्रयोग करना चाहिए

22 अखबारों में समाचार लिखने वाले पत्रकार को संवाददाता या रिपोर्टर भी कहते है – सही या गलत

क) सही
ख) गलत

23 क्या ,कौन, कहाँ, कब, क्यों, कैसे –इन्हें क्या कहते हैं?

क) छाहकर
ख) छह काकर
ग) छह ककार
घ) षटकार

24 ----------में तथ्यों की शुद्धता और वस्तुनिष्ठता पर ज़ोर दिया जाता है परंतु ---------- एक सृजनात्मक और आत्मनिष्ठ लेख होता है ।

क) निबंध ,समाचार
ख) फीचर,आलेख
ग) समाचार ,आलेख
घ) समाचार , फीचर

25 उदन्त मार्तण्ड पत्र के संपादक है –

क) महावीर प्रसाद
ख) बालकृष्ण भट्ट
ग) जुगल किशोर शुक्ल
घ) निराला

26

(अ) (आ) 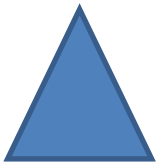

दिये गए चित्रों में कथात्मक लेखन शैली पहचानिए –

क) अ

ख) आ

ग) दोनों ही कथात्मक शैली हैं

घ) इनमें से कोई नहीं

27 सही वाक्य चुनिये

क) फीचर लेखन का एक निश्चित ढाँचा होता है

ख) फीचर का आरंभ आकर्षक और उत्सुकता पैदा करने वाला होना चाहिए

ग) फीचर को रिपोर्ट की तरह प्रस्तुत करना चाहिए

घ) हर समाचार को फीचर शैली मैं लिखा जा सकता है

28 संपादकीय पृष्ठ पर प्रकाशित होनेवाले संपादकीय को उस अखबार की अपनी ----------माना जाता है।

क) आत्मा

ख) आँखें

ग) आवाज़

घ) दिल

29 किसी अखबार में कोई बाहर का लेखक का पत्रकार संपादकीय नहीं लिख सकता है – सही या गलत

क) सही

ख) गलत

30 संपादकीय किसी व्यक्ति विशेष का विचार नहीं होता इसलिए –

क) संपादकीय को समाचार पत्र की आवाज़ माना जाता है

ख) इसे कोई भी पत्रकार लिख सकता है

ग) इसे किसी के नाम के साथ नहीं छापा जाता

घ) इसे किसे भी पृष्ठ पर छाप सकते हैं

31 कुछ लेखकों की लोकप्रियता को देखकर अखबार उन्हें नियमित रूप से लिखने की ज़िम्मेदारी देता है ।इसे -------- लेखन कहते हैं ।

क) स्तम्भ

ख) फीचर

ग) रिपोर्ट
घ) इनमें से कोई नहीं

32 किसी सामाग्री से उसकी अशुद्धियों को दूर करके उसे पठनीय बनाना, व्याकरण, वर्तनी तथा तथ्य संबंधी अशुद्धियों को दूर करना ----------कहलाता है ।
क) सम्पादन
ख) संवाददाता
ग) संचार
घ) संरचना

33 यह पाठकों का अपना स्तम्भ होता है । इसके जरिये पाठक विभिन्न मुद्दों पर अपनी राय देते हैं – यह कौन सा स्तम्भ है?
क) स्तम्भ लेखन
ख) संपादक के नाम पत्र
ग) पाठक के पत्र
घ) पाठक कोना

34 पत्रकार द्वारा किसी अन्य व्यक्ति से तथ्य, राय या उसकी भावनाएं जानने के लिए पूछे जाने वाले सवालों को क्या कहते है?
क) इन डेप्थ रिपोर्ट
ख) लेख
ग) साक्षात्कार
घ) स्तम्भ लेखन

35 किसी तथ्यों, सूचनाओं और आंकड़ों की गहन छानबीन और विश्लेषण ----------कहलाता है ।
क) खोजी रिपोर्ट
ख) इन डेप्त रिपोर्ट
ग) विश्लेषणात्मक रिपोर्ट
घ) विवरणात्मक रिपोर्ट

36 सबसे महत्वपूर्ण तथ्य या सूचना को सबसे ऊपर रखना और उसके बाद घटते हुए महत्वक्रम में सूचनाएँ देने की खास शैली किसमें पाई जाती है?
क) संपादकीय में
ख) फीचर में
ग) लेख में
घ) समाचार में

37 भारत में इंटरनेट पत्रकारिता का दूसरा दौर कब आरंभ हुआ ?
क) 1982-1992
ख) 1993-2001

ग) 2002 से अब तक
घ) 2003 से

38 उल्टा पिरनिड शैली में समाचारों को कितने भागों में बांटा जाता है?
क) 3
ख) 4
ग) 5
घ) 6

39 मुद्रण का आरंभ किस देश में हुआ ?
क) भारत
ख) चीन
ग) जापान
घ) अमरीका

40 अखबार या अन्य समाचार माध्यमों में काम करने वाले पत्रकार अपने पाठकों दर्शकों और श्रोताओं तक सूचनाएँ पहुँचाने के लिए लेखन के विभिन्न रूपों का इस्तेमाल करते हैं । इसे ही ----------कहते हैं ।
क) संपादकीय
ख) फ्रीलान्स पत्रकार
ग) पत्रकारिता
घ) बीट

41 समाचार के लीड या इंट्रो को हिन्दी में क्या कहते है?
क) डेडलाइन
ख) रेडलाइन
ग) मुखड़ा
घ) इनमें से कोई नहीं

42 एच टी एम एल क्या है?
क) वेब साइट
ख) वेब चानेल
ग) वेब भाषा
घ) उपर्युक्त सभी

43 वह कौन सा औजार है जिसके जरिये विश्व व्यापी जाल में गोते लगाए जा सकते है?
क) ब्राउसर
ख) माऊस
ग) टूल्स
घ) इंटरनेट

44 वेबसाइट पर विशुद्ध पत्रकारिता शुरू करने का श्रेय किसे जाता है?
क) रिडीफ डॉट कॉम को
ख) इंडियाईंफोलाइन
ग) तहलका डॉट कॉम को
घ) सीफ़ी

45 कौन सा अखबार केवल इंटरनेट पर उपलब्ध है?
क) जागरण
ख) प्रभासाक्षी
ग) दैनिक भास्कर
घ) राजस्थान पत्रिका

46 इंटरनेट पत्रकारिता है-
क) इंटरनेट पर फिल्में देखना
ख) इंटरनेट में सर्च करना
ग) इंटरनेट पर अखबारों का प्रकाशन या खबरों का आदान – प्रदान
घ) पत्रकारों के बीच चर्चा

47 उल्टा पिरामिड शैली के अंग पहचानिए –
क) इंट्रो, मध्य और समापन
ख) मुखड़ा बॉडी और अंत
ग) इंट्रो , मुखड़ा , लीड
घ) इंट्रो, बॉडी और समापन

48 दृश्यों का किस माध्यम में सबसे अधिक महत्व होता है?
क) इंटरनेट
ख) दूरदर्शन
ग) रेडियो
घ) समाचार पत्र

49 मुद्रित माध्यम की सबसे बड़ी विशेषता क्या है?
क) यह तथ्यात्मक होते हैं
ख) इनमें स्थायित्व होता है
ग) साफ-सुथरा होता है
घ) इनमें से कोई नहीं

50 इंटरनेट पत्रकारिता को किस अन्य नाम से जाना जाता है?
क) साइबर पत्रकारिता
ख) ऑनलाइन पत्रकारिता
ग) वेब पत्रकारिता
घ) उपर्युक्त सभी

उत्तर संकेत

1(ग) दूरभाष

2 (क) जर्मनी के गुटेन्बेर्ग

3 (क) सन् 1556, गोवा में

4(ग) मुद्रित माध्य

5(ग) मुद्रित माध्यमों का पाठक साक्षर अथवा निरक्षर हो सकता है

6(ग) डेडलाइन

7(ग) क व ख दोनों

8(ख)उल्टा पिरामिड

9 छह

10(घ) इसमें लेखक अपनी राय,दृष्टिकोण,भावना नहीं डाल सकता

11(क) ब्राउज़र

12(ग) रेडियो एकरेखीय माध्यम है

13(ख) ब्रेकिंग न्यूज़

14(ग) कथन

15(ग) 1936

16(ग) लाइव

17(क) संबन्धित घटना के दृश्य ,ग्राफिक के जरिये सूचनाएं ,लोगों के बाइट

18(ग) पत्रकारीय लेखन

19(क) 3

20(क) स्वतंत्र /फ्रीलैंस पत्रकार

21(ख) अखबारों की भाषा को प्रभावी बनाने के लिए विशेषणों और अलंकारिक भाषा का प्रयोग भी करें 22 (क)सही

23(ग) छह ककार

24(घ) समाचार, फीचर

25(ग)जुगल किशोर शुक्ल

26(क)अ

27(ख) फीचर का आरंभ आकर्षक और उत्सुकता पैदा करने वाला होना चाहिए

28(ग) आवाज़

29 क) सही

30(ग) इसे किसी के नाम के साथ नहीं छापा जाता

31(क) स्तम्भ

32(क)सम्पादन

33(ग) पाठक के पत्र

34(ग) साक्षात्कार

35 (ख)इन डेप्त रिपोर्ट

36(घ) समाचार में

37(ख) 1993-2001

38(क) 3

39(ख)चीन

40(ग) पत्रकारिता

41(ग) मुखड़ा

42(ग) वेब भाषा

43(क) ब्राउसर

44(ग) तहलका डॉट कॉम

45(ख) प्रभा साक्षी

46(ग) इंटरनेट पर अखबारों का प्रकाशन या खबरों का आदान – प्रदान

47 (घ) इंटर,बॉडी और समापन

48 (ख) दूरदर्शन

49(ख) इनमें स्थायित्व होता है

50 (घ) उपर्युक्त सभी

आरोह – भाग 2

1. दिन जल्दी जल्दी ढलता है (एक गीत) - हरिवंशराय बच्चन

कविता का सार

निशा-निमंत्रण से उद्धृत इस गीत में कवि प्रकृति की दैनिक परिवर्तनशीलता के संदर्भ में प्राणी-वर्ग के धड़कते हृदय को सुनने की काव्यात्मक कोशिश व्यक्त करता है। किसी प्रिय आलंबन या विषय से भावी साक्षात्कार का आश्वासन ही हमारे प्रयास के पगों की गति में चंचल तेजी भर सकता है-अन्यथा हम शिथिलता और फिर जड़ता को प्राप्त होने के अभिशिप्त हो जाते हैं। यह गीत इस बड़े सत्य के साथ समय के गुजरते जाने के एहसास में लक्ष्य-प्राप्ति के लिए कुछ कर गुजरने का जज्बा भी लिए हुए है।

कवि कहता है कि साँझ घिरते ही पथिक लक्ष्य की ओर तेजी से कदम बढ़ाने लगता है। उसे रास्ते में रात होने का भय होता है। जीवन-पथ पर चलते हुए व्यक्ति जब अपने लक्ष्य के निकट होता है तो उसकी उत्सुकता और बढ़ जाती है। पक्षी भी बच्चों की चिंता करके तेजी से पंख फड़फड़ाने लगते हैं। अपनी संतान से मिलने की चाह में हर प्राणी आतुर हो जाता है। आशा व्यक्ति के जीवन में नई चेतना भर देती है। जिनके जीवन में कोई आशा नहीं होती, वे शिथिल हो जाते हैं। उनका जीवन नीरस हो जाता है। उनके भीतर उत्साह समाप्त हो जाता है। अत: रात जीवन में निराशा नहीं, अपितु आशा का संचार भी करती है।

पठित काव्यांश – 1

हो जाए न पथ में रात कहीं,
मंज़िल भी तो है दूर नहीं –
यह सोच थका दिन का पंथी भी जल्दी-जल्दी चलता है !
दिन जल्दी-जल्दी ढलता है !
बच्चे प्रत्याशा में होंगे,
नीड़ों से झाँक रहे होंगे –
यह ध्यान परों में चिड़ियों के भरता कितनी चंचलता है !

1. दिन का थका पंथी जल्दी –जल्दी क्यों चलता है ?
   (क) वह अँधेरा होने से पूर्व अपनी मंजिल पर पहुँचना चाहता है
   (ख) उसका घर पर कोई इंतजार नही कर रहा
   (ग) उसको थकान नहीं लग रही
   (घ) ये सभी

2. दिन जल्दी –जल्दी ढलता है का आशय है –
   (क) समय का सदुपयोग करना
   (ख) समय परिवर्तनशील है
   (ग) समय नहीं मिलता है
   (घ) इनमे से कोई नहीं

3. पक्षी के परों में चंचलता का क्या कारण है ?
   (क) बच्चों की याद
   (ख) भूख लगना

(ग) भय
(घ) प्रतिस्पर्धा

4. दिन जल्दी –जल्दी ढलता प्रतीत होता है –
(क) बैचेनी के कारण
(ख) सर्दी के दिन है
(ग) बहुत तेज बारिश के कारण
(घ) इनमे से कोई नहीं

5. दिन जल्दी –जल्दी ढलता है ' इस पंक्ति में निहित अलंकार है–
(क) विभावना (ख) उपमा
(ग) रूपक (घ) पुनरुक्ति प्रकाश

पठित काव्यांश - 2

बच्चे प्रत्याशा में होंगे
नीड़ों से झांक रहे होंगे
यह ध्यान परों में चिड़ियों के
भरता कितनी चंचलता है
दिन जल्दी-जल्दी ढलता है
मुझ से मिलने को कौन विकल ?
मैं होऊँ किसके हित चंचल ?
यह प्रश्न शिथिल करता पद को,
भरता उर में विह्वलता है ।
दिन जल्दी जल्दी ढलता है।

1. चिडिया के बच्चे घोंसलों से किस आशा में झाँक रहें होंगे ?
(क) उड़ने को (ख) भोजन की आशा में
(ग) किसी आगंतुक को देखने (घ) मौसम का हाल देखने

2. अपने बच्चों का ध्यान आने पर चिड़िया की क्या दशा होती है?
(क) उसकी गति तेज़ हो जाती है
(ख) वह उदास हो जाती है
(ग) उसे कोई फर्क नहीं पड़ता
(घ) उसकी गति मंद हो जाती है

3. बच्चों की क्या प्रत्याशा है ?
(क) उनके माता-पिता लौट कर आ रहे होंगे
(ख) माता –पिता के साथ नही रहना है
(ग) बच्चों को डर नही लगता है
(घ) इनमे से कोई नहीं

4. कौन सा विचार कवि के पैरों में शिथिलता ला देता है ?
(क) मेरे लिए सब व्याकुल है
(ख) मुझ से मिलने को कोई व्याकुल नहीं
(ग) कवि का पत्नी के साथ झगड़ा हो गया है
(घ) इनमे से कोई नहीं

5. " मुझसे मिलने को कौन विकल" - इस पंक्ति में कवि की विशेष मानसिक स्थिति का पता चलता है।इनमें से कौन सा विकल्प सही नहीं है?
(क) उदासीनता
(ख़) उत्साह
(ग) निराशा
(घ) एकाकीपन

पठित काव्यांश – 1 उत्तर :

1. *क*
2. *ख*
3. *क*
4. *क*
5. *घ*

पठित काव्यांश – 2 उत्तर :

1. *ख*
2. *क*
3. *क*
4. *ख*
5. *ख*

कविता पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न -

1. 'एक गीत' कविता में कवि ने समय को कैसा माना है?
   क) स्थिर
   ख) परिवर्तनशील
   ग) तीव्र
   घ) उग्र

2. "दिन जल्दी-जल्दी ढलता है' में दिन' किसका प्रतीक है ?

क) उजाले का
ख) जीवन का
ग) दिवस का
घ) मृत्यु का

3. कवि के हृदय में कैसे भाव भरे हुए हैं?

क) प्रसन्नता
ख) उत्साह
ग) विह्वलता
घ) घृणा

4. पथिक के मन में क्या आशंका है?

क) कहीं रात न हो जाए
ख) कहीं वर्षा न हो जाए
ग) कहीं रास्ता भतक न जाए
घ) कहीं भोजन न मिले

5. थका हुआ पंथी किस कारण जल्दी-जल्दी चलता है? *

क) लक्ष्य समीप है
ख) भूख लगी हुई है
ग) दिन ढलने वाली है
घ) शाम होने वाली है

6. " हो जाए न पथ में रात कहीं " - पंक्ति में रात किसका प्रतीक है? *

क) अंधेरे का
ख) जीवन का
ग) रात्री का
घ) मृत्यु का

7. "दिन जल्दी-जल्दी ढलता है' की आवृत्ति से किस विशेषता का पता चलता है ?

क) सर्दियों में दिन बहुत छोटा होता है
ख) समय परिवर्तनशील है
ग) समय बहुत तेज़ी से बीत रहा है
घ) दिन को और लंबा होना चाहिए

8. 'मंज़िल भी तो है दूर नहीं ' पंक्ति से कवि की किस प्रवृत्ति का पता चलता है?

क) निराशावादी
ख) अहंवादी
ग) पलायनवादी
घ) आशावादी

9. शीघ्र अपने बच्चों के पास पहुँचने की इच्छा चिड़िया की किस क्रिया से प्रकट होती है
   क) चहचहाने से
   ख) तेज़ उड़ने से
   ग) पीड़ा में तड़पने से
   घ) जल्दी-जल्दी दाना चुगने से

10. चिड़िया के पंखों में तेज़ी क्यों आ जाती है ?
   क) यह सोचकर कि सूरज न ढ्ल जाए
   ख) यह सोचकर कि बच्चे घोंसले में इंतज़ार कर रहें हैं
   ग) यह सोचकर कि रात में उड़ना मुश्किल है
   घ) यह सोचकर कि रास्ता भटक न जाए

11. 'नीड़ों से झाँक रहे होंगे' – के माधयम से कवि कौन सा बिंब पैदा करने का प्रयास करता है ?
   क) चिड़ियों के बच्चों की नादानी
   ख) घोंसले के बाहर के संसार को देखने की इच्छा
   ग) बच्चों का भूख से व्याकुल होना
   घ) अत्यंत व्यग्रता से किसी की प्रतीक्षा करना

12. मुझसे मिलने को कौन विकल? पंक्ति में कवि ने मनुष्य की किस प्रवृत्ति की ओर इशारा किया है? ?
   क) निराशावादी
   ख) अहंवादी
   ग) पलायनवादी
   घ) आशावादी

13. "मैं होऊँ किसके हित चंचल?" इस मनोभाव से कवि पर क्या प्रभाव पड़ता है ?
   क) कवि यह सोचकर तीव्र गति से चलने लगता है
   ख) कवि का मन घर पहुँचने के लिए आतुर हो जाता है
   ग) कवि के पैर इस सोच से शिथिल हो जाते हैं
   घ) कवि वहीं रुक जाते हैं

14 . घर जाते हुए कवि के पग शिथिल क्यों हो जाते हैं?
   क) घर पर उसका कोई इंतजार नहीं कर रहा
   ख) घर जाकर वह क्या करेगा?
   ग) उसे अपने घर जाने की जल्दी नहीं
   घ) उसे अपना घर अच्छा नहीं लगता

15. किन परिस्थियों में हमारा मन शिथिल हो जाता है ?
   क) उत्साह के अभाव में
   ख) प्रेरणा के अभाव में
   ग) प्यार के अभाव में
   घ) लक्ष्य के अभाव में

उत्तर संकेत

1. *ख – परिवर्तनशील*
2. *ख- जीवन का*
3. *ग- विह्वलता*
4. *क- कहीं रात न हो जाए*
5. *क- लक्ष्य समीप है*
6. *घ- मृत्यु का*
7. *ग-समय बहुत तेज़ी से बीत रहा है*
8. *घ - आशावादी*
9. *ख - तेज़ उड़ने से*
10. *ख - यह सोचकर कि बच्चे घोंसले में इंतज़ार कर रहें हैं*
11. *घ - अत्यंत व्यग्रता से किसी की प्रतीक्षा करना*
12. *क- निराशावादी*
13. *ग - कवि के पैर इस सोच से शिथिल हो जाते हैं*
14. *क- घर पर उसका कोई इंतजार नहीं कर* रहा
15. घ- लक्ष्य के अभाव में

अभिकथन – कारण पर आधारित प्रश्न

1. अभिकथन (A) – पथिक ने अपनी चलने की गति बढ़ा दी है ।

कारण(R) - पथिक को डर है कि कहीं रस्ते में ही रात न हो जाए।

(क) Aऔर R दोनों सत्य हैं और R,A की सही व्याख्या नहीं करता है।

(ख) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या करता है।

(ग) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

(घ) A असत्य है,लेकिन R सत्य है।

2. अभिकथन (A) – दिन जल्दी जल्दी ढलता है ।

कारण(R) - दिन का जल्दी जल्दी ढलना मनुष्य के अल्पायु होने की ओर संकेत करता है ।

(क) Aऔर R दोनों सत्य हैं और R,A की सही व्याख्या नहीं करता है।

(ख) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या करता है।

(ग) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

(घ) A असत्य है,लेकिन R सत्य है।

3. **अभिकथन (A)** – थकान के कारण कवि के पैर शिथिल हो गए हैं।

कारण(R) - कवि की प्रतीक्षा करने वाला कोई नहीं है ।

(क) Aऔर R दोनों सत्य हैं और R,A की सही व्याख्या नहीं करता है।

(ख) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या करता है।

(ग) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

(घ) A असत्य है,लेकिन R सत्य है।

4. **अभिकथन (A)** – कवि को लगता है कि उसकी मंज़िल दूर नहीं है ।

कारण(R) - थका होने पर भी कवि अपनी गति तीव्र कर लेता है ।

(क) Aऔर R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।

(ख) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या करता है।

(ग) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

(घ) A असत्य है,लेकिन R सत्य है।

5. **अभिकथन (A)** – पथिक को अपने बच्चों की याद आ जाती है ।

कारण(R) - पथिक के चलने की गति धीमी हो जाती है ।

(क) Aऔर R दोनों सत्य हैं और R,A की सही व्याख्या नहीं करता है।

(ख) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या करता है।

(ग) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

(घ) A असत्य है,लेकिन R सत्य है।

उत्तर संकेत

1. ख- A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या करता है।
2. क- Aऔर R दोनों सत्य हैं और R,A की सही व्याख्या नहीं करता है।
3. घ- A असत्य है,लेकिन R सत्य है।
4. ख - A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या करता है।
5. घ - A असत्य है,लेकिन R सत्य है।

2 . कविता के बहाने - कुँवर नारायण

कविता का सार

कविता के बहाने कविता कवि की कविता संग्रह 'इन दिनों 'से ली गई है। आज के समय में कविता के अस्तित्व के बारे में संदेह हो रहा है।यह आशंका जताई जा रही है कि यांत्रिकता के दबाव से कविता का अस्तित्व नहीं रहेगा ।ऐसे में यह कविता कविता की अपार संभावनाओं को टटोलने का एक अवसर देती है। यह कविता एक यात्रा है जो चिड़िया ,फूल से लेकर बच्चे तक की है।एक ओर प्रकृति है दूसरी ओर भविष्य की ओर कदम बढ़ाता बच्चा ।कवि कहता है कि चिड़िया की उड़ान की सीमा है ,फूल के खिलने के साथ उसकी परिणति निश्चित है लेकिन बच्चे की सपने असीम है ।बच्चों के खेल में किसी प्रकार की सीमा का कोई स्थान नही होत। कविता भी शब्दों का खेल है और शब्दों के इस खेल में जड़,चेतन ,अतीत, वर्तमान और भविष्य भी उपकरण मात्र है ।इसलिए जहां रचनात्मक ऊर्जा होगी वहां सीमाओं के बंधन टूट जाते हैं। चाहे घर की हो ,भाषा की हो या समय की ही क्यों न हो।

कविताओं पर आधारित प्रश्न

निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए बहुविकल्पीय प्रश्नों के सही उत्तर चुनकर लिखिए।

काव्यांश 1: कविता एक उडान है चिड़िया के बहाने
कविता की उड़ान भला चिड़िया क्या जाने
बाहर भीतर
इस घर उस घर
कविता के पंख लगा उड़ने के माने
चिड़िया क्या जाने ?

प्रश्न1.चिड़िया अपने पंखों के सहारे उडती है और कविता किसके सहारे उड़ती है ?

क. पंख ख. विचार
ग. कल्पना घ. शब्द

प्रश्न 2. कविता में चिड़िया का वर्णन करने के पीछे कवि का क्या उद्देश्य होता है?

क कल्पना करना
ख,उड़ान भरना
ग,अपने मन के भावों को व्यक्त करना
घ,अलंकार का प्रयोग करना

प्रश्न 3. कविता और चिड़िया की उड़ान में क्या अंतर है ?

क) चिड़िया दूर तक उड़ती है और कविता किताब के पन्नों तक
ख) चिड़िया की उड़ान की एक सीमा होती है जबकि कविता की उड़ान असीम है
ग) चिड़िया पंखों की सहारे उड़ती है और कविता कल्पना के सहारे
घ) ख और ग दोनों

प्रश्न 4. कविता की उड़ान को कौन नहीं समझ सकता?

क पाठक ख,चिड़िया
ग,कवि घ,आलोचक

प्रश्न 5 कविता के आधार पर बताइए कि कविता और चिड़िया में किस गुण की समानता है ?

क) दोनों पंख लगाकर उड सकते हैं
ख) दोनों ही उडान भर सकते हैं
ग) दोनों कल्पना कर सकते हैं
घ) दोनों कविता लिख सकते हैं

काव्यांश 2 : *कविता एक खिलना है फूलों के बहाने*
कविता का खिलना भला फूल क्या जाने
बाहर भीतर
इस घर उस घर
बिना मुरझाए महकने के माने
फूल क्या जाने

प्रश्न 1,कविता और फूल में क्या समानता होती है?

क) क, दोनों खिलते हैं और मुरझा जाते हैं
ख) ख, दोनों ही खिलते और महकते हैं
ग) ग, दोनों मन मे खुशी उत्पन्न करते हैं
घ) घ, उपर्युक्त सभी

प्रश्न 2 फूल की अंतिम परिणति क्या होगी ?

क) क,खिलना
ख) ख, महकना
ग) ग,मुरझाना
घ) घ, ताजगी भरना

प्रश्न 3,बिना मुरझाए कौन महकती है ?

क) क चिड़िया
ख) ख,बच्चे
ग) ग,फूल
घ) घ, कविता

प्रश्न 4, कविता बिना मुरझाये सदियों तक महकती रहती है इस कथन का क्या आशय होगा ?

क) क,कविता कालजयी होती है
ख) ख,कविता का प्रभाव सदियों तक बना रहता है
ग) ग, कविता का सौंदर्य कभी समाप्त नहीं होता
घ) घ,उपर्यक्त सभी

प्रश्न 5 कविता और फूलों के महकने में क्या अंतर है?

क फूलों की महक महसूस कर सकते हैं परंतु कविता की नही
ख, फूलों की महक सीमित होती है और कविता की असीम
ग,फूल कुछ समय के लिए महकते है और कविता क्भी भी नहीँ

घ, ख और ग दोनों

काव्यांश 3: कविता एक खेल है बच्चों के बहाने
बाहर भीतर
यह घर वह घर
सब घर एक कर देने के माने
बच्चा ही जाने।

प्रश्न 1 कविताश के अनुसार कविता और बच्चों में क्या समानता होती है ?
क) दोनों खिल सकते हैं
ख) दोनों हँस सकते हैं
ग) दोनों रो सकते हैं
घ) दोनों खेल सकते हैं

प्रश्न2, बच्चों के खेल की क्या विशेषता होती है ?
क) वे खेलते समय लड़ते झगड़ते हैं
ख) वे खेलते समय विभिन्न घरों का भेद भाव मिटा देते हैं
ग) वे खेलते समय शैतानी करते हैं
घ) उक्त सभी

प्रश्न 3 कविता किसके सहारे खिलती है?
क) खिलौने के
ख) घरेलू सामान के
ग) घरों के
घ) शब्दों के

प्रश्न 4, मानव के बीच की दूरी कौन मिटा सकता है?
क) कविता
ख) कविता और चिड़िया
ग) फूल
घ) बच्चे

प्रश्न 5, बिना मुरझाए महकने के माने इस पंक्ति में कौनसा अलंकार प्रयोग किया गया है?
क) यमक
ख) उपमा
ग) अनुप्रास
घ) रूपक

कविता पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

कविता के आधार पर निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सही उत्तर चुनिए।
प्रश्न1 कविता के बहाने कविता के कवि कौन है?
क) क, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

ख) ख, कुंवर नारायण
ग) ग, जयशंकर प्रसाद
घ) घ, महादेवी वर्मा

प्रश्न 2 कविता के बहाने कविता के अनुसार चिड़िया, फूल और बच्चे क्या है?
क) शब्द
ख) भावना
ग) अभिव्यक्ति के उपकरण
घ) सभी उत्तर गलत है

प्रश्न 3 कविता के बहाने कविता में किस के अस्तित्व पर विचार किया गया है ?
क) प्रकृति
ख) मनुष्य
ग) कविता
घ) उक्त सभी

प्रश्न 4 कविता के बहाने कविता में कविता की किन के साथ समानता समानता बताई गई है ?
क) घर ,फूल, खेल
ख) चिड़िया, खेल, बच्चे
ग) चिड़िया ,फूल ,बच्चे
घ) घर, चिड़िया, बच्चे

प्रश्न 5 कविता के बहाने कविता के आधार पर बताइए कि प्रकृति कवि के लिए क्या है?
क) साधन
ख) उद्देश्य
ग) शब्द
घ) वाक्य

प्रश्न 6 कविता के अस्तित्व पर विचार करती हुई कविता के बहाने कविता क्या निष्कर्ष प्रस्तुत करती है
क) कविता के अस्तित्व पर आज गहरा संकट है
ख) अब कविता लिखना व्यर्थ हैं
ग) कविता कालजयी होती है
घ) इसमें से कोई नहीं

प्रश्न 7 कविता पढ़ते और लिखते समय काल के बंधन टूट जाते हैं और बच्चों के खेलते समय
क) धर्म जाति के बंधन टूट जाते हैं
ख) भेदभाव के सभी बंधन टूट जाते हैं
ग) संकीर्णता के बंधन टूट जाते हैं
घ) क्त सभी विकल्प सही है

प्रश्न 8 कविता किस के बहाने एक उड़ान है
क) फूलों के

ख) चिड़ियों के
ग) बच्चों के
घ) मानव के

प्रश्न 9 कविता के बहाने कविता कवि के किस कविता संग्रह से ली गई है
क) इन दिनों
ख) आजकल
ग) पर्दा
घ) शिथिल

उत्तर संकेत

काव्यांश 1
2) ग 2) ग 3) ख और ग दोनों 4) ख 5) ख
काव्यांश 2
3) ख 2) ग 3) घ 4) घ 5) ख और ग दोनों
काव्यांश 3
1) घ 2) ख 3) घ 4) घ 5) ग

कविता पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्न
1) ख
2) ग
3) ग
4) ग
5) क
6) ग
7) घ
8) ख
9) क

3. कैमरे में बंद अपाहिज – रघुवीर सहाय

कविता का सार

कैमरे में बंद अपाहिज कविता करुणा के मुखौटे में छिपी क्रूरता की कविता है। इसमें निरंतर व्यावसायिक होते जा रहे मीडिया वालों की संवेदनहीनता का चित्रण है ।मीडिया वाले एक अपाहिज व्यक्ति को स्टूडियो में लाते हैं और साक्षात्कार के बहाने प्रश्न पूछ- पूछ कर उसे रुलाने की कोशिश करते हैं । वे आंसुओं को बेच कर पैसा कमाना चाहते हैं।इसमें सामाजिक उद्देश्य नहीं बस क्रूरता एवं व्यावसायिकता है ।

1 हम दूरदर्शन पर बोलेंगे
हम समर्थ शक्तिवान
हम एक दुर्बल को लाएंगे
एक बंद कमरे में
उससे पूछेंगे तो आप क्या अपाहिज है?
तो आप क्यों अपाहिज है?
आपका अपाहिजपन तो दुख देता होगा
देता है ?
(कैमरा दिखाओ इसे बड़ा बड़ा)
हां तो बताइए आपका दुख क्या है
जल्दी बताइए वह दुख बताइए
बता नहीं पाएगा।

1) यहां कौन अपने को समर्थ और शक्तिमान समझता है?
   - क) अपाहिज
   - ख) मीडिया वाले
   - ग) नेतागण
   - घ) जनता

2) अपाहिज क्या नहीं बता पाएगा?
   - क) अपना सुख
   - ख) अपना दुख
   - ग) अपना सामर्थ्य
   - घ) अपनी शक्ति

3) मीडिया कर्मी की नजर में अपाहिज कैसे हैं?
   - क) शक्तिशाली
   - ख) पूर्ण समर्थ
   - ग) बुद्धिमान
   - घ) दुर्बल

4) मीडिया द्वारा अपाहिज से पूछे गए प्रश्न कैसे हैं?
   - क) रोचक और संवेदनशील
   - ख) बेतुके और संवेदनहीन
   - ग) ठोस और सामाजिक
   - घ) मजाकिया और हल्के

5) काव्यांश के शब्द प्रयोग की क्या विशेषता है ?

क) कोष्ठकों का प्रयोग
ख) मुहावरेदार भाषा
ग) अलंकार प्रयोग
घ) प्रतीक का प्रयोग

उत्तर संकेत

6. ख- मीडिया वाले

7. ख- अपना दुख ,

8. घ- दुर्बल

9. ख- बेतुके और संवेदनहीन,

10. क- कोष्ठकों का प्रयोग

2. आप जानते हैं कि कार्यक्रम को रोचक बनाने के वास्ते
हम पूछ पूछ कर उसको रुला देंगे
इंतजार करते हैं आप ही उसके रो पडने का
करते हैं ?
(यह प्रश्न पूछा नहीं जाएगा)
फिर हम पर्दे पर दिखलाएंगे
फूली हुई आंख की एक बड़ी तस्वीर
बहुत बड़ी तस्वीर
और उसके होठों पर एक कसमसाहट भी
(आशा है आप उसे उसकी अपंगता की पीड़ा मानेंगे)
एक और कोशिश
दर्शक धीरज रखिए
देखिए हमें दोनों एक संग रुलाने हैं
आप और वह दोनों
(कैमरा
बस करो नहीं हुआ
रहने दो
पर्दे पर वक्त की कीमत है)
अब मुस्कुराएंगे हम
आप देख रहे थे सामाजिक उद्देश्य से युक्त कार्यक्रम
(बस थोड़ी सी कसर रह गई)
धन्यवाद!

1) यहां मीडिया कर्मी अपाहिज व्यक्ति से किस प्रकार का व्यवहार करता है?

क) सहानुभूति पूर्ण
ख) संवेदनहीन
ग) संवेदनशील
घ) सकारात्मक

2) 'हम पूछ पूछ कर उसको रुला देंगे' पंक्ति में मीडिया कर्मी का अपंग व्यक्ति को रुलाने के पीछे क्या उद्देश्य है ?
   क) उसका दुख कम करना
   ख) कार्यक्रम को मनोरंजक बनाना
   ग) दर्शकों में उसके प्रति सहानुभूति उत्पन्न करना
   घ) उपर्युक्त सभी

3) कार्यक्रम प्रस्तुतकर्ता दर्शकों एवं अपाहिज को एक साथ क्यों रुलाना चाहता है?
   क) दर्शक उसका दुख दूर करें
   ख) अपाहिज व्यक्ति से सहानुभूति प्रकट करने के लिए
   ग) कार्यक्रम/ चैनल की प्रसिद्धि बढ़ सके
   घ) उपर्युक्त सभी

4) कैमरा /बस करो /नहीं हुआ रहने दो -पंक्ति में क्या व्यंग्य निहित है ?
   क) कार्यक्रम को मनोरंजक नहीं बनाया जा सका
   ख) मीडियाकर्मी अपाहिज को कैमरे के समक्ष रुलाने में असमर्थ रहा
   ग) दर्शकों को हंसाया नहीं जा सका
   घ) उपर्युक्त सभी

5) 'थोड़ी सी कसर क्या रह गई?
   क) अपाहिज को रुलाया ना जा सका
   ख) दर्शकों को रुलाया न जा सका
   ग) समय सीमा के अंदर अपेक्षित प्रभाव नहीं आया
   घ) उपर्युक्त सभी

उत्तर :-

1) *ख- संवेदनहीन,*
2) *ख - कार्यक्रम को मनोरंजक बनाना,*
3) *ग- कार्यक्रम/ चैनल की प्रसिद्धि बढ़ सके,*
4) *ख- मीडियाकर्मी अपाहिज को कैमरे के समक्ष रुलाने में असमर्थ रहा*
5) *घ- उपर्युक्त सभी*

कविता पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

कविता के आधार पर निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सही उत्तर चुनिए।

1) कैमरे में बंद अपाहिज कविता में दूरदर्शन वाले किसे ला रहे हैं?
   क) बलवान को
   ख) दुर्बल को
   ग) नेता को
   घ) खिलाड़ी को

2) अपाहिज से दूरदर्शन कार्यक्रम संचालक किस प्रकार के प्रश्न पूछता है?
   क) सारपूर्ण
   ख) अर्थहीन
   ग) ज्ञानवर्धक
   घ) उपरोक्त सभी
3) कार्यक्रम को रोचक बनाने के लिए अपाहिज को क्या करते हैं?
   क) नचा देते हैं
   ख) हंसा देते हैं
   ग) भगा देते हैं
   घ) रुला देते हैं
4) कैमरे में बंद अपाहिज कविता के रचनाकार है –
   क) कुंवर नारायण
   ख) आलोक धनवा
   ग) रघुवीर सहाय
   घ) गजानन माधव मुक्तिबोध
5) हम समर्थक शक्तिमान पंक्ति में हम किसके लिए प्रयुक्त है?
   क) कवि के लिए
   ख) मीडिया कर्मी के लिए
   ग) उच्च वर्ग के लिए
   घ) अपाहिज व्यक्ति के लिए
6) कविता के अनुसार मीडिया की नजर में दुर्बल कौन है?
   क) अपाहिज
   ख) गरीब
   ग) महिलाएं
   घ) निरक्षर
7) मीडिया कर्मी किसे रुलाना चाहते हैं?
   क) दर्शकों को
   ख) अपाहिज को
   ग) अपाहिज और दर्शक दोनों को
   घ) किसी को भी नहीं
8) कविता में मीडिया का दिव्यांगजन के प्रति कैसा व्यवहार बताया गया है?
   क) संवेदनशील
   ख) संवेदनहीन व क्रूर
   ग) स्वार्थी
   घ) सहानुभूति पूर्ण
9) मीडिया कर्मियों का शूटिंग के समय कैसा रवैया होता है ?
   क) सहानुभूति पूर्ण
   ख) सहयोग पूर्ण
   ग) व्यावसायिक
   घ) उपर्युक्त सभी
10) कविता में कोष्ठक में लिखी गई बातों से क्या उजागर होता है ?

क) मीडिया का सहानुभूति पूर्ण व्यवहार
ख) मीडिया का छिपा हुआ क्रूर चेहरा
ग) मीडिया का संवेदनशील व्यवहार
घ) सहयोग पूर्ण व्यवहार

11) दूरदर्शन वाले अपाहिज व्यक्ति से कैसे प्रश्न पूछते हैं?
क) उसकी पीड़ा उभारने वाले
ख) उसको पीड़ा से मुक्त कराने वाले
ग) उसको संतोष प्रदान करने वाले
घ) उसको धैर्य बंधने वाले

12) कार्यक्रम प्रस्तुत करता पर्दे पर क्या दिखाने की बात कर रहा है ?
क) फूली हुई आंख की एक बड़ी तस्वीर
ख) अपाहिज व्यक्ति का चित्र
ग) कैमरामैन और स्वयं को
घ) इनमें से कोई नहीं

13) 'हमें दोनों एक संग रुलाने हैं '-इस पंक्ति में दोनों शब्द किसके लिए हैं?
क) कवि और अपाहिज व्यक्ति के लिए
ख) अपाहिज व्यक्ति और दर्शक के लिए
ग) दर्शक और कवि के लिए
घ) कार्यक्रम प्रस्तुत करता और अपाहिज व्यक्ति के लिए

14) मीडिया वाले अपाहिज व्यक्ति से क्या पूछते हैं?
क) क्या आप अपाहिज है?
ख) आप अपाहिज क्यों हैं?
ग) आपका अपाहिजपन आपको दुख देता होगा ?
घ) उपर्युक्त सभी

15) 'पर्दे पर वक्त की कीमत है' द्वारा मीडियावालों की कौन सी मानसिकता स्पष्ट होती है ?
क) व्यावसायिक दृष्टिकोण
ख) समाजहित की चिंता
ग) देशप्रेम
घ) कलात्मक दृष्टिकोण

उत्तर :-

1) *ख- दुर्बल को ,*
2) *ख अर्थहीन ,*
3) *घ- रुला देते हैं ,*
4) *ग- रघुवीर सहाय,*
5) *ख मीडिया कर्मी के लिए ,*
6) *क- अपहिज ,*
7) *ग- अपाहिज और दर्शक दोनों को,*
8) *ख- संवेदनहीन व क्रूर,*

9) ग- व्यावसायिक ,
10) ख- मीडिया का छिपा हुआ क्रूर चेहरा,
11) क- उसकी पीड़ा उभारने वाले
12) क- फूली हुई आंख की एक बड़ी तस्वीर,
13) ख- अपाहिज व्यक्ति और दर्शक के लिए,
14) घ- उपर्युक्त सभी ,
15) क- व्यावसायिक दृष्टिकोण

निम्नलिखित अभिकथन- कारण संबंधित प्रश्नों के उत्तर हेतु सही विकल्प का चयन कीजिए-

1) **अभिकथन (A)** - दूरदर्शन का कार्यक्रम संचालक अपाहिज के दुखों को बार-बार दिखाता है
कारण (R)- क्योंकि वह संवेदनशील है
क) अभिकथन(A) सही है जबकि कारण(R) गलत है
ख) अभिकथन(A) गलत है जबकि कारण(R) सही है
ग) अभिकथन(A) और कारण(R) दोनों सही है तथा R, A की व्याख्या करता है|
घ) अभिकथन(A) और कारण(R) दोनों सही है तथा R, A की व्याख्या नहीं करता है|

2 **अभिकथन (A)** - किसी व्यक्ति के दुख को प्रस्तुत करके रोचकता लाना अनुचित है
कारण (R) - क्योंकि यह अमानवीय एवं असंवेदनशील व्यवहार है।
क) अभिकथन(A) सही है जबकि कारण(R) गलत है
ख) अभिकथन(A) गलत है जबकि कारण(R) सही है
ग) अभिकथन(A) और कारण(R) दोनों सही है तथा R, A की व्याख्या करता है|
घ) अभिकथन(A) और कारण(R) दोनों सही है तथा R, A की व्याख्या नहीं करता है|

3 **अभिकथन (A)** - कार्यक्रम संचालक कार्यक्रम को रोचक बनाना चाहता है
कारण(R) - वे कार्यक्रम में दर्शकों और अपाहिज को एक साथ रुलाना चाहते हैं ।
क) अभिकथन(A) सही है जबकि कारण(R) गलत है
ख) अभिकथन(A) गलत है जबकि कारण(R) सही है
ग) अभिकथन(A) और कारण(R) दोनों सही है तथा R, A की व्याख्या करता है|
घ) अभिकथन(A) और कारण(R) दोनों सही है तथा R, A की व्याख्या नहीं करता है|

उत्तर :-

1) क - अभिकथन(A) सही है जबकि कारण(R) गलत है
2) ग - अभिकथन(A) और कारण(R) दोनों सही है तथा R, A की व्याख्या करता है|
3) ग- अभिकथन(A) और कारण(R) दोनों सही है तथा R, A की व्याख्या करता है|

4. सहर्ष स्वीकारा है – मुक्तिबोध

कविता का सार

प्रस्तुत कविता में कवि मुक्तिबोध जीवन के सब दुख-सुख, संघर्ष, अवसाद, उठा-पटक सम्यक भाव से अंगीकार करने की प्रेरणा देते हैं ।कवि कहता है कि उसके जीवन की समस्त कमजोरियों-उपलब्धियों में उसका अज्ञात प्रेमी उसके साथ रहा है। गरबीली गरीबी, अनुभव, विचार-चिंतन, भावनाओं की नदी आदि यद्यपि सब मौलिक है, लेकिन प्रिय के प्रेम का आश्रय पाकर ही प्राप्त हुए हैं। कवि अपने अज्ञात प्रेमी के साथ बड़ी गहराई से जुड़ा है। वह स्वयं को जितना उडेलता है पुनः उससे अधिक भरा हुआ पाता है, मानो उसके हृदय में कोई झरना बहता है। उसका प्रिय उस पर चांद की तरह शीतलता और प्रकाश बिखेरते रहता है, लेकिन कवि इस प्रेम और उसके अप्रत्यक्ष आच्छादन से बाहर निकलना चाहता है, क्योंकि इसने उसे कमजोर और असहाय बना दिया है ।उससे लगता है कि सहारा ना हों तो वह जी नहीं पाएगा। जीवंतता पाने की चाह में वह उस अज्ञात को भूलना चाहता है ।यद्यपि ऐसा करना उसके लिए दंड के समान है,पर वह दंड झेलने के लिए तैयार है, क्योंकि वह जानता है कि इस कार्य में भी उसे 'वह' का साथ अवश्य मिलेगा और वह यह सब सहजता से कर पाएगा|

निम्नलिखित पद्यांश को पढकर निर्देशानुसार विकल्पों का चयन कीजिए

जिंदगी में जो कुछ है जो भी है
सहर्ष स्वीकारा है
इसलिए कि जो कुछ भी मेरा है
वह तुम्हें प्यारा है
गरबीली गरीबी यह , ये गंभीर अनुभव सब
यह विचार- वैभव सब
दृढता यह , भीतर की सरिता यह अभिनव सब
मौलिक है ,मौलिक है,
इसलिए कि पल पल में
जो कुछ भी जागृत है आपलक है
संवेदन तुम्हारा है|

1 प्रस्तुत पंक्तियों के रचनाकार है –
- क) हरिवंश राय बच्चन
- ख) गजानन माधव मुक्तिबोध
- ग) सूर्यकांत त्रिपाठी निराला
- घ) सुमित्रानंदन पंत

2 गरबीली गरीबी से कवि का क्या अभिप्राय है?
- क) गरीबी की दयनीय स्थिति
- ख) गरीबी से उभरने का संघर्ष
- ग) स्वाभिमान से युक्त गरीबी
- घ) अपमान का भाव

3 कवि ने अपने अंदर विद्यमान विशेषताओं को कैसे बताया है ?

क)पुरातन एवं सार्थक
ख)परंपरागत एवं सार्थक
ग) अभिनव एवं मौलिक
घ) चमत्कार पूर्ण एवं प्रभावी

4 भीतर की सरिता से कवि का क्या आशय है ?

क)बहती हुई नदी
ख)मन में लगातार प्रवाहित मौलिक भावनाएं
ग) मानसिक स्थिति
घ) कवि की उपासना मूर्ति

5 प्रस्तुत पंक्तियों में कवि ने किस शैली का प्रयोग किया है?

क) उपदेशात्मक शैली
ख)संबोधन शैली
ग) व्याख्या शैली
घ) आदेशात्मक शैली

उत्तर :

1) *ख- गजानन माधव मुक्तिबोध,*
2) *ग- स्वाभिमान से युक्त गरीबी,*
3) *ग- अभिनव एवं मौलिक,*
4) *ख- मन में लगातार प्रवाहित मौलिक भावनाएं*
5) *ख- संबोधन शैली*

2 सचमुच मुझे दंड दो कि भूलूँ मैं
भूलूँ मैं
तुम्हें भूल जाने की
दक्षिणा ध्रुवी अंधकार अमावस्या
शरीर पर, चेहरे पर, अंतर में पा लूँ मैँ
झेलूँ मैँ उसी में नहा लूं मैं
इसलिए कि तुम से ही परिवेष्टित आच्छादित
रहने का रमणीय यह उजेला अब
सहा नहीं जाता है।
नहीं सहा जाता है ।
ममता के बादल की मंडराती कोमलता-
भीतर पिराती है
कमजोर और अक्षम अब हो गई है आत्मा यह
छटपटाती छाती को भवितव्यता डराती है
बहलाती सहलाती आत्मीयता बर्दाश्त नहीं होती है!!

1 ' भवितव्यता' शब्द का अर्थ क्या है ?

क) विरहवेदना
ख) गरीबी की पीडा
ग) भविष्य में अवश्य घटित होनेवाली बात
घ) मृत्यू का डर

2 कवि कौन सा दंड पाना चाहता है?

क) प्रिय से मिलने का
ख) प्रिय की ममता का
ग) कोमलता का
घ) प्रिय से वियोग का

3 कवि के लिए अपनी प्रिया को भूलने का दुख कैसा होगा?

क) दक्षिण ध्रुव की अमावस्या जैसा अंधकारमय होगा
ख)ग्रहण लगा हुआ चांद सा
ग) ग्रहण लगा हुआ सूर्य सा
घ) चमकते हुए तारों सा

4 कौन सी रमणीय उजाला कवि के लिए असहनीय है ?

क)प्रिया के स्नेह का उजाला
ख)अमीरी का
ग) प्रिया से मिलन
घ) प्रिया से नफरत

5 कवि की आत्मा कमजोर क्यों हो गई है?

क)प्रिया के स्नेह और आत्मीयता के कारण
ख)जीवन की चुनौतियों के कारण
ग) कार्य के प्रति उदासीन होने के कारण
घ) अत्यधिक दुख सहन करने के कारण

उत्तर:-

1) *ग- भविष्य में अवश्य घटित होनेवाली बात,*
2) *घ- प्रिय से वियोग का,*
3) *क- दक्षिण ध्रुव की अमावस्या जैसा अंधकारमय होगा,*
4) *क- प्रिया के स्नेह का उजाला,*
5) *क- प्रिया के स्नेह और आत्मीयता के कारण*

कविता पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

कविता के आधार पर निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सही उत्तर चुनिए।

1) कविता के अनुसार कवि के लिए गरीबी क्या है ?

क) क्षोभजनक ख) दुखदायक
ग) गर्वीली घ) उपर्युक्त सभी

2) गरीबी और संघर्षमय जीवन से कवि को क्या मिला है?
   क) गंभीर अनुभव
   ख) विचार वैभव
   ग) दृढता
   घ) उपर्युक्त सभी

3) कवि के व्याकुल हृदय को कौन डराता/डराती है ?
   क) प्रेयसी का अनुराग
   ख) माता का स्नेह
   ग) भविष्य की चिंता
   घ) प्रिय का ममतामयी रूप

4) कवि दण्ड क्यों पाना चाहते हैं ?
   क) गलती माफी के लिए
   ख) पश्चाताप के लिए
   ग) प्रिय के मोह से मुक्ति पाने के लिए
   घ) आत्मा को बहलाने केलिए

5) प्रिय की ममता ,स्नेह और आत्मीयता की प्रगाढता में रहने के कारण कवि की आत्मा कैसी हो गई है?
   क) सशक्त
   ख) भावशून्य
   ग) कमज़ोर और अक्षम
   घ) पीडा से भरी हुई

6) कवि से क्या सहा नहीं जाता ?
   क)गरीबी की दयनीय दशा
   ख)प्रिय के प्रभाव का रमणीय उजाला
   ग) कोलाहल
   घ) समाज की आलोचना

7) 'पाताली अँधेरी गुहाओं में विवरों में.' यहाँ 'विवरों' का अर्थ है-
   क) बादल
   ख) बिल
   ग) शिविर
   घ) जंगल

8) कवि ने जीवन की प्रत्येक स्थिति को सहर्ष स्वीकार किया है| यह कवि का जीवन के प्रति कैसा दृष्टिकोण है?
   क) नीरसता पूर्ण
   ख) सकारात्मक
   ग) नकारात्मक

घ) अभावपूर्ण

9) 'मीठे पानी का सोता' से कवि का क्या अभिप्राय है?
   क) स्मृतियों का अभाव
   ख) मधुर विकारों का अनवरत प्रवाह
   ग) विरह की वेदना
   घ) आकर्षण का अभाव

10) 'ममता के बादल' से कवि का क्या अभिप्राय है?
   क) वर्षा ऋतु का आगमन
   ख) वात्सल्य मिला हुआ आत्मीय प्रेम
   ग) सहृदयता का अभाव
   घ) इनमें से कोई नहीं

11) कवि किस से बाहर निकलना चाहता है ?
   क) सामाजिक बंधनों से
   ख) प्रिया की निष्ठुर भावनाओं से
   ग) प्रिय के चहुमुखी मधुर प्रभाव से
   घ) आडंबर पूर्ण जीवन से

12) कवि किस लिए दंड पाना चाहता है?
   क) समाज से दूर चले जाने के लिए
   ख) अपने व्यक्तित्व और अस्तित्व की पहचान के लिए
   ग) प्रिया को अपमानित करने के लिए
   घ) दुख और निराशा से बचने के लिए

13) अपने प्रिय के लिए कवि के मन में क्या है ?
   क) लगातार प्रवाहित कोमल भावनाएं
   ख) प्यार और आत्मीयता का भाव
   ग) हर पल जागरित संवेदनाएं
   घ) उपर्युक्त सभी

14) कवि के अनुसार प्रिय का प्रेम और सान्निध्य उसके लिए क्या है ?
   क) गहन अंधकार
   ख) दक्षिणा ध्रुवी अमावस्या
   ग) रमणीय उजाला
   घ) असहनीय दर्द

15) कवि ने व्यक्तिगत संदर्भ में किसे 'अमावस्या' कहा है?
   क) घनघोर अंधेरी रात को
   ख) प्रिया को भूल जाने को
   ग) समाज द्वारा बहिष्कार को
   घ) शत्रु से पराजित होने को

उत्तर :

1) ख- गर्वीली

2) घ – उपर्युक्त सभी

3) ग – भविष्य की चिंता

4) ग- प्रिय के मोह से मुक्ति पाने के लिए,

5) ग- कमज़ोर और अक्षम,

6) ख- प्रिय के प्रभाव का रमणीय उजाला,

7) ख -बिल

8) ख -सकारात्मक,

9) ख- मधुर विकारों का अनवरत प्रवाह,

10) ख -वात्सल्य मिला हुआ आत्मीय प्रेम,

11)ग- प्रिय के चहुमुखी मधुर प्रभाव से ,

12)ख- अपने व्यक्तित्व और अस्तित्व की पहचान के लिए,

13)घ- उपर्युक्त सभी ,

14)ग- रमणीय उजाला,

15)ख- प्रिया को भूल जाने को

निम्नलिखित अभिकथन- कारण संबंधित प्रश्नों के उत्तर हेतु सही विकल्प का चयन कीजिए-

1. **अभिकथन (A)** - कवि विषम परिस्थितियों से सामना करने की क्षमता के विकास हेतु अपनी प्रेयसी के प्रेम से दूर जाना चाहता है।

   कारण (R)- अत्यधिक प्रेम या स्नेह इंसान को कमजोर बना देता है, वह आत्मनिर्भर नहीं बन पाता ।

   क)अभिकथन(A) सही है जबकि कारण(R) गलत है

   ख)अभिकथन(A) गलत है जबकि कारण(R) सही है

   ग) अभिकथन(A) और कारण(R) दोनों सही है तथा R, A की व्याख्या करता है|

   घ) अभिकथन(A) और कारण(R) दोनों सही है तथा R, A की व्याख्या नहीं करता है|

2 **अभिकथन (A)** - ममता के बादल कवि को कमजोर बना देते हैं

कारण(R)- कवि इससे मुक्त होना नहीं चाहते।

क) अभिकथन(A) सही है जबकि कारण(R) गलत है

ख) अभिकथन(A) गलत है जबकि कारण(R) सही है

ग) अभिकथन(A) और कारण(R) दोनों सही है तथा R, A की व्याख्या करता है|

घ) अभिकथन(A) और कारण(R) दोनों सही है तथा R, A की व्याख्या नहीं करता है|

3 **अभिकथन (A)** - कवि अपनी प्रिया को भूलने का दंड चाहता है।

कारण(R)- प्रिया के अत्यधिक स्नेह के कारण उसकी आत्मा कमजोर हो गई है|

क)अभिकथन(A) सही है जबकि कारण(R) गलत है

ख) अभिकथन(A) गलत है जबकि कारण(R) सही है

ग) अभिकथन(A) और कारण(R) दोनों सही है तथा R, A की व्याख्या करता है|

घ) अभिकथन(A) और कारण(R) दोनों सही है तथा R, A की व्याख्या नहीं करता है|

उत्तर :

1) *ग- अभिकथन(A) और कारण(R) दोनों सही है तथा R, A की व्याख्या करता है|*
2) *क- अभिकथन(A) सही है जबकि कारण(R) गलत है,*
3) *ग- अभिकथन(A) और कारण(R) दोनों सही है तथा R, A की व्याख्या करता है|*

आरोह – भाग 2 ((गद्य खण्ड)

1. भक्तिन – महादेवी वर्मा

साहित्य सेवी और समाजसेवी दोनों रुपों में प्रतिष्ठा प्राप्त महीयसी महादेवी वर्मा द्वारा रचित एक प्रसिद्ध संस्मरणात्मक रेखाचित्र है 'भक्तिन ', जो 'स्मृति की रेखाएं 'में संकलित है। इसमें महादेवी जी ने अपनी सेविका भक्तिन के अतीत और वर्तमान का परिचय देते हुए उसके व्यक्तित्व का बहुत दिलचस्प खाका खींचा है। महादेवी के घर में काम शुरू करने से पहले उसके संघर्षशील, स्वाभिमानी और कर्मठ जीवन और छल-कपट भरे समाज में अपने और अपनी बेटियों के हक की लड़ाई और उसमें हार कर कैसे जिंदगी की राह पूरी तरह बदल लेने के निर्णय तक पहुंची इसका अत्यंत संवेदनशील चित्रण इस पाठ में हुआ है। इसके साथ भक्तिन महादेवी जी के जीवन में आकर छा जाने वाली एक ऐसी परिस्थिति के रूप में दिखलाई पड़ती है, जिसके कारण लेखिका के व्यक्तित्व के कई अनछुए आयाम उद्घाटित होते चलते हैं इसी कारण अपने व्यक्तित्व का जरूरी अंश मानकर वे भक्तिन को खोना नहीं चाहती। इस पाठ में परिस्थितिवश अक्खड़ बनी पर महादेवी के प्रति अनमोल आत्मीयता से भरी भक्तिन के बहाने स्त्री अस्मिता की संघर्षपूर्ण जीवन का यथार्थ वर्णन हुआ है। लेखिका उसके संस्मरण रूप में उसे याद कर सच्ची श्रद्धांजलि देती हैं।

1) निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए।

1.1 सेवक धर्म में हनुमान जी से स्पर्धा करने वाली भक्तिन किसी अंजना की पुत्री न होकर एक अनाम धन्वा गोपालिका की कन्या है- नाम है लछमिन अर्थात लक्ष्मी ।पर जैसे मेरे नाम की विशालता मेरे लिए दुर्वह है, वैसे ही लक्ष्मी की समृद्धि भक्तिन के कपाल की कुंचित रेखाओं में नहीं बंध सकी। वैसे तो जीवन में प्रायः सभी को अपने - अपने नाम का विरोधाभास लेकर जीना पड़ता है ; पर भक्तिन बहुत समझदार है ,क्योंकि वह अपना समृद्धि सूचक नाम किसी को बताती नहीं।

1. हनुमान से भक्तिन की स्पर्धा किस में है?
   क) भक्ति भाव में।
   ख) दया धर्म में
   ग) सेवक धर्म में
   घ) धन-दौलत में।

2. भक्तिन किसकी पुत्री है?
   क) अंजना की
   ख) गोपालिका की
   ग) लक्ष्मी की
   घ) इनमें से किसी की नहीं।

3. किसको अपने नाम की विशालता दुर्वह है?
   क) हनुमान को
   ख) भक्तिन को
   ग) महादेवी वर्मा को

घ) लछमिन को ।

4. भक्तिन की समझदारी के लिए प्रमाण है।
   क) वह सेवा धर्म में हनुमान से स्पर्धा करने वाली है ।
   ख) वह अनामधन्वा गोपालिका की पुत्री है ।
   ग) अपने नाम की विशालता उसे दुर्वह है।
   घ) वह अपना समृद्धि-सूचक नाम किसी को बताती नहीं।

5. समृद्धि सूचक नाम है –
   क) अंजना पुत्री
   ख) महादेवी
   ग) भक्तिन
   घ) लक्ष्मी

1.2 जीवन के दूसरे परिच्छेद में भी सुख की अपेक्षा दुख ही अधिक है । जब उसने गेहूंए रंग और बटिया जैसे मुख वाली पहली कन्या के दो संस्करण और कर डाले तब सास और जिठानियों ने ओठ बिचकाकर उपेक्षा प्रकट की ।उचित भी था, क्योंकि तीन-तीन कमाऊ वीरों की विधात्री बनकर मछिया के ऊपर विराजमान पुरखिन पद पर अभिषिक्त हो चुकी थी और दोनों जिठानियां काक -भुशंडी जैसे काले लालों की क्रमबद्ध सृष्टि करके इस पद के लिए उम्मीदवार थीं। छोटी बहू के लीक छोड़कर चलने के कारण उसे दंड मिलना आवश्यक हो गया।

1. जीवन के दूसरे परिच्छेद से क्या आशय है?
   क-वैवाहिक जीवन
   ख -अवैवाहिक जीवन
   ख -सन्यास जीवन
   घ -इनमें से कोई नहीं।

2. भक्तिन द्वारा तीन कन्याओं को जन्म देने पर सास और जिठानियों की क्या प्रतिक्रिया थी?
   क – मुस्कुराकर प्रशंसा की
   ख – ओठ बिचकाकर उपेक्षा प्रकट की
   ग – खुशी से नाचने लगी
   घ – हंसकर खुशी प्रकट की

3. दोनों जिठानियां सास के पद के लिए कैसे उम्मीदवार हो गई?
   क – भक्तिन का अपहास करके
   ख – भक्तिन से स्पर्धा करके
   ग – पुत्रों को जन्म देकर
   घ – मर्यादा पूर्ण व्यवहार द्वारा

4. लीक छोड़कर चलने का मतलब है –
   क – सभी के साथ मिलकर चलना
   ख – पुरानी परंपरा पर चलना

ग – पुरातन तरीके से अलग नए तरीके से चलना।
घ- इनमें से कोई नहीं

5. विधात्री का प्रयोग किसके लिए हुआ है?
   क -जेठानियों के लिए
   ख- भक्तिन के लिए
   ग -बेटियों के लिए
   घ- सास के लिए।

1.3 शास्त्र का प्रश्न भी भक्तिन अपनी सुविधा के अनुसार सुलझा लेती है मुझे स्त्रियों का सिर – घुटाना अच्छा नहीं लगता, अतः मैंने भक्तिन को रोका । उसने अकुंठित भाव से उत्तर दिया कि शास्त्र में लिखा है। कुतूहल वश मैं पूछ ही बैठी – 'क्या लिखा है?' तुरंत उत्तर मिला –'तीरथ गए मुंडाए सिद्ध।' कौन - से शास्त्र का यह रहस्यमय सूत्र है ,यह जान लेना मेरे लिए संभव ही नहीं था । अतः मैं हार कर मौन हो रही और भक्तिन का चूड़ाकर्म हर बृहस्पतिवार को एक दरिद्र नापित के गंगाजल से धुले उस्तरे द्वारा यथा विधि निष्पन्न होता रहा।

1. लेखिका को क्या अच्छा नहीं लगता?
   क – चोरी करना
   ख – झूठ बोलना
   ग- स्त्रियों का सिर घुटाना ।
   घ- शास्त्र की गलत व्याख्या देना।

2. क्या बोलकर भक्तिन ने सिर घुटाने के लिए न्यायीकरण दिया?
   क – शास्त्र का उदाहरण द्वारा
   ख – गुरु वचन द्वारा
   ग- तीर्थ गए मुंडाए सिद्ध- कहकर
   घ – इनमें से कोई नहीं

3. लेखिका किस कार्य में हार गयी?
   क – भक्तिन को समझाने में
   ख – शास्त्र संबंधित जानकारी प्राप्त करने में
   ग- भक्तिन द्वारा बताए गए रहस्यमय सूत्र के स्रोत जानने में ।
   घ - उपर्युक्त सभी।

4. यथाविधि – समास का नाम है –
   क, अव्ययीभाव
   ख, तत्पुरुष
   ग, द्वन्द्व
   घ, बहुव्रीहि

5. अकुंठित शब्द के लिए उपयुक्त विकल्प है
   क- मूल शब्द
   ख - उपसर्ग युक्त शब्द

ग-प्रत्यय युक्त शब्द

घ- उपसर्ग और प्रत्यय युक्त शब्द है।

1.4 एकदिन मां की अनुपस्थिति में वर महाशय ने बेटी की कोठरी में घुसकर भीतर से द्वार बंद कर लिया और उसके समर्थक गांव वालों को बुलाने लगे। अहीर युवती ने इस डकैत वर की मरम्मत कर कुंडी खोली तब पंच बेचारे समस्या में पड़ गए। तीतरबाज युवक कहता था ,वह निमंत्रण पाकर भीतर गया और युवती उसके मुख पर अपनी पांचों उंगलियों के उभार में इस निमंत्रण के अक्षर पढ़ने का अनुरोध करती थी। अंत में दूध का दूध पानी का पानी करने के लिए पंचायत बैठी और सब ने सिर हिला हिला कर इस समस्या का मूल कारण कलयुग को स्वीकार किया। अपील ही फैसला हुआ कि चाहे उन दोनों में एक सच्चा हो ;चाहे दोनों झूठे; पर जब वे एक कोठरी से निकले तब उनका पति पत्नी के रूप में रहना ही कलयुग के दोष का परिमार्जन कर सकता है।

1. यहां पर महाशय ने क्या किया ?
   क, लड़की को बुलाकर शादी कर ली ।
   ख, शादी से इनकार कर दिया ।
   ख, शादी का प्रस्ताव रखा ।
   घ, लड़की के घर में घुसकर दरवाजा बंद कर दिया।

2. यहां प्रस्तुत युवती कौन है?
   ख, महादेवी वर्मा की बेटी ।
   ख, भक्तिन की बेटी ।
   ग, भक्तिन
   घ, इनमें से कोई नहीं ।

3. युवती ने वर महाशय के प्रति क्या प्रतिक्रिया की है?
   क, थप्पड़ मारा।
   ख, स्वागत किया।
   ग, पंचायत को बुलाया।
   घ, गले लगाया।

4. पंचायत ने क्या निर्णय लिया था?
   क , दोनों को दंड दिया ।
   ख, दोनों का विवाह करवाया ।
   ग, दोनों को अलग कर दिया ।
   घ , दोनों को माता-पिता के साथ भेज दिया ।

5. दूध का दूध पानी का पानी हो गया ना मुहावरे का अर्थ क्या है?
   क, दूध से पानी अलग करना ।
   ख, सच और झूठ अलग अलग करना।
   ग, सत्य के साथ झूठ मिलाकर बोलना।
   घ, इनमें से कोई नहीं ।

पाठ पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

II) निम्नलिखित प्रश्नों के सही उत्तर चुनकर उत्तर लिखिए।

1. ' भक्तिन ' पाठ की विधा है-
   क, निबंध
   ख, जीवनी
   ग, संस्मरण
   घ, संस्मरणात्मक रेखाचित्र।

2. महादेवी वर्मा के संबंध में सही कथन हैं-
   क, छायावादी कवयित्री।
   ख, साहित्य सेवी और समाजसेवी है।
   ग, आधुनिक मीरा नाम से प्रसिद्ध ।
   घ, उपर्युक्त सभी।

3. भक्तिन का वास्तविक नाम है-
   क, भक्तिन
   ख, सेविका
   ग, लछमिन
   घ, देवी

4. भक्तिन नाम किसने दिया?
   क, पिताजी ने
   ख,महादेवी ने
   ग,विमाता ने
   घ समाज ने

5. खोटे सिक्कों की टकसाल किसे कहा है?
   क,महादेवी को
   ख, भक्तिन को
   ग,जिठानियों को
   घ, भक्तिन की बेटियों को

6. लेखिका की पुस्तक प्रकाशित होने पर भक्तिन उसे कैसे देखती थी?
   क,बहुत प्रसन्न होती
   ख, बार-बार छूती
   ग,अपनी सहायता का अंश खोजती
   घ, ये सभी

7. पंचायत के फैसले पर भक्तिन व उसकी बेटी खून का घूंट पीकर रह गई, क्यों?
   क,जबरदस्ती गले पड़े दामाद को पाकर
   ख, सारी जमीन जिठौतों को देकर

ग,सारा इल्जाम स्वयं पर लेकर
घ ,लगान चुकाने पर

8. पहाड़ी तंग रास्तों पर भक्तिन महादेवी वर्मा के आगे क्यों चलती थी?
क,ताकि आदेश का पालन कर सकें
ख, ताकि आगे आने वाले खतरे को वह स्वयं उठा ले
ग, ताकि रास्ता बता सके
घ,अभिमानी होने के कारण

9. भक्तिन लेखिका को क्या कार्य करने का आश्वासन दिया?
क,लकड़ी रखने के मचान पर नई धोती बिछाकर कपड़े रखना।
ख,सोने के लिए धान के पुआल का गोंदरा बनवाकर उस पर कंबल बिछाना ।
ग,रंग स्याही आदि को नई हंडियों में रखना ।
घ,ये सभी।

10. भक्तिन की विमाता ने पिता की बीमारी का समाचार देर से क्यों भेजा?
क,इकलौती संतान होने के कारण पिता की संपत्ति की हकदार थी इसी कारण से ईर्ष्यावश। ख, अपशकुन से बचना चाहती थी ।
ग,उसे दुखी नहीं करना चाहती थी इसी कारण स्नेहवश
घ, इनमें से कोई नहीं

11. भक्तिन किसके समान अपनी मालकिन के साथ लगी रहती थी?
क,छाया के समान
ख,धूप के समान
ग,वायु के समान
घ, पालतू पशु के समान

12. भक्तिन के पिता किस गांव में रहने वाले थे?
क, हाडिया
ख, झूंसी
ग, लूसी
घ, इनमें से कोई नहीं

13. भक्तिन पाठ के आधार पर पंचायतों की क्या तस्वीर उभरती है
क, पंचायतें गूंगी लाचार और अयोग्य हैं।
ख, वह सही न्याय नहीं कर पाती ।
ग,वे दूध का दूध और पानी का पानी करती है।
घ,वह अपने स्वार्थों को पूरा करती है।

14. भक्तिन में कौन सा भाव प्रबल है।
क,वीरता का भाव
ख,स्वाभिमान का भाव
ग,घृणा का भाव
घ,ईर्ष्या का भाव

15. महादेवी वर्मा ने लक्ष्मी को भक्तिन नाम क्यों दिया?
क,उसके व्यवहार को देखकर
ख,उसके वैराग्य पूर्ण जीवन को देखकर
ग,उसके गले में कंठी माला देखकर
घ,उसके शांत मुद्रा को देखकर

16. भक्तिन किस प्रकार का भोजन बनाती थी?
क,तीखा और मसालेदार
ख,तीखा और मीठा
ग,सीधा -सरल
घ,स्वादिष्ट और पौष्टिक

17. पाठ में छोटी बहू प्रयोग भक्तिन के लिए प्रयुक्त है, कथन –
क, सत्य
ख, असत्य है
ग, अर्ध सत्य
घ, इनमें से कोई नहीं

18. **कथन**-भक्तिन के पुत्र न होने पर उसके सास द्वारा उपेक्षा प्रकट की गई।
कारण- वह स्वयं तीन पुत्रों को जन्म दे चुकी थी।
क, कथन सही है कारण गलत
ख,कथन गलत है कारण सही
ग,कथन और कारण दोनों सही है
घ,कथन और कारण दोनों गलत है

19. **अ. भक्तिन के साथ रहकर महादेवी अधिक देहाती हो गई।**
आ,भक्तिन को शहर की हवा नहीं लग पाई।
क,अ सही और आ गलत है।
ख,अ गलत और आ सही है।
ग, दोनों सही है।
घ, दोनों गलत है।

20. **इ, जमींदार ने भक्तिन को पूरे दिन कड़ी धूप में खड़ा रखा।**
ई, भक्तिन समय पर लगान चुका पाने में असमर्थ थी।
क, इ–सही और ई-गलत
ख, इ –गलत और ई- सही
ग, दोनों सही है।
घ, इनमें से कोई नहीं।

उत्तर संकेत

1. गदयांश पर आधारित प्रश्नों के सही उत्तर

प्रश्न सं	**1**	**2**	**3**	**4**	**5**
प्रश्न सं 1	ग	ख	ग	घ	घ
प्रश्न सं 2	क	ख	ग	ग	घ
प्रश्न सं 3	ग	ग	ग	क	घ
प्रश्न सं 4	घ	ख	क	ख	ख

2. बहुविकल्पीय प्रश्नों के सही उत्तर

1	घ
2	घ
3	ग
4	ख
5	ख
6	घ
7	क
8	ख
9	घ
10	क
11	क
12	ख
13	क
14	ख
15	ग
16	ग
17	क
18	क
19	ग
20	ग

2. बाज़ार दर्शन – जैनेंद्र कुमार

' बाज़ार दर्शन ' जैनेंद्र कुमार द्वारा रचित एक विचारात्मक निबंध है ।प्रस्तुत पाठ में लेखक यह स्पष्ट करना चाहता है कि बाज़ार की जादुई ताकत कैसे मनुष्य को अपना गुलाम बना लेती है । साधारणतया बाज़ार में सामान सजा-सजा कर रखते है जिससे मानव का मन स्वयमेवा आकर्षित हो जाता है । इस आकर्षण के कारण बहुत सारे सामान खरीदे जाते हैं और बाद में समझे जाते हैं कि इनमें से बहुत से सामान आवश्यक नहीं थे। प्रस्तुत पाठ इशारा करता है कि बाज़ार जाने से पहले ही इरादा तय करना है कि हमें क्या-क्या खरीदने चाहिए ताकि बाज़ार के जादू का प्रभाव कम कर सकें।

गद्यांशों पर आधारित प्रश्न

1,निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढकर पूछे गए प्रश्नों के लिए सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए ।

आदिकाल से इस विषय में पति से पत्नी की ही प्रमुखता प्रमाणित है । और यह व्यक्तित्व का प्रश्न नहीं , स्त्रीत्व का प्रश्न है । स्त्री माया न जोडे , तो क्या मैं जोडूँ ? फिर भी सच सच है और वह यह कि इस बात में पत्नी की ओट ली जाती है । मूल में एक और तत्त्व की महिमा सविशेष है । वह तत्त्व है मनीबैग , अर्थात् पैसे की गर्मी या एनर्जी ।

1. प्रस्तुत गद्यांश किस पाठ से उद्धृत है ?
   क) बाजार प्रदर्शन ।
   ख) बाजार दर्शन ।
   ग) बाजार का जादू ।
   घ) बाजारूपन ।

2. प्रस्तुत गद्यांश के आधार पर पत्नी की प्रमुखता किस बात पर है ?
   क) वेशभूषा में
   ख) पाक - कला में
   ग) सजावट में ।
   घ) पर्चेजिंग में ।

3. प्रस्तुत गद्यांश के आधार पर कौन सा कथन सही है ?
   क) पति - पत्नी को समान बताया गया है ।
   ख) पत्नी की महिमा बतायी गई है ।
   ग) पत्नी को पति ने बहुत सम्मान दिया है ।
   घ) पत्नी की ओट ली जाती है ।

4. प्रस्तुत गद्यांश का प्रसंग निम्नलिखित में से कौन सा है ?
   क) पति - पत्नी के बीच का तर्क ।
   ख) पति - पत्नी दोनों रसोई घर में कार्यरत हैं।
   ग) दोनों ने बाजार जाकर बहुत जरूरी सामान खरीदे ।
   घ) दोनों ने बाजार जाकर बहुत से सामान खरीदे ।

5. प्रस्तुत गद्यांश का मूल भाव क्या है ?

क) बाजार में अकेला जाना चहिए ।

ख) बाजार में जाते समय सदा पत्नी को साथ लेना चाहिए ।

ग) मनीबैग के आधार पर सामान खरीदे जाते हैं ।

घ) बाजार में जाकर हमें हर आवश्यक सामान खरीदने चाहिए ।

2.निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढकर पूछे गए प्रश्नों के लिए सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए ।

लोग संयमी भी होते हैं । वे फ़िजूल सामान को फ़िजूल समझते हैं । वे पैसा बहाते नहीं है और बुद्धिमान होते हैं । बुद्धि और संयमपूर्वक वह पैसे को जोडते जाते हैं, जोडते जाते हैं । वह पैसे की पावर की इतना निश्चय समझते हैं कि उसके प्रयोग की परीक्षा उन्हें दरकार नहीं है। बस खुद पैसे के जुडा होने पर उनका मन गर्व से भरा फूला रहता है ।

1. प्रस्तुत गद्यांश का लेखक कौन है ?

क) जैनेंद्र कुमार

ख) जैनेंद्र यादव

ग) जैनेंद्र द्विवेदी

घ) जैनेंद्र नाथ

2. प्रस्तुत गद्यांश में किस प्रकार के लोगों के बारे में बताया गया है ।

क) कंजूस लोगों के बारे में

ख) सामान्य लोगों के बारे में ।

ग) खर्चीले लोगों के बारे में ।

घ) बुद्धिमान लोगों के बारे में ।

3. प्रस्तुत गद्यांश की शैली किस प्रकार की है ।

क) उदाहरण शैली

ख) विचारात्मक शैली

ग) हास्य - व्यंग्य शैली

घ) आत्मकथात्मक शैली

4. प्रस्तुत गद्यांश के आधार पर बताइए कि मन कब गर्व से भरा फूला रहता है ?

क) पैसा खर्च करने पर

ख) बहुत सामान खरीदने पर

ग) मन पसंद सामान खरीदने पर

घ) अधिक पैसा संचय करने पर

5. प्रस्तुत गद्यांश के आधार पर कौन सा कथन असत्य है?

क) जो पैसे बहाते नहीं है , वे अपने को बुद्धिमान समझते हैं ।

ख) कुछ लोग पैसे की पावर समझकर खर्च नहीं करते हैं ।

ग) कुछ लोग पैसे की पावर समझकर खर्च करते हैं ।

घ) कुछ लोग सदा पैसे जुटाने में लगे रहते हैं ।

3. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढकर पूछे गए प्रश्नों के लिए सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए ।

बाजार में एक जादू है । वह जादू आँख की राह काम करता है । वह रूप का जादू है पर जैसे चुम्बक का जादू लोहे पर ही चलता है , वैसे ही इस जादू की भी मर्यादा है । जेब भरी हो , और मन खाली हो , ऐसी हालत में जादू का असर खूब होता है । जेब खाली पर मन भरा न हो, तो भी जादू चल जाएगा । मन खाली है तो बाजार की अनेकानेक चीजों का निमंत्रण उस तक पहुंच पाएगा ।

1. बाजार के जादू का असर कब होता है ?
   क) जेब भरी और मन खाली
   ख) जेब खाली और मन भी खाली
   ग) दोनों स्थितियों में
   घ) तीनों उत्तर गलत हैं।

2. मन खाली है - इसका क्या आशय है ?
   क) मन शांत है।
   ख) मन में समस्याएँ नहीं हैं ।
   ग) मन में एकाग्रता है ।
   घ) मन में पक्का विचार नहीं है ।

3. प्रस्तुत गद्यांश के आधार पर जादू का असर किस से होता है?
   क) धन सम्पत्ति के प्रति आकर्षण से
   ख) पैसों के प्रति आकर्षण से
   ग) अधिकार के प्रति आकर्षण से
   घ) चीजों के प्रति आकर्षण से

4. प्रस्तुत गद्यांश के आधार पर बताइए कि बाजार जाते समय हमें क्या सावधानी बरतनी चाहिए?
   क) जेब भर देना चाहिए
   ख) जरूरी चीजों की सूची तैयार करनी है
   ग) मन खाली कर देना चाहिए
   घ) किसी को अपने साथ ले जाना चाहिए ।

5. प्रस्तुत गद्यांश का विषय क्या है?
   क) जेब भरी और मन खाली
   ख) बाजार का जादू
   ग) बाजार का असर
   घ) जादू का असर

बहुविकल्पीय प्रश्न

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर के लिए उचित विकल्प चुनिए -

1. 'बाज़ार दर्शन ' पाठ का मूल चर्चित विषय क्या है?
   क) उपभोक्ता का अधिकार
   ख) उपभोक्तावाद
   ग) बाज़ारूपन का असर
   घ) बाज़ारवाद

2. बाज़ार के आदान-प्रदान से सम्बंधित शास्त्र का नाम क्या है?
   क) बाज़ारशास्त्र
   ख) अर्थशास्त्र
   ग) मायावी शास्त्र
   घ) अनीति शास्त्र

3. बाज़ार की सार्थकता किस व्यक्ति पर निर्भर है?
   क) जो अपनी पर्चेजिंग पावर दिखाता है ।
   ख) जो पैसे की पावर समझता है।
   ग) जो घर के लिए हर सभी सामान खरीदता है ।
   घ) जो जानता है कि बाज़ार से क्या खरीदना चाहता है ।

4. 'बाजारुपन से क्या अभिप्राय है?
   क) बाज़ार से सामान खरीदना
   ख) बाज़ार से अनावश्यक वस्तुएँ खरीदना
   ग) बाज़ार से केवल आवश्यक वस्तुएँ खरीदना
   घ) बाज़ार को सज़ाकर आकर्षक बनाना

5. कौन बाज़ारूपन बढाता है?
   क) जो अपनी पर्चेजिंग पावर दिखाता है ।
   ख) जो पैसे का संचय करता है ।
   ग) जो जरूरी चीज़ों की सूची तैयार करता है ।
   घ) जिसका मन भरा हो ।

6. भगत नामक व्यक्ति बाज़ार से क्या खरीदना चाहता था?
   क) नमक
   ख) चूरन
   ग) ज़ीरा - नमक
   घ) ज़ीरा

7. 'बाज़ार दर्शन' पाठ साहित्य की किस विधा में आता है?
   क) कहानी ख) आत्मकथा

ग) जीवनी घ) निबंध

8. चूरन वाला भगत का स्वभाव कैसा है?

क) स्वार्थी

ख) कंजूस

ग़) विवेकी

घ) क्रोधी

9. बाज़ार में किस प्रकार की भाषा का प्रयोग किया जाता है?

क) मुहावरेदार भाषा

ख) साहित्यिक भाषा

ग) संस्कृतनिष्ठ भाषा

घ) बोलचाल की साधारण भाषा

10. भगतजी की दृष्टि में पैसा क्या है?

क) जीवन का महत्त्वपूर्ण साधन

ख) जीवन की आवश्यकताओं को पूर्ण करने वाला साधन मात्र

ग) जीवन की प्रगति का मापदण्ड़

घ) जीवन की सबसे बड़ी कमज़ोरी

11. पैदल चलने वाला व्यक्ति किस कारण से अपने सगे सम्बंधियों के प्रति कृतघ्न हो जाता है?

क) पैसे की व्यंग्य शक्ति के कारण

ख) बाज़ार के आकर्षण के कारण

ग) बाज़ार में नियंत्रण लाने के लिए

घ) ईर्ष्या व जलन के कारण

12. कौन सा बाज़ार मानवता के लिए विडम्बना है?

क) जिस बाज़ार में ज्यादा सामान नहीं होते ।

ख) जिस बाज़ार में सामान की अधिकता है ।

ग) जिस बाज़ार में शोषण होता है ।

घ) जिस बाज़ार में आकर्षण होता है ।

13. जिस बाज़ार में मायावी शास्त्र का प्रभाव है, उसके लिए लेखक ने क्या नाम दिया?

क) अर्थशास्त्र

ख) अनीतिशास्त्र

ग) नीतिशास्त्र

घ) बाज़ारशास्त्र

14.बाज़ार की सार्थकता किसमें है?

क) लालच में

ख) अपव्यय में

ग) बाजारूपन में

घ) आवश्यकता की पूर्ति में

15. भगत जी ने चूरन बेचकर एक दिन में कितने पैसे कमाये थे?

क) चार आना

ख) छह आना

ग) पाँच आना

घ) आठ आना

अभिकथन और कारण सम्बंधी प्रश्न

1. निम्नलिखित में कौन - कौन से प्रस्ताव सही नहीं हैं?

1. मन खाली हो तब बाज़ार न जाओ ।
2. जेब भरी हो तब बाज़ार जाओ ।
3. मन भरा हो तब बाज़ार जाओ ।
4. मन भरा न हो तब बाज़ार जाओ ।

क) 1 और 2

ख) 1 और 4

ग) 2 और 3

घ) 2 और 4

2. जकड रेशमी डोरी की हो तो रेशम के स्पर्श के मुलायम के कारण क्या वह कम जकड होगी? - इस वाक्य के

सम्बंध में निम्नलिखित में सही कथन कौन - कौन से हैं?

1. रेशम मुलायम होती है ।
2. रेशमी डोरी की जकड मुलायम होती है ।
3. किसी भी डोरी की जकड मुलायम नहीं होती है ।
4. रेशम की जकड मुलायम नहीं होती है ।

क) केवल 1 और 4

ख) 1 , 2 और 3

ग) 1, 3 और 4

घ) 2, 3 और 4

3. मन खाली नहीं रहना चाहिए, इसका मतलब यह नहीं कि वह मन बंद रहना चाहिए । - इससे निम्नलिखित में से क्या- क्या निष्कर्ष निकलते हैं?

1. मन में भाव सदा रहना चाहिए ।
2. मन में शून्यता ही सही है ।
3. शून्य मन में ही विचार आता है ।
4. दृढ मन में पक्का विचार आता है ।

क) 1 और 2

ख) 2 और 3

ग) 3 और 4

घ) 1 और 4

4. संचय की तृष्णा और वैभव की चाह में व्यक्ति की निर्बलता ही प्रमाणित होती है । - इस वाक्य से क्या - क्या निष्कर्ष निकलते हैं?

1. सुख- सुविधाओं के प्रति मनुष्य की चाह उसकी निर्बलता है ।
2. धन संचय की चाह मनुष्य की निर्बलता है ।
3. मनुष्य को कभी भी धन कमाने की चिंता नहीं होनी चाहिए ।
4. वैभव प्राप्त करने पर मनुष्य बुरा बन जाता है ।

क) 1 और 2
ख) 2 और 3
ग) 1 और 3
घ) 3 और 4

5. चूरन वाले भगत जी पर कौन - कौन से कथन सही है?

1. उस पर बाज़ार के जादू का प्रभाव नहीं पडता ।
2. वह अपनी पर्चेजिंग पावर दिखाता था ।
3. उन्होंने अधिक धन संचय किया है।
4. वह सामान बेचता भी था और सामान खरीदता भी था ।

क) 1 और 2
ख) 2 और 3
ग) 1 और 4
घ) 3 और 4

उत्तर सूची

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढकर पूछे गए प्रश्नों के लिए सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए ।

1, *1. ख) बाजार दर्शन ।*
2. घ) पर्चेजिंग में ।
3. घ) पत्नी की ओट ली जाती है ।
4. घ) दोनों ने बाजार जाकर बहुत से सामान खरीदे ।
5. ग) मनीबैग के आधार पर सामान खरीदे जाते हैं ।

2. 1 क) जैनेंद्र कुमार
2. क) कंजूस लोगों के बारे में
3 ग) हास्य - व्यंग्य शैली
4. घ) अधिक पैसा संचय करने पर
5.ग) कुछ लोग पैसे की पावर समझकर खर्च करते हैं ।

3. 1. ग) दोनों स्थितियों में

2. घ) मन में पक्का विचार नहीं है ।
3. घ) चीजों के प्रति आकर्षण से
4. ख) जरूरी चीजों की सूची तैयार करनी है
5. ख) बाजार का जादू

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर के लिए उचित विकल्प चुनिए -

1. ग) बाज़ारूपन का असर
2. ख) अर्थशास्त्र
3. घ) जो जानता है कि बाज़ार से क्या खरीदना चाहता है ।
4. ख) बाज़ार से अनावश्यक वस्तुएँ खरीदना
5. क) जो अपनी पर्चेजिंग पावर दिखाता है ।
6. ग) ज़ीरा - नमक
7. घ) निबंध
8. ग़) विवेकी
9. घ) बोलचाल की साधारण भाषा
10. ख) जीवन की आवश्यकताओं को पूर्ण करने वाला साधन मात्र
11. क) पैसे की व्यंग्य शक्ति के कारण
12. ग) जिस बाज़ार में शोषण होता है ।
13. ख) अनीतिशास्त्र
14. घ) आवश्यकता की पूर्ति में
15. ख) छह आना

अभिकथन और कारण सम्बंधी प्रश्न

1.घ) 2 और 4
2. ग) 1, 3 और 4
3.घ) 1 और 4
4. क) 1 और 2
5. ग) 1 और 4

3. काले मेघा पानी दे - धर्मवीर भारती

पाठ का सार

'काले मेघा पानी दे'- धर्मवीर भारती का एक प्रसिद्ध संस्मरण है। इसमें लोक प्रचलित अविश्वास और विज्ञान के बीच के द्वंद्व का चित्रण है ।विज्ञान का अपना तर्क है और विश्वास का अपना सामर्थ्य । इसमें कौन कितना सार्थक है ? इसी दुविधा को लेकर लेखन पानी के संदर्भ में पाठ की रचना की है। आषाढ़ का पहला पखवारा बीत जाने के बाद भी बारिश नहीं होती है । इस अवसर पर जीवन में खेती और बहुकाज प्रयोग से संबंधित अनेक चुनौतियां आ जाती है ।जीवन में आने वाली चुनौतियों का निराकरण विज्ञान न कर पाए तो उत्सव धर्मी भारतीय समाज चुप नहीं बैठता। वह शिक्षा और बेबसी के भीतर से उपाय ढूंढ कर किसी भी कीमत पर जीवित रहने के लिए इन समस्याओं का समाधान खोजता है। इस संस्मरण में लेखक के किशोर जीवन का चित्रण है। इसमें उन्होंने दिखाया है कि अनावृष्टि को दूर करने के लिए गांव के बच्चों की इंद्रसेना द्वार- द्वार पानी मांगने चलती है । लेखक का मन तर्कशील है ।भारत में विज्ञान की बहुत उन्नति हो गई है और नए- नए आविष्कारों के कारण लोगों का जीवन सुविधाओं से भरा हुआ है। लेकिन लोग अपने जीवन की समस्याओं को वैज्ञानिक दृष्टि से सुलझाना नहीं चाहते हैं और यह बहुत दुखद बात है।

लेखक के अनुसार मनुष्य के मन में बैठे विश्वास को हम लौकिक कर्मकांड या संस्कृति की घटना के रूप में लेते हैं ।वास्तव में उनकी राय में यह विश्वास यदि जानलेवा या नस्ल - जाति मज़हब और लिंग के आधार पर किसी समुदाय के लिए अपमानजनक है तो इसे अंधविश्वास समझना चाहिए और उसका शीघ्र निराकरण करना है । वह इस भीषण सूखे में इस प्रकार इंदर सेना के ऊपर पानी डालने की बात को पानी की बर्बादी के रूप देखता है और लेखक की राई में विश्वास तो आपातकाल में निराशा दूर करने या अधीरता को थामने या विभक्त जनचेतना को जोड़ने के अर्थ में ही लेना है। बारिश के लिए किए जाने वाले कार्य इसके अंदर नहीं आता है, इसलिए इसको अंधविश्वास समझ कर उसका निराकरण करना चाहिए।

लेखक अपनी जीजी की संतुष्टि केलिए और अपने प्रति उनके सद्भाव को बचाए रखने केलिए तमाम रीति-रिवाज़ों को ऊपरी तौर पर ही सही करने को बचपन में बाध्य हो जाता है । अंत में लेखक यह प्रश्न पाठकों को छोड़ देता है कि विज्ञान का सत्य बड़ा है या सहज प्रेम का ? या दोनों ?

पाठभाग पर आधारित प्रश्न :-

निम्नलिखित गदयांशों को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

प्रश्न 1:

उन लोगों के दो नाम थे-इंदर सेना या मेढक-मंडली। बिलकुल एक-दूसरे के विपरीत। जो लोग उनके नग्नस्वरूप शरीर, उनकी उछल-कूद, उनके शोर-शराबे और उनके कारण गली में होने वाले कीचड़ काँदो से चिढ़ते थे, वे उन्हें कहते थे मेढ़क-मंडली। उनकी अगवानी गालियों से होती थी। वे होते थे दस-बारह बरस से सोलह-अठारह बरस के लड़के, साँवला नंगा बदन सिर्फ एक जाँधिया या कभी-कभी सिर्फ़ लैंगोटी। एक जगह इकट्ठे होते थे। पहला जयकारा लगता था, "बोल गंगा मैया की जय।" जयकारा सुनते ही लोग सावधान हो जाते थे। स्त्रियाँ और लड़कियाँ छज्जे, बारजे से झाँकने लगती थीं और यह विचित्र नंग-धडंग टोली उछलती-कूदती समवेत पुकार लगाती थी :

क) गाँव से पानी माँगने वालों के नाम क्या थे?

1) मेढक-मंडली
2) इंदर सेना
3) मेढक-मंडली या इंदर सेना।
4) सोलह-अठारह बरस के लड़के ।

ख) मेढ़क-मंडली से क्या तात्पर्य है?

1) मेंढकों की मंडली ।
2) मेंढक की तरह उछल-कूद, शोर-शराबा व कीचड़ करते बच्चे ।
3) बच्चों की मंडली ।
4) इंदर सेना।

ग) मेढ़क-मंडली में कैसे लड़के होते थे?

1) दस-बारह वर्ष से सोलह-अठारह वर्ष के लड़के।
2) लैंगोटी पहनते छोटे लडके।
3) साँवले रंग के जाँधिया पहनते लडके।
4) दस-बारह वर्ष से सोलह-अठारह वर्ष के साँवले रंग के लैंगोटी या जाँधिया पहनते लड़के।

घ) इंदर सेना के जयकारे की क्या प्रतिक्रिया होती थी?

1) इंदर सेना की जय" सुनते ही लोगों में हलचल मच जाती थी|
2) स्त्रियाँ और लड़कियाँ बारजे से इस टोली के क्रियाकलाप देखने लगती थीं|
3) जयकारा सुनते ही लोग सावधान हो जाते थे।
4) उपर्युक्त सभी

ङ) ये पानी क्यों माँगते थे?

1) अनावृष्टि से उत्पन्न अपनी प्यास बुझाने केलिए ।
2) अनावृष्टि को दूर करने के लिए।
3) नहाने केलिए ।
4) उपर्युक्त कोई नहीं ।

गद्यांश :2

कभी-कभी कैसे-कैसे संदर्भों में ये बातें मन को कचोट जाती हैं, हम आज देश के लिए करते क्या हैं? माँगें हर क्षेत्र में बड़ी-बड़ी हैं पर त्याग का कहीं नाम-निशान नहीं है। अपना स्वार्थ आज एकमात्र लक्ष्य रह गया है। हम चटखारे लेकर इसके या उसके भ्रष्टाचार की बातें करते हैं पर क्या कभी हमने जाँचा है कि अपने स्तर पर अपने दायरे में हम उसी भ्रष्टाचार के अंग तो नहीं बन रहे हैं? काले मेघा दल के दल उमड़ते हैं, पानी झमाझम बरसता है, पर गगरी फूटी की फूटी रह जाती है, बैल पियासे के पियासे रह जाते हैं? आखिर कब बदलेगी यह स्थिति ?

क) लेखक के मन को क्या बातें कचोटती हैं?

1) लोग अपने स्वार्थ की पूर्ति केलिए मांगें करते हैं।
2) लोगों के मन में त्याग की चिंता बिल्कुल नहीं है ।
3) लोग अपना कर्तव्य बिल्कुल नहीं निभाते हैं ।
4) उपर्युक्त सभी ।

ख) गगरी तथा बैल के उल्लख से लेखक क्या कहना चाहता हैं?

1) गगरी देश में उपलब्ध बर्तन है और बैल एक जानवर ।
2) देश में संसाधनों की कमी नहीं है परंतु जनता की ज़रूरतें पूरी नहीं हो पातीं।

3) गगरी का पानी बैल को उपलब्ध नहीं होता है।
4) उपर्युक्त कोई नहीं है ।

ग) भ्रष्टाचार की चर्चा करते समय हमें क्या देखना आवश्यक हैं ?
1) इस पर ज़रुर विचार करना कि हम उसी भ्रष्टाचार के अंग तो नहीं बन रहे हैं?
2) भ्रष्टाचार देश में किन-किन क्षेत्रों में व्याप्त है ?
3) भ्रष्टाचार का निराकरण हम कैसे कर सकते हैं ?
4) उपर्युक्त कोई नहीं ?

घ) 'आखिर कब बदलेगी यह स्थिति?'-आपके विचार से यह स्थिति कब बदल सकती है?
1) जब लोग स्वार्थ तथा भ्रष्टाचार से दूरी बना लेंगे, तब।
2) जब समाज में इसे बदलने की दृढ़ इच्छा-शक्ति जाग्रत हो जाए,तब।
3) जब सरकार में इसे बदलने की दृढ़ इच्छा-शक्ति जाग्रत हो जाए,तब ।
4) उपर्युक्त तीनों

ङ) लेखक समाज की किस कुरीति को खत्म करना चाहता था?
1) अपराध
2) भ्रष्टाचार
3) अंधविश्वास
4) चोरी-डकैती

गद्यांश 3

लेकिन इस बार मैंने साफ़ इन्कार कर दिया। नहीं फेंकना है मुझे बाल्टी भर-भरकर पानी इस गंदी मेढक-मंडली पर। जब जीजी बाल्टी भरकर पानी ले गईं-उनके बूढ़े पाँव डगमगा रहे थे, हाथ काँप रहे थे, तब भी मैं अलग मुँह फुलाए खड़ा रहा। शाम को उन्होंने लड्डू-मठरी खाने को दिए तो मैंने उन्हें हाथ से अलग खिसका दिया। मुँह फेरकर बैठ गया, जीजी से बोला भी नहीं। पहले वे भी तमतमाई, लेकिन ज्यादा देर तक उनसे गुस्सा नहीं रहा गया। पास आकर मेरा सर अपनी गोद में लेकर बोलीं, 'देख भइया, रूठ मत। मेरी बात सुन। यह सब अंधविश्वास नहीं है। हम इन्हें पानी नहीं देंगे तो इंद्र भगवान हमें पानी कैसे देंगे?" मैं कुछ नहीं बोला। फिर जीजी बोलीं, "तू इसे पानी की बरबादी समझता है पर यह बरबादी नहीं है। यह पानी का अर्घ्य चढ़ाते हैं, जो चीज मनुष्य पाना चाहता है उसे पहले देगा नहीं तो पाएगा कैसे? इसीलिए ऋषि-मुनियों ने दान को सबसे ऊँचा स्थान दिया है।"

क) लेखक ने किस काय से इनकार किया ?
1) मेढक-मंडली पर बाल्टी भर पानी डालने से इनकार कर दिया ।
2) ऋषि-मुनियों को दान देने से इनकार कर दिया ।
3) अंधविश्वास के प्रचार करने से इनकार कर दिया ।
4) जीजी के घर जाने से इनकार कर दिया ।

ख) पानी डालते समय जीजी की क्या हालत थी?
1) पानी डालते समय जीजी के हाथ काँप रहे थे।
2) पानी डालते समय जीजी के बूढ़े पाँव डगमगा रहे थे।
3) जीजी लेखक से थोडी नाराज़ हुई।

4) उपर्युक्त सभी

ग) जीजी ने नाराज लेखक से क्या कहा?

1) जीजी ने नाराज लेखक से गुस्सा न करने को कहा।
2) जीजी ने लेखक से पूछा कि यदि हम इंद्र को अर्घ्य नहीं चढ़ाएँगे तो भगवान इंद्र हमें पानी कैसे देंगे?
3) जीजी ने नाराज लेखक को लड्डू-मठरी खाने को दिए।
4) जीजी ने ऋषि-मुनियों को बदनाम न करने केलिए कहा ।

घ) जीजी ने दान के पक्ष में क्या तर्क दिए?

1) जो हम पाना चाहते हैं, उसे पहले दान देना पड़ता है।
2) त्याग और भोग में कुछ संबंध नहीं ।
3) जीवन में त्याग करनेवाले की जीत होती है ।
4) मनुष्य को दानी होना अनिवार्य है

ङ) जीजी लेखक के हाथों पूजा अनुष्ठान क्यों कराती थी ?

1) लेखक के कल्याण के लिए
2) अपने कल्याण के लिए
3) सब के कल्याण के लिए
4) उपरोक्त सभी

पाठ पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

1) काले मेघा पानी दे पाठ साहित्य की किस विधा की रचना है ?

क) एकांकी
ख) उपन्यास
ग) निबंध
घ) संस्मरण

2. जहाँ जुताई होनी थी, वहां खेतों की मिट्टी सूखकर क्या हो जाती है?

क) रेत
ख) पानी
ग) पत्थर
घ) राख

3. गुड़धानी से क्या अभिप्राय है ?

क) बेसन का लड्डू
ख) तिल का लड्डू
ग) गुड़ और चने से बना लड्डू
घ) बूंदी का लड्डू

4. काले मेघा पानी दे के लेखक को कुमार सुधार सभा का कौन सा पद दिया गया ?
   क) महामंत्री ख) उप मंत्री
   ग) मंत्री घ) अध्यक्ष

5. किला पस्त का अर्थ है -
   क) हार जाना
   ख) जीत जाना
   ग) किला जीतना
   घ) उपरोक्त सभी

6. जीजी ने किस महान राजनेता का उदाहरण देकर लेखक को समझाया?
   (क) ज्योति बासु
   (ख) जवाहरलाल नेहरु
   (ग) महात्मा गाँधी
   (घ) सरदार वल्लभ भाई पटेल

7. हर क्षेत्र में माँगें बड़ी-बड़ी हैं, पर किस चीज़ का कहीं नाम-निशान नहीं है?
   (क) त्याग
   (ख) अहमियत
   (ग) समय
   (घ) सत्य

8. जेठ का कौन से दिन बीत जानेपर भी बादलों का नामोनिशान नहीं दिखाई देता था ?
   क) दीर्घतपा
   ख) दसतपा
   ग) बिसतपा
   घ) तीसतपा

9. लेखक के अनुसार शहरों की अपेक्षा गांवों की हालत किस वजह से ज़्यादा खराब होती थी ?
   क) पैसे के अभाव के कारण
   ख) नौकरी के अभाव के कारण
   ग) बारिश के अभाव के कारण
   घ) पूजा-पाठ के अभाव के कारण

10. लेखक अंधविश्वासों के विरुद्ध क्या लेकर घूमता था ?
   क) तलवार
   ख) धनुष
   ग) तरकस में तीर
   घ) भाला

11 इंदर सेना कौनसा जयकारा लगाती थी ?

क) यमुना मैया की जय
ख) छठ मैया की जय
ग) गंगा मैया की जय
घ) सरस्वति मैया की जय

12 पाठ में ग्रामीण वातावरण का चित्रण किया है -निम्नलिखित में से कौन सा वर्णन सही है ?

क) जहां जुताई होनी चाहिए,वहां खेतों की मिट्टी सूखकर पत्थर हो जाती ।
ख) भयंकर लू चलती।
ग) ढोर ढंकर प्यास के मारे मरने लगते ।
घ) सभी विकल्प ठीक है ।

13 पाठ के अनुसार आजकल मनुष्य का एकमात्र लक्ष्य क्या रहा है?

क) समाजसेवा
ख) स्वार्थसिद्धि
ग) भ्रष्टाचार
घ) त्याग

14. वर्षा के बादलों का स्वामी किसे माना गया है ?

क) इंद्र
ख) शंकर
ग) ब्रह्मा
घ) विष्णु

15 लेखक ने अपना बचपन किस संस्कार में बिताया था ?

क) आर्यसमाजी
ख) ब्रह्मसमाजी
ग) जैनसमाजी
घ) बौद्धसमाजी

अभिकथन - कारण पर आधारित प्रश्न

`1 **अभिकथन (अ)** ...काले मेघा पानी दे संस्मरण पूर्णत: वैज्ञानिक चेतना का प्रतिनिधित्व करता है ।
कारण (ब).... लेखक के तर्क वैज्ञानिक चेतना से प्रभावित है ।

क) अ सच है लेकिन ब असत्य है ।
ख) अ और ब दोनों सत्य है और ब ,अ की ही सही व्याख्या है ।
ग) अ असत्य है लेकिन ब सच है ।
घ) अ और ब दोनों सत्य है लेकिन ब ,अ की सही व्याख्या नहीं है ।

2 **अभिकथन (अ)** ...काले मेघा पानी दे संस्मरण पूर्णत: ग्रामीण लोक विश्वासों को जिलाए रखने पर बल देता है ।

कारण (ब).... पाठ लोक संस्कारों एवं वैज्ञानिक चेतना के मध्य द्वन्द्व निरूपित करता है ।

क) अ सच है लेकिन ब असत्य है ।
ख) अ और ब दोनों सत्य है और ब ,अ की ही सही व्याख्या है ।

ग) अ असत्य है लेकिन ब सच है ।
घ) अ और ब दोनों सत्य है लेकिन ब ,अ की सही व्याख्या नहीं है ।

3. **अभिकथन (अ)**... गगरी फूटी की फूटी रह जाती है, बैल पियासे के पियासे रह जाते हैं, आखिर कब बदलेगी यह स्थिति ?
कारण (ब).... अभिकथन लोक व्याप्त भ्रष्टाचार को व्यक्त करता है ।
क) अ सच है लेकिन ब असत्य है ।
ख) अ और ब दोनों सत्य है और ब ,अ की ही सही व्याख्या है ।
ग) अ असत्य है लेकिन ब सच है ।
घ) अ और ब दोनों सत्य है लेकिन ब ,अ की सही व्याख्या नहीं है ।

4 **अभिकथन (अ)...** विज्ञान का सत्य बडा है या सहज प्रेम का रस ?या दोनों ?लेखक इसी द्वंद्व का शिकार था
कारण (ब)....लेखक रीति-रिवाज़ों को ऊपरी तौर पर अपनाये रखने हेतु बाध्य था
क) अ सच है लेकिन ब असत्य है ।
ख) अ और ब दोनों सत्य है और ब ,अ की ही सही व्याख्या है ।
ग) अ असत्य है लेकिन ब सच है ।
घ) अ और ब दोनों सत्य है लेकिन ब ,अ की सही व्याख्या नहीं है ।

5 **अभिकथन (अ)...** लेखक में आर्यसमाजी संस्कार कूट-कूट कर भरे थे ।
कारण (ब)....आर्यसमाज अंधविश्वासों और पाखंडों का विरोध करता है ।
क) अ सच है लेकिन ब असत्य है ।
ख) अ और ब दोनों सत्य है और ब ,अ की ही सही व्याख्या है ।
ग) अ असत्य है लेकिन ब सच है ।
घ) अ और ब दोनों सत्य है लेकिन ब ,अ की सही व्याख्या नहीं है ।

उत्तर सूची

पाठभाग पर आधारित प्रश्न :-

गद्यांश 1 : क) 3- मेढक-मंडली या इंदर सेना।
ख) 2- मेंढक की तरह उछल-कूद, शोर-शराबा व कीचड़ करते बच्चे ।
ग) 4- दस-बारह वर्ष से सोलह-अठारह वर्ष के साँवले रंग के लैंगोटी या जाँधिया पहनते लड़के।
घ) 4- उपर्युक्त सभी।
ङ) 2- अनावृष्टि को दूर करने के लिए।

गद्यांश 2
क)मेढक-मंडली पर बाल्टी भर पानी डालने से इनकार कर दिया ।
ख)देश में संसाधनों की कमी नहीं है परंतु जनता की ज़रूरतें पूरी नहीं हो पातीं।
ग) इस पर ज़रुर विचार करना कि हम उसी भ्रष्टाचार के अंग तो नहीं बन रहे हैं?
घ) 'उपर्युक्त तीनों
ङ) भ्रष्टाचार

गद्यांश 3

क)मेढक-मंडली या इंदर सेना।

ख)उपर्युक्त सभी

ग) जीजी ने लेखक से पूछा कि यदि हम इंद्र को अर्घ्य नहीं चढ़ाएँगे तो भगवान इंद्र हमें पानी कैसे देंगे?

घ) जो हम पाना चाहते हैं, उसे पहले दान देना पड़ता है।

ङ) लेखक के कल्याण के लिए

पाठ पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

1. *संस्मरण*
2. *पत्थर*
3. *गुड़ और चने से बना लड्डू*
4. *उप मंत्री*
5. *हार जाना*
6. *महात्मा गाँधी*
7. *त्याग*
8. *दसतपा*
9. *बारिश के अभाव के कारण*
10. *तरकस में तीर*
11. *गंगा मैया की जय*
12. *सभी विकल्प ठीक है*
13. *भ्रष्टाचार*
14. *इंद्र*
15. *आर्यसमाजी*

अभिकथन - कारण पर आधारित प्रश्न

1. *अ और ब दोनों सत्य है लेकिन ब ,अ की सही व्याख्या नहीं है ।*
2. *अ असत्य है लेकिन ब सच है ।*
3. *अ और ब दोनों सत्य है और ब ,अ की ही सही व्याख्या है ।*
4. *अ सच है लेकिन ब असत्य है ।*
5. *अ और ब दोनों सत्य है और ब ,अ की सही व्याख्या है ।*

वितान भाग -2
1. सिल्वर वैडिंग – मनोहर श्याम जोशी

पाठ का सार-

सिल्वर वेडिंग' कहानी की रचना मनोहर श्याम जोशी ने की है। इस पाठ के माध्यम से पीढ़ी के अंतराल का मार्मिक चित्रण किया गया है। आधुनिकता के दौर में, यशोधर बाबूपरंपरागत मूल्यों को हर हाल में जीवित रखना चाहते हैं। उनका उसूलपसंद होना दफ्तर एवम घर के लोगों के लिए सरदर्द बन गया था । यशोधर बाबू को दिल्ली में अपने पाँव जमाने में किशनदा ने मदद की थी, अतः वे उनके आदर्श बन गए। दफ्तर में विवाह की पच्चीसवीं सालगिरह के दिन ,दफ्तर के कर्मचारी, मेनन और चड्ढा उनसे जलपान के लिए पैसे माँगते हैं । जो वे बड़े अनमने ढंग से देते हैं क्योंकि उन्हें फिजूलखर्ची पसंद नहीं ।यशोधर बाबू के तीन बेटे हैं। बड़ा बेटा भूषण, विज्ञापन कम्पनी में काम करता है। दूसरा बेटा आई. ए. एस. की तैयारी कर रहा है और तीसरा छात्रवृति के साथ अमेरिका जा चुका है। बेटी भी डाक्टरी की पढ़ाईं के लिए अमेरिका जाना चाहती है, वह विवाह हेतु किसी भी वर को पसंद नहीं करती। यशोधर बाबूबच्चों की तरक्की से खुश हैं किंतु परंपरागत संस्कारों के कारण वे दुविधा में हैं। उनकी पत्नी ने स्वयं को बच्चों की सोच के साथ ढाल लिया है। आधुनिक न होते हुए भी, बच्चों के ज़ोर देने पर वे अधिक माडर्न बन गई है।

बच्चे घर पर सिल्वर वेडिंग की पार्टी रखते हैं, जो यशोधर बाबू के उसूलों के खिलाफ था। उनका बेटा उन्हें ड्रेसिंग गाउन भेंट करता है तथा सुबह दूध लेने जाते समय उसे ही पहन कर जाने को कहता है, जो उन्हें अच्छा नहीं लगता। बेटे का ज़रूरत से ज़्यादा तनख्वाह पाना, तनख्वाह की रकम स्वयं खर्च करना, उनसे किसी भी बात पर सलाह न माँगना और दूध लाने का जिम्मा स्वयं न लेकर उन्हें ड्रेसिंग गाउन पहनकर दूध लेने जाने की बात कहना जैसी बातें, यशोधर बाबू को बुरी लगती है। जीवन के इस मोड़ पर वे स्वयं को अपने उसूलों के साथ अकेले पाते हैं ।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. जब सब्जी लेकर यशोधर बाबू घर पहुंचे, तो उनकी दशा कैसी थी ?

(क) द्वारका जाने वाले सुदाामा जैसी

(ख) द्वारका से लौटे सुदाामा जैसी

(ग) बचपन के सुदाामा जैसी

(घ) पत्नी के साथ सुदाामा

2. कहानी 'सिल्वर वैडिंग' में किशन दा की मृत्यु के संदर्भ में 'जो हुआ होगा' से कहानीकार का क्या तात्पर्य रहा है ?

(क) लेखक मृत्यु से बहुत दुखी है

(ख) लेखक को मृत्यु का कारण पता है

(ग) लेखक मृत्यु के कारण से अपरिचित है

(घ) लेखक को मृत्यु से कोई अन्तर नहीं पड़ता है l

3. यशोधर बाबू बच्चों की तरक्की से खुश होते हुए "सम्हाऊ इम्प्रापर" क्या अनुभव करते हैं ?

(क) वह खुशहाली भी कैसी जो अपनों में परायापन पैदा करें

(ख) अपने बच्चों द्वारा गरीब रिश्तेदारों की उपेक्षा उन्हें नहीं जँचती

साधारण पुत्र को असाधारण वेतन देने वाली नौकरी समझ नहीं आती
(घ) उपर्युक्त सभी

4. कहानी 'सिल्वर वैडिंग' के अनुसार - "यशोधर बाबू की पत्नी समय के साथ ढल सकने में सफल होती हैं लेकिन यशोधर बाबू असफल रहते हैं ।" यशोधर बाबू की असफलता का क्या कारण था ?
(क) किशन दा उन्हें भड़काते थे
(ख) पत्नी बच्चों से अधिक प्रेम करती थी
(ग) पीढ़ी के अन्तराल के कारण
(घ) वे परिवर्तन को सहजता से स्वीकार नहीं कर पाते थे

5. यशोधर बाबू अनुशासन प्रिय है |
अभिकथन : - यशोधर बाबू अधिकारी के रूप में दफ्तर में अपने मातहतों से एक दूरी बनाकर रखते थे |
कारण :- दफ्तर से चलते चलते वे अपने मातहतों से कोई मनोरंजक बात करते थे |
(क) अभिकथन और कारण दोनों सही है, अभिकथन कारण की सही व्याख्या है |
(ख) अभिकथन और कारण दोनों सही है, अभिकथन कारण की सही व्याख्या नहीं है |
(ग) अभिकथन सत्य है और कारण असत्य है |
(घ) अभिकथन और कारण दोनों असत्य है |

6. यशोधर बाबू को अपने पर गर्व और प्रसन्नता का बोध कब होता है ?
(क) जब लोग उनके बच्चे की उन्नति को देखकर उनसे ईर्ष्या करते है
(ख) जब भूषण उन्हें सिल्वर वैडिंग का उपहार देते है
(ग) जब वह आफिस से मंदिर जाता है
(घ) उपर्युक्त सभी

7. **अभिकथन** - यशोधर बाबू किशन दा को अपना रोल मोडल मानते है |
कारण - यशोधर बाबू आधुनिक विचारों वाले व्यक्ति है |

(क) अभिकथन और कारण दोनों सही है, अभिकथन कारण की सही व्याख्या है |
(ख) अभिकथन और कारण दोनों सही है, अभिकथन कारण की सही व्याख्या नहीं है |
(ग) अभिकथन सत्य है और कारण असत्य है |
(घ) अभिकथन और कारण दोनों असत्य है |

8. **अभिकथन** - किशन दा के रिटायर होने पर यशोधर बाबू उनकी सहायता नहीं कर पाए थे |
कारण - यशोधर बाबू का अपना परिवार था जिसे वे नाराज़ नहीं करना चाहते थे |
(क)अभिकथन और कारण दोनों सही है, अभिकथन कारण की सही व्याख्या है |
(ख)अभिकथन और कारण दोनों सही है, अभिकथन कारण की सही व्याख्या नहीं है |
(ग) अभिकथन सत्य है और कारण असत्य है |
(घ) अभिकथन और कारण दोनों असत्य है |

9. यशोधर बाबू गोल मार्केट वाला क्वार्टर क्यों नहीं छोड़ना चाहते थे ?

(क) क्योंकि वहां किशन दा की यादें थी
(ख) क्योंकि वह जगह उन्हें बहुत प्यारी थी
(ग) क्योंकि वहां के क्वार्टर अच्छे थे
(घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

10. मकान के विषय में किशनदा की कौनसी उक्ति यशोधर बाबू को जँचती थी ?
(क) अपना मकान होना ही चाहिए
(ख) मुर्ख लोग मकान बनाते हैं , सयाने उनमें रहते हैं
(ग) सरकारी क्वार्टर सरकारी ही होता है
(घ) इनमें से कोई नहीं

11. यशोधर बाबू के विवाह के पश्चात् उनके क्वार्टर में उनके साथ और कौन रहता था ?
(क) यशोधर बाबू के ताऊ जी
(ख) यशोधर बाबू के पिताजी
(ग) यशोधर बाबू के चाचा जी
(घ) उपर्युक्त में से कोई भी नहीं

12. यशोधर बाबू का व्यक्तित्व किससे प्रभावित था ?
(क) किशनदा से
(ख) अपने ताऊ जी से
(ग) अपने पिताजी से
(घ) उपर्युक्त में से कोई भी नहीं

13. **अभिकथन** - यशोधर बाबू की पत्नी उनसे नाराज रहती थी |
कारण - नवविवाहिता पर पुराने नियम लागू होने के कारण |
(क)अभिकथन और कारण दोनों सही है, अभिकथन कारण की सही व्याख्या है |
(ख) अभिकथन और कारण दोनों सही है, अभिकथन कारण की सही व्याख्या नहीं है |
(ग) अभिकथन सत्य है और कारण असत्य है |
(घ) अभिकथन और कारण दोनों असत्य है |

14. यशोधर बाबू जल्दी घर लौटना क्यों पसंद नहीं करते थे ?
(क) उन्हें दफ्तर में बहुत काम रहता था
(ख) उनका अपनी पत्नी और बच्चों से मतभेद होने लगा था
(ग) दफ्तर के बाद वे बाहर घूमना पसंद करते थे
(घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

15. **निष्कर्ष कथन** - यशोधर बाबू अपने बच्चों की तरक्की होने पर ज्यादा खुश नहीं थे।
पहला कारण –बच्चे आधुनिक रहन-सहन से रहते थे
दूसरा कारण - बच्चे पीढ़ीगत अंतराल के कारण वे सभी जीवन मूल्य भूल चुके थे

दिए गए कथन के सही को नीचे दिए गए विकल्प के आधार पर चुनिए

(क) पहला

(ख) दूसरा

(ग) दोनों

(घ) कोई नहीं

16. आप 'सिल्वर वैडिंग' कहानी की मूल संवेदना किसे मानते है ?

(क) हाशिए पर धकेले जाते मानवीय मूल्य

(ख) पीढ़ी का अन्तराल

(ग) पाश्चात्य संस्कृति का प्रभाव

(घ) उपर्युक्त में से कोई भी नहीं

17. यशोधर बाबू स्वयं को डेमोक्रेटिक कैसे समझते हैं ?

(क) वे अपने नियम परिवार में लागू नहीं करते l

(ख) सभी को पूर्ण स्वतंत्रता प्रदान की है l

(ग) बेटा बेटी सभी को समान मानते हैं

(घ) उपर्युक्त सभी

18. कहानी में "जो हुआ होगा" और "समहाउ इम्प्रापर" ये दो जुमले, जो कहानी के बीजवाक्य हैं, कहानी के किस पात्र में बदलाव को असंभव बना देते हैं ?

(क) यशोधर

(ख) किशनदा

(ग) यशोधर की पत्नी

(घ) उपर्युक्त सभी

19. यशोधर बाबू की पत्नी मूल संस्कारों से आधुनिक न होते हुए भी आधुनिकता में कैसे ढल गई ?

(क) बच्चों की तरफदारी करने की मातृसुलभ मजबूरी के कारण

(ख) वक़्त को देखते हुए

(ग) मन की इच्छा से

(घ) उपर्युक्त में से कोई भी नही

20. सिल्वर वैडिंग में गाउन पहनते समय यशोधर बाबू को कौन सी बात चुभी ?

(क) पत्नी द्वारा उपेक्षा

(ख) भूषण के व्यंग्य वचन

(ग) केक काटना

(घ) दूध लाने की बात

21. यशोधर बाबू के व्यक्तित्व निर्माण में किशन दा ने कैसा योगदान दिया ?

(क) नौकरी लगाने के साथ जीवन के विभिन्न प्रसंगों पर दिशा निर्देश देकर

(ख) रूढ़िवादी विचारों को अपनाकर
(ग) अपने अनुभवों का वर्णन करके
(घ) जीवन के केवल सुखद समय में साथ देकर

22 किशन दा यशोधर बाबू को रोज सुबह जल्दी किस कारण उठाते थे ?
(क) घर का काम करने के लिए
(ख) पढ़ाई लिखाई करने के लिए
(ग) सुबह जल्दी उठने की आदत डालने के लिए
(घ) ध्यान और योग करने के लिए

23. यशोधर बाबू को सरकारी नौकरी किस प्रकार मिली ? 'सिल्वर वैडिंग' कहानी के आधार पर सही विकल्प चुनिए |
(क) उनकी पत्नी के व्रत और प्रार्थना से
(ख) उनकी स्वयं की लगन और मेहनत से
(ग) उनके मित्र किशन दा की सहायता से
(घ) उनके द्वारा रिश्वत दिए जाने पर

24. यशोधर बाबू को किशन दा के संदर्भ में किस बात का दुख था ?
(क) उनका विवाह ना होना
(ख) उनका बुढापा सुखी ना होना
(ग) उनके कोई पुत्र ना होना
(घ) उनकी पत्नी का रूढ़िवादी होना

25. 'सिल्वर वैडिंग' कहानी के अनुसार यशोधर बाबू शादी की सालगिरह मनाने के पक्ष में क्यों नहीं थे ?
(क) क्योंकि इससे पैसों की बर्बादी होती थी
(ख) क्योंकि ऐसा करना उनके हित में नहीं था
(ग) क्योंकि वे इसे पश्चिम की नकल मानते थे
(घ) क्योंकि वे रूढ़िवादी विचारधारा को नहीं मानते थे

26. पार्टी के दिन यशोधर बाबू अपनी शाम की पूजा का समय क्यों बढ़ा देते थे ?
(क) क्योंकि वह चाहते थे कि पार्टी में आए लोग खा पीकर जाए
(ख) क्योंकि उस दिन उनका व्रत था
(ग) क्योंकि वे लोगों से नजरें चुराना चाहते थे
(घ) क्योंकि उस दिन वे जल्दी घर आ गए थे

27. यशोधर बाबू की पत्नी किस कारण उनसे विपरीत सोच रखती है ?
(क) घर से बाहर निकल कर नौकरी करने के कारण
(ख) आधुनिक जीवन मूल्यों को अपनाने के कारण
(ग) अपने पैरों पर खड़ा होने के कारण
(घ) स्त्रियों के विषय में अच्छी सोच रखने के कारण

28. 'सिल्वर वैडिंग' कहानी में बुजुर्गों के प्रति कम होती सम्मान की भावना क्या व्यक्त करती है ?

(क) नई पीढ़ी की नई सोच को
(ख) बुजुर्गों के प्रति उनके दायित्व बोध को
(ग) हाशिए पर जाते मानवीय मूल्यों को
(घ) समाज के नवीन पक्ष को

29. यशोधर बाबू अपने बच्चों से क्या अपेक्षा रखते हैं ? 'सिल्वर वैडिंग' कहानी के आधार पर सटीक विकल्प चुनिए |
(क) उनके बच्चे अब घर के सभी जिम्मेदारियों का भार अपने ऊपर ले ले
(ख) उनके बच्चे रूढ़िवादी परंपराओं का पालन करें
(ग) उनके बच्चे पार्टी वगैरह न किया करें
(घ) उनके बच्चे आधुनिक विचारों को न अपनाए

30. 'सिल्वर वैडिंग' कहानी के मुख्य पात्र द्वारा परंपरागत सिद्धांतों को अपनाकर उनके निजी जीवन पर क्या प्रभाव पड़ा ?
(क) उनका निजी जीवन अत्यंत सहज हो गया था
(ख) उनका अपने परिवार के बीच तालमेल नहीं बैठता था
(ग) उनकी अपने परिवार में अच्छी साख थी
(घ) उनका व्यक्तित्व अत्यंत संकुचित हो गया था

<u>उत्तर सूचिका</u>

1	ख
2	ग
3	घ
4	घ
5	क
6	क
7	ग
8	क
9	क
10	ख
11	क
12	क
13	ख
14	ख
15	क
16	ख
17	घ
18	क
19	क

20	घ
21	क
22	ग
23	ग
24	ख
25	ग
26	क
27	ख
28	ग
29	क
30	ख

2. 'जूझ' - डॉ . आनंद यादव

पाठ का सारांश

'जूझ' मराठी के प्रख्यात कथाकार आनंद यादव का बहुचर्चित आत्मकथात्मक उपन्यास का अंश है। इसमें संघर्षशील किशोरी जीवन का यथार्थ चित्रण है।

'जूझ' का अर्थ है-'संघर्ष'। कथा नायक आनंदा के शराबी दादा रतनाप्पा चौथीं कक्षा में उसकी पढ़ाई रोक लेता है और उसे खेतों में काम के लिए भेज देता हैं। अपनी माँ और देसाई सरकार के सहयोग से दादा आनंदा को कुछ शर्तों के साथ स्कूल भेज देता है। पाठशाला में भी कथानायक को अपने अस्तित्व के लिए काफ़ी संघर्ष करना पड़ा। शरारती बच्चों ने उसे बहुत तंग किया। गणित का मास्टर मंत्री और मित्र वसंत पाटील ने उसका हौसला बढ़ाया। मराठी अध्यापक नवा. सौंदलगेकर ने भाषा और साहित्य की तरफ़ उसकी रुचि बढ़ाई।. वे स्वयं कविता लिखते थे तथा कक्षा में पूरे हावभाव के साथ काव्यपाठ करते थे। वे लय-, छंद, यति, गति, आरोहअवरोह का - ज्ञान कराते थे और छात्रों को कविता लिखने की प्रेरणा देते थे।

बड़े सवेरे खेतों में पौधों को पानी देते वक्त आनंदा तुकबंदी करने लगा। छठींसातवीं के बालकों के सामने - काव्यपाठ करने का अवसर उसे मिला व पाठशाला के एक समारोह में गायन का मौका पाया। इस तरह अपनी संघर्षमयी प्रवृत्ति के कारण उसमें आत्मविश्वास पैदा हुआ और आनंदा आगे चलकर मराठी का विख्यात साहित्यकार डॉ .आनंद यादव के नाम से मशहूर हुआ।

बहुविकल्पी प्रश्न

1. 'जूझ' उपन्यास मूलतः किस भाषा में रचित है?
   (क) मराठी (ख) गुजराती
   (ग) अवधी (घ) ब्रज

2 .पाठशाला जाने की बात लेखक ने सबसे पहले किससे की?
   (क) दादा से (ख) माँ से
   (ग) दत्ता जी राव से (घ) सौंदलगेकर से

3.उपन्यास के शीर्षक 'जूझ' का अर्थ है –
   (क) संघर्ष (ख) चालाकी
   (ग) मेहनत (घ) कठिनाई

4. लेखक के कक्षाध्यापक का नाम क्या था ?
   (क) वसंत (ख) सौंदलगेकर
   (ग) मंत्री (घ) मोहन

5. जिस शरारती लड़के ने लेखक के सिर से गमछा छीना था ,उसका नाम क्या था?
   (क) वसंत (ख) आनंद
   (ग) चह्वाण (घ) मनोहर

6. 'जूझ' के लेखक के पिता का नाम क्या था ?

(क) रतनाप्पा (ख) कृष्णाप्पा

(ग) वसंत पाटील (घ) दत्ता जी राव

7. "पढ़ जाऊँगा तो नौकरी लग जाएगी,चार पैसे हाथ में रहेंगे, धंधा कारोबार किया जा सकेगा "- यह बताते वक्त आनंदा किसका उदाहरण देता है?

(क) विठोबा आँण्णा (ख) दत्ता जी राव

(ग) रतनाप्पा (घ) वसंत पाटील

8. पढ़ाई की सिफारिश केलिए आनंदा अपनी माँ के साथ किस के पास गया?

(क) दादा (ख) सौंदलगेकर

(ग) दत्ता जी राव (घ) वसंत पाटील

9. दादा जल्दी कोल्हू क्यों चलाता था?

(क) अधिक पैसे केलिए (ख) जल्दी काम खत्म करने केलिए

(ग) आराम करने केलिए (घ) शहर के बाज़ार में बेचने केलिए

10. किस अध्यापक ने आनंदा को साहित्य की तरफ आकृष्ट किया ?

(क) अनंत काणेकर (ख) न o वा o सौंदलगेकर

(ग) भा o रा o ताँबे (घ) रणनवरे

11. माँ के अनुसार पढ़ाई की बात करने पर कौन जंगली सूअर के समान गुर्राता है?

(क) आनंदा (ख) वसंत पाटील

(ग) रतनाप्पा (घ) दत्ता जी राव

12. खेत का कौन सा काम सबसे मुख्य माना जाता था ?

(क) कटाई का काम (ख) पानी लगाने का काम

(ग) कोल्हू का काम (घ) रोपाई का काम

13. आनंदा को दादा ने पाठशाला जाने से क्यों रोक दिया ?

(क) खर्च से बचने केलिए (ख) बीमारी से बचने केलिए

(ग) खुद काम से बचने केलिए (घ) पैसे के लालच में

14. दादा ने आनंदा की पढ़ाई कौन सी कक्षा में रोक दी ?

(क) पाँचवीं (ख) छठीं

(ग) आठवीं (घ) चौथवीं

15. "सकारात्मकता सृजनात्मकता से आत्मविश्वास को दृढ़ता मिलती है"- यह पंक्ति किस प्रकार 'जूझ' पाठ के लेखक के जीवन से संबंधित है।

(क)श्री सौंदलगेकर शिक्षक से प्रेरित होकर कविता सृजन करते हुए उसका आत्मविश्वास बढ़ने लगा।

(ख)वह स्वयं कृषि कार्यों के समय काव्य सृजन करने लगा जिससे उसे लगाने
वाला एकांत अब प्रिय लगने लगा|
(ग) उपर्युक्त दोनों सही हैं |
(घ) उपर्युक्त दोनों गलत हैं |

16. अध्यापक सौंदलगेकर जी का व्यवहार छात्रों में ऊर्जा का व्यवहार करता था| साथ ही उनसे प्रेरणा लेने का गुण आनंदा में था| आपके अनुसार एक आदर्श छात्र में कौन-कौन से गुण आवश्यक हैं?
(क) एक आदर्श छात्र में हमेशा ज्ञान के प्रति जिज्ञासा होनी चाहिए |
(ख) छात्र को स्वयं एकांत में स्वाध्याय करना चाहिए |
(ग) गुरुजन द्वारा दी गाई शिक्षा के प्रति अनुकरण का भाव होना चाहिए |
(घ) उपर्युक्त सभी सही हैं|

17. लेखक को अकेलेपन से ऊब नहीं होती थी क्योंकि
(क) अकेलेपन होने से खेती का काम कर लेता था|
(ख) अकेलेपन में पशुओं को चरा लेता था|
(ग) अकेलेपन में अपने साथियों से बाट कर लेता था|
(घ) अकेलेपन कविता बना लेता था |

18. ईख से ज्यादा गुड़ निकालना हो तो –
(क) ईख को खेत में देर तक खड़ी रखना चाहिए|
(ख) ईख को जल्दी काट लेना चाहिए|
(ग) ईख को काट कर कुछ दिनों तक खलिहान में खुला रख देना चाहिए |
(घ) 'ख' और 'ग' दोनों सही हैं|

19. 'जूझ' के अनुसार 'पढ़ाई-लिखाई के सम्बन्ध में लेखक और दत्ता जी राव की रवैया सही था'' क्योंकि
(क) लेखक खेती- बाड़ी नहीं करना चाहता था|
(ख) लेखक का पढ़-लिखकर सफल होना बहुत आवश्यक था |
(ग) दत्ता जी राव जानते थे कि खेती -बाड़ी में लाभ नहीं है|
(घ) लेखक और दत्ता जी राव सहपाठी थे |

20. 'जूझ ' के नायक द्वारा पढ़ाई के साथ -साथ खेती का काम करने का संझपरक क्या प्रभाव पड़ा-
(क) उसकी पढ़ाई के प्रति रुचि कम हो गई |
(ख) उसका मन निराशा और खीझ से भर गया |
(ग) वह अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में सफल रहा|
(घ) प्रतिकूल परिस्थितियों ने उसके दृढ़ निश्चय को तोड़ दिया|

20. 'जूझ' के लेखक के पिता की भाँति अनेक गरीब व कामगार अपने बच्चों को आज भी स्कूल भोजन नहीं चाहते |वर्तमान में मुफ़्त शिक्षा-व्यवस्था होने के बाद भी बच्चों द्वारा स्कूल न जाने के क्या कारण हो सकते हैं?
(क) माता-पिता का अशिक्षित होना|
(ख) माता-पिता का गरीब होना |

(ग) बच्चे स्वयं मज़बूरी वश रोज़ी-रोटी की तलाश में लगे रहते हैं|
(घ) उपरोक्त सभी कारणों से |

22. **अभिकथन : (A)-**लेखक की माँ लेखक के पढ़ने के विषय में उसके पिता से बात नहीं करती।
कारण : (R)- पढ़ने लिखने की बात पर लेखक का पिता बरहेला सूअर की तरह गुर्राता है।

(क) Aऔर R दोनों सत्य हैं और R,A की सही व्याख्या नहीं करता है।
(ख) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या करता है।
(ग) A सच है, लेकिन R असत्य है।
(घ) A असत्य है,लेकिन सच है।

23. **अभिकथन : (A)-**लेखक और उसकी माँ दत्ता जी राव देसाई के घर गए थे।
कारण :(R)- क्योंकि लेखक बहुत बीमार था।
(क) Aऔर R दोनों सत्य हैं और R,A की सही व्याख्या नहीं करता है।
(ख) Aऔर R दोनों सत्य हैं लेकिन R,A की सही व्याख्या करता है।
(ग) A सच है, लेकिन R असत्य है ।
(घ) A असत्य है, लेकिन R सच है।

24. **अभिकथन : (A)-**लेखक का पाठशाला में विश्वास बढ़ने लगा।
कारण :(R)- - मास्टरों तथा बसंत पाटील के अपनेपन के व्यवहार के कारण।
(क) Aऔर R दोनों सत्य हैं और R,A की सही व्याख्या नहीं करता है।
(ख) Aऔर R दोनों सत्य हैं लेकिन R,A की सही व्याख्या करता है।
(ग) A सच है,लेकिनR झूठा है।
(घ) A झूठ है,लेकिनR सच है।

25. **कथन :** विद्यालय पुनः जाने के बाद से लेखक को अकेलापन नहीं समझपरक खटकता था|
कारण : वह अकेले में ऊँची आवाज में कविता गाता था और उससे सम्बंधित अभिनय भी करता था|
(क)कथन और कारण दोनों सही है, और कारण कथन की सही व्याख्या है।
(ख)कथन और कारण दोनों सही है, और कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है।
(ग)कथन सही है, कारण गलत है।
(घ) कथन गलत है कारण सही है।

<u>उत्तर सूची</u>

1. क
2. ख
3. क
4. ग
5. ग
6. क

7. क
8. ग
9. क
10. ख
11. ग
12. ग
13. ग
14. घ
15. ग
16. क
17. घ
18. ग
19.ग
20. ग
21. घ
22. ख
23. ग
24. ख
25. क

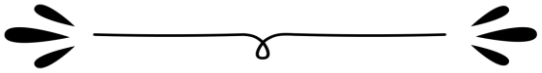

प्रतिदर्श प्रश्नपत्र- 1
केन्द्रीय विद्यालय संगठन, एरणाकुलम संभाग
कक्षा – XII, हिन्दी आधार (302)
प्रथम सत्र परीक्षा –2021-22

निर्धारित अंक – 40 **अधिकतम अवधि: 1½ घंटे**

सामान्य निर्देश:

- इस प्रश्न-पत्र के तीन खण्ड हैं- खंड-क, खंड- ख, खंड- ग ।
- खंड 'क' के 30 प्रश्नों में दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए केवल 15 प्रश्नों के उत्तर देने हैं।
- खंड 'ख' के 06 प्रश्नों में से केवल 05 प्रश्नों के उत्तर देने हैं।
- खंड 'ग' के 22 प्रश्नों में दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए केवल 20 प्रश्नों के उत्तर देने हैं।
- सावधानीपूर्वक उचित विकल्प का चयन कीजिए।

खण्ड- क
(अपठित गद्यांश) अंक-10

प्रश्न 1. **किसी एक गदयांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए:** 1x10=10

परिश्रम को सफलता की कुंजी माना गया है । जीवन में सफलता पुरुषार्थ से ही प्राप्त होती है। कहा भी गया है - उद्योगी को सब कुछ मिलता है और भाग्यवादी को कुछ भी नहीं मिलता, अवसर उनके हाथ से निकल जाता है। कठिन परिश्रम का ही दूसरा नाम भाग्य है । प्रकृति को ही देखिए; सारे जड़ चेतन अपने काम में लगे रहते हैं, चींटी को पलभर चैन नहीं, मधुमक्खी जाने कितनी लंबी यात्रा कर बूँद- बूँद मधु जुटाती है। मुर्गे को सुबह बांग लगानी होती है,फिर मनुष्य को बुद्धि और विवेक मिला है वह सिर्फ सफलता की कामना करता क्यों बैठा रहे?

विश्व में जो देश आगे बढ़े हैं उनकी सफलता का रहस्य कठिन परिश्रम ही है।जापान को दूसरे विश्वयुद्ध में मिट्टी में मिला दिया गया था । उसकी अर्थव्यवस्था छिन्न-भिन्न हो गई थी| लेकिन दिन-रात परिश्रम करके आज वह विश्व का प्रमुख औद्योगिक और विकसित देश बन गया है । चीन भी अपने परिश्रम के बल पर आगे बढ़ा है । जर्मनी ने भी युद्ध की विभीषिका झेली पर परिश्रम के बल पर ही संभल गया। परिश्रम का महत्व वे जानते हैं जो स्वयं अपने बल पर आगे बढ़े हैं । संसार के इतिहास में अनेक चमकते सितारे केवल परिश्रम के ही प्रमाण हैं ।

हमारे पूर्व राष्ट्रपति श्री अब्दुल कलाम परिश्रम औरमनोबल से ही देश के सर्वोच्च पद पर आसीन हुए उनका कहना था- "भाग्य के भरोसे बैठने वाले को उतना ही मिलता है जितना मेहनत करने वाले छोड़ देते हैं"। हमारे बड़े-बड़े धन कुबेर व्यापारी टाटा, बिरला, अंबानी यह सब परिश्रम के ही उदाहरण है| निरंतर परिश्रम और दृढ़ संकल्प हमारे लक्ष्य को हमारे करीब लाता है । गरीब परिश्रम करके अमीर हो जाता है और अमीर शिथिल बनकर असफल हो जाता है।

भारतीय कृषक के परिश्रम का ही फल है कि देश में हरित क्रांति हुई। अमेरिका के सड़े गेहूँ से पेट भरने वाला भारत आज मजबूरी नहीं, बल्कि मजबूती से खड़ा है तो इसके पीछे इसके पीछे कठोर परिश्रम और धैर्य ही है । हमारे कारखाने दिन रात उत्पादन कर रहे हैं, विकासशील देशों में पिछड़े माने जाने वाले हम भारतवासी आज विकसित देशों से प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं । अगर हम कहीं पिछड़े हैं तो उसका कारण परिश्रम का अभाव ही होगा। परिश्रम के बिना जीवन में कुछ नहीं मिलता | किसी ने सही कहा है- सकल पदारथ है जग माहीं, कर्महीन नर पावत नाहीं|

यदि विद्यार्थी जीवन से ही परिश्रम की आदत पड़ जाएगी तो हम जीवन में कभी असफल नहीं हो सकते । विद्यार्थी जीवन तो परिश्रम की पहली पाठशाला है तो न सिर्फ हमारी शिक्षा बल्कि हमारा भविष्य भी सुरक्षित और मजबूत हो जाता है।

(I) **उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक होगा** –

(क) भाग्य बलवान होता है (ख) आलसी जीवन

(ग) परिश्रम का महत्व (घ) इनमेंसे कोई नहीं

(II) **जीवन में सफलता पाने का सबसे बड़ा माध्यम क्याहै?**

(क) पैसा (ख) विद्वत्ता

(ग)चालाकी (घ) पुरुषार्थ

(III) **जापान, जर्मनी,चीन जैसे देश विपरीत परिस्थितियों से बाहरकैसे निकले?**

(क) युद्ध से (ख) व्यापार से

(ग) विदेशनीति से (घ) परिश्रम से

(IV) **हमारे लक्ष्य को हमारे करीब कौन लाता है?**

(क) परिश्रम और दृढसंकल्प (ख) पैसा और शिक्षा

(ग) सिर्फपैसा (घ) राजनीति

(V) **आज हमारा देश बड़े-बड़े देशों के सामने किस रूपमें खड़ा है?**

(क) याचक के रूप में (ख) प्रतिस्पर्धी के रूप में

(ग) शत्रु के रूप में (घ) इनमें से कोईनहीं

(VI) **परिश्रम की पहली पाठशाला कहाँ मिलती है?**

(क) जन्म से (ख) घर में

(ग) विद्यार्थी जीवन में (घ) नौकरी करने पर

(VII) **हमारे किसानों के परिश्रम से देश में कौन सीक्रांति आयी?**

(क) हरित क्रांति (ख) श्वेत क्रांति

(ग)लाल क्रांति (घ) सभी सही हैं

(VIII) **निम्नलिखित में से कौन सी पंक्ति पुरुषार्थ या परिश्रम के महत्त्व पर सटीक बैठती है?**

(क) करमगति टारे नाहीं टरे (ख) पुरुष बली नहीं होता है समय होत बलवान

(ग) सबके दाता राम (घ) सकल पदारथ है जग माहीं, कर्महीन नर पावत नाहीं

(IX) **इनमें से कौन सा शब्द 'विभीषिका' का समानार्थीहोगा**-

(क) दुष्प्रभाव (ख) त्रासदी

(ग) हानि (घ)कोई नहीं

(X) **'परिश्रम' शब्द में उपसर्ग है-**

(क) पर (ख) परा

(ग) परि (घ)परी

अथवा

स्त्रियों के पास एक महान शक्ति सोई हुई पड़ी है | दुनिया की आधी से बड़ी ताकत उनके पास है | आधी से बड़ी ताकत इसलिए कि स्त्रियाँ आधी तो हैं ही दुनिया में , आधी बड़ी इसलिए कि बच्चे – बच्चियाँ उनकी छाया में पलते हैं और वे जैसा चाहें उन बच्चे और बच्चियों को परिवर्तित कर सकती हैं | पुरुषों के हाथ में कितनी ही ताकत हो , लेकिन पुरुष एक दिन स्त्री की गोद में होता है वहीं से वह अपनी यात्रा शुरु करता है |

एक बार स्त्री की पूरी शक्ति जागृत हो जाये और वे निर्णय कर लें कि किस प्रेम की दुनिया को निर्मित करेंगी जहाँ युद्ध नहीं होंगे , जहाँ हिंसा नहीं होगी , जहाँ राजनीति नहीं होगी, जहाँ राजनीतिज्ञ नहीं होंगे, जहाँ जीवन में कोई बीमारियाँ नहीं होंगी |

जहाँ भी प्रेम है, जहाँ भी करुणा है, जहाँ दया है वहाँ स्त्री मौजूद है | स्त्री के पास आधी से भी ज्यादा बड़ी ताकत है और वह पाँच हजार वर्षों से बिल्कुल सोई पड़ी है | नारी की शक्ति का उपयोग नहीं हो सका है | भविष्य में वह उपयोग हो सकता है | उपयोग होने का एक सूत्र यही है कि स्त्री यह तय कर ले कि उन्हें पुरुषों जैसा नहीं हो जाना है |

1- इस अनुच्छेद का उचित शीर्षक दीजिए -

(क) स्त्री – स्वभाव (ख) स्त्री – जागरण

(ग) स्त्री की महत्ता (घ) स्त्री – स्वभाव का जागरण

2- स्त्रियों की शक्ति को सुप्त क्यों कहा गया है ?

(क) वे अपने मूल स्वभाव को जान नहीं सकी |

(ख) वे अपने मूल स्वभाव को जान कर उस पर चल नहीं सकी

(ग.) वे स्वयं को पुरुष जैसा समझती हैं |

(घ) वे स्वयं को पुरुष से हीन समझती हैं |

3- स्त्रियों में पुरुषों को बदलने की ताकत है , क्योंकि –

(क.) स्त्रियाँ अधिक शक्तिशाली हैं | (ख) सभी पुरुष स्त्रियों की गोद में पलते–बढ़ते हैं|

(ग) स्त्रियों में सृजन की ताकत है | (घ) पुरुष स्त्रियों के बिना नहीं रह सकता |

4- स्त्री में कौन-से गुण प्रबल हैं ?

(क.) संघर्ष और साहस (ख) नैतिकता और समझदारी

(ग.) प्रेम और करुणा (घ.) शांति और उन्नति

5- "मैं सोचता हूँ , स्त्रियों के पास एक महान शक्ति सोई हुई पड़ी है | वाक्य का प्रकार बताइए -

(क) सरल वाक्य (ख) मिश्र वाक्य

(ग) संयुक्त वाक्य (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं |

6- दुनिया की आधी से बड़ी ताकत किनके पास है?

(क) पुरुषों के पास (ख) स्त्रियों के पास

(ग) बच्चों के पास (घ) वृद्धों के पास

7- स्त्री कितने हजार वर्षों से सोई हुई है ?

(क) चार हजार वर्षों से (ख) पांच हजार वर्षों से

(ग) छह हजार वर्षों से (घ) सात हजार वर्षों से

8- गद्यांश के आधार पर बताइए कि स्त्री की मौजूदगी कहाँ-कहाँ है ?

(क) जहाँ प्रेम है (ख) जहाँ करुणा है

(ग) जहाँ दया है (घ) उपरोक्त सभी

9- गद्यांश के आधार पर बताइए कि किसकी शक्ति का अभी तक कोई उपयोग नहीं हो सका है?

(क) पुरुष की (ख) नारी की

(ग) देश की (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

10- स्त्री – पुरुष में कौन सा समास है ?

(क) बहुव्रीहि समास (ख) द्विगु समास

(ग) द्वंद्व समास (घ) अव्ययीभाव समास

प्र. 2- **किसी एक काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए** – (1X5=5)

नवीन कंठ दो कि मैं नवीन गा सकूं,
स्वतंत्र देश की नवीन आरती सजा सकूं।
नवीन दृष्टि का नया विधान आज हो रहा,
नवीन आसमान में विहान आज हो रहा,
खुली दसों दिशाएं खुले कपाट ज्योति द्वार के-
विमुक्त राष्ट्र सूर्य भासमान आज हो रहा ।
युगांत की व्यथा लिए अतीत आज रो रहा।
दिगंत में वसंत का भविष्य बीज बो रहा ,
कुलीन जो उसे नहीं गुमान या गरूर है ,
समर्थ शक्ति पूर्ण जो किसान या मजूर है।
भविष्य द्वार मुक्त से स्वतंत्र भाव से चलो,
मनुष्य बन मनुष्य से गले मिले चले चलो ,
समान भाव के प्रकाशवान सूर्य के तले
समान रूप गंध फूल फूल से खिले चलो।
सुदीर्घ क्रांति झेल खेल की ज्वलंत आग से
स्वदेश बल संजो रहा कड़ी थकान खो रहा।
प्रबुद्ध राष्ट्र की नवीन वंदना सुना सकूं
नवीन बीन दो कि मैं अगीत गान गा सकूं
नए समाज के लिए नवीन नींव पड़ चुकी
नए मकान के लिए नवीन ईंट गढ़ चुकी
सभी कुटुंब एक कौन पास कौन दूर है
नए समाज का हर एक व्यक्ति एक नूर है।

1. **कवि नई आवाज की आवश्यकता क्यों महसूस कर रहा है?**
   (क) ताकि वह स्वतंत्र देश के लिए नए गीत गा सके
   (ख) ताकि वह नहीं आरती सजा सके
   (ग) ताकि वह लोगों के अंदर नहीं जागरूकता ला सके
   (घ) उपर्युक्तसभी
2. **नए समाज का हर एक व्यक्ति एक नूर है – पंक्ति में नूर का अर्थ बताइए** |
   (क) नूरमहल है (ख) हीरा है
   (ग) चंद्रमा है (घ) प्रकाश के गुणों से युक्त है
3. **कवि मनुष्य को क्या परामर्श देता है ?**
   (क) आजादी के बाद हमें मिलकर आगे बढ़ना है
   (ख) सूर्य व फूलों के समान समानता का भाव अपनाना है
   (ग) एक नए समाज की रचना करनी है
   (घ) उपयुक्त सभी
4. **कवि के अनुसार कुलीन की क्या विशेषता है?**
   (क)जो घमंड नहीं दिखाता है (ख) जो धनी हो
   (ग) जो देश की आजादी में योगदान दें (ग) इनमें से कोई नहीं

5. **मनुष्य बन मनुष्य से गले मिलो चले चलो- पंक्ति का अर्थ है**

(क) आगे बढ़ना (ख) गले मिलना

(ग) समाज को आगे बढ़ाना (घ) मिलकर देश की उन्नति के विषय में सोचना

अथवा

विचार लो कि मर्त्य हो न मृत्यु से डरो कभी
मरो परन्तु यों मरो याद जो करे सभी |
हुई न यों सु- मृत्यु तो वृथा मरे , वृथा जिए
मरा नहीं वही कि जो जिया न आप के लिए
यही पशु- प्रवृति है कि आप-आप ही चरे
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे |
उसी उदार की कथा सरस्वती बखानती
उसी उदार से धरा कृतार्थ भाव मानती |
उसी उदार कि सदा सजीव कीर्ति कूजती
तथा उसी उदार को समस्त सृष्टि पूजती
अखंड आत्म भाव जो असीम विश्व में भरे
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे |

(i) 'मर्त्य' का प्रयोग कवि ने किसके लिए किया है ?

(क) देवता (ख) मछली

(ग) मनुष्य (घ) असुर

(ii) 'सु-मृत्यु' की प्रमुख विशेषता क्या है ?

(क) मरने के बाद लोग याद करते हैं (ख) घर में मृत्यु हो

(ग) युद्धभूमि में मृत्यु हो (ग) रोग से मृत्यु हो

(iii) पशु - प्रवृत्ति क्या है ?

(क) चारा खाना (ख) केवल अपना स्वार्थ साधना

(ग) सबकी भलाई के बारे में सोचना (घ) जंगल में रहना

(iv सरस्वती किसकी कथा बखानती है ?

(क) जो मानव दूसरों के लिए अपनी जान दे दे (ख) जो विजयी हो

(ग) जो साहसी हो (घ) जो अपनी सुरक्षा हेतु जान दे दे

(v) 'उसी उदार की सदा सजीव कीर्ति कूजती' में कौनसा अलंकार है ?

(क) मानवीकरण (ख) उत्प्रेक्षा

(ग) यमक (घ) अनुप्रास

खण्ड- ख

प्र- 03. निम्नलिखित में से किन्ही पांच प्रश्नों के उत्तर के लिए सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए 1x5=5

i) निम्नलिखित में से कौन सी बातें रेडियों केलिये समाचार लेखन की बुनियादी बातें हैं -

क) साफ-सुधरी और टाइप्ड कॉपी ख)डेडलाइन, संदर्भ और संक्षिप्ताक्षरों का प्रयोग
ग) क और ख दोनों घ) कोई भी नहीं

ii) उल्टा पिरामिड शैली में समाचार के सबसे महत्वपूर्ण तथ्य को कहां लिखा जाता है?
क) सबसे पहले ख) बीच में
ग) आखिर में घ) कहीं भी

iii) वह जो समाचार के चित्र नहीं आने तक दर्शकों को रिपोर्टर से मिली जानकारी के आधार पर घटना से संबंधित सूचना देता है, कहलता है-
क) विजुअल एंकर-पैकेज ख) एंकर-पैकेज
ग) बाइट एंकर घ) ड्राई एंकर

iv) डेडलाइन से क्या अभिप्राय है ?
क) सम्पादन।
ख) काम को ख़त्म करना।
ग) समाचार माध्यमों में किसी समाचार को प्रसारित या प्रकाशित करने के लिए पहुँचने की आख़िरी सीमा।
घ) इनमें से कोई नहीं।

v) निम्नलिखित में से कौन सा अखबार प्रिंट रूप मेंन होकर सिर्फ इंटरनेट पर उपलब्ध है?
क) अमर उजाला ख) हिंदुस्तान
ग) भास्कर घ) प्रभासाक्षी

vi) 'एंकर बाइट' में बाइट का क्या अर्थ है?
क) मेघा बाइट ख) कीड़े का काटना
ग) एंकर की आवाज घ) बाइट यानी कथन

खंड – ग

प्र- 04. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प छाँटकर लिखिए: 1x5=5

सोचिए
बताइए
आपको अपाहिज होकर कैसा लगता है
कैसा
यानि कैसा लगता है
(हम खुद इशारे से बताएँगे कि क्या ऐसा ?)
सोचिए
बताइए थोड़ी कोशिश करिए
(यह अवसर खो देंगे ?)
आप जानते है कि कार्यक्रम रोचक बनाने के वास्ते
हम पूछ – पूछकर उसको रूला देंगे
इंतजार करते हैं आप भी उसके रो पड़ने का
करते हैं ?
(यह प्रश्न पूछा नहीं जाएगा

i) दूरदर्शन पर अपाहिज को किस लिए रूला दिया जाता है ?

(क) अपाहिज के प्रति लोगों को सहानुभूति दिखाने के लिए
(ख) कार्यक्रम की रोचकता के लिए
(ग) अपाहिज को परदे के माध्यम से प्रसिद्धि दिलाने हेतु
(घ) उपर्युक्त सभी |

ii) अपाहिज को कौन सा प्रश्न नहीं पूछा जाएगा ?
(क) कि आप अपाहिज क्यों हैं ?
(ख) कि क्या आप अपाहिज हैं ?
(ग) कि क्या दर्शक भी उनके रोने का इंतजार करते हैं ?
(घ) कि आपको अपाहिज होकर कैसा लगता है ?

iii) 'यह अवसर खो देंगे ?' में निहित भाव है –
(क) अपाहिज के लिए प्रसिद्ध होने का अवसर है |
(ख) उसे अपनी पीड़ा जाहिर करने का अवसर मिला है |
(ग) दूरदर्शन पर आकर लोगों से संवाद करने का अवसर मिला है |
(घ) दूरदर्शन पर उसकी आत्मा को दर्शकों के सामने खोलने का प्रयास किया जाता है |

iv) काव्यांश में दूरदर्शन के कार्यक्रम संचालकों पर कौन सा व्यंग्य नहीं किया है ?
(क) संचालकों का संवेदनारहित व्यवहार
(ख) कार्यक्रमों को व्यावसायिक बनाना
(ग) संचालकों का स्वयं को शक्तिशाली मानना |
घ) इनमें से कोई नहीं

v) काव्यांश के कवि कौन है?
(क) कुँवर नारायण ख) रघुवीर सहाय
(ग) गजानन माधव मुक्तिबोध घ) शमशेर बहादुर सिंह

<u>प्र- 05.</u> निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए : 1x5=5

बाजार में एक जादू है | वह जादू आंख की राह काम करता है | वह रूप का जादू है पर जैसे चुंबक का जादू लोहे पर ही चलता है , वैसे ही इस जादू की भी मर्यादा है | जेब भरी हो और मन खाली हो , ऐसी हालत में जादू का असर ख़ूब होता है | जेब खाली पर मन भरा न हो , तो भी जादू चल जाएगा | मन ख़ाली है तो बाज़ार की अनेकानेक चीजों का निमंत्रण उस तक पहुँच जाएगा | कहीं हुई उस वक्त जेब भरी , तब तो फिर वह किसकी मानने वाला है | मालूम होता है यह भी लूँ , वह भी लूँ | सभी सामान ज़रूरी और आराम को बढ़ाने वाला मालूम होता है | पर यह सब जादू का असर है |

i) प्रस्तुत गद्यांश के रचियता कौन है ?
(क) धरमवीर भारती (ख) जैनेन्द्र कुमार
(ग) महादेवी वर्मा (घ) फणीश्वर नाथ रेणु

ii) गद्यांश के अनुसार किसमें जादू है ?
(क) बाजार में (ख) पुस्तकों में
(ग) मैदान में (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

iii) गद्यांश के आधार पर लिखिए कि बाजार के जादू का असर कब होता है` ?
(क) जेब भरी हो और मन खाली हो
(ख) जेब खाली पर मन भरा न हो
(ग) दोनों सही है

(घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

iv) बाजार का जादू किसकी राह काम करता है ?

(क) कान की राह (ख) आंख की राह

(ग) नाक की राह (घ) उपरोक्त सभी

v) बाजार का जादू जब चढ़ता है तो मनुष्य के मन की कैसी दशा होती है ?

(क) तब वह किसी की नहीं मानता |

(ख) वह सब कुछ खरीद लेना चाहता है |

(ग) तब उसे सभी सामान ज़रूरी और आराम को बढ़ाने वाला लगता है

(घ) उपर्युक्त सभी

प्र- 06. पाठ्यपुस्तक के पठित पाठों पर आधारित प्रश्नों में से किन्ही पांच प्रश्नों में से उचित विकल्पों में से दीजिए (1x5=5)

i) कविता के पंख लगा उड़ने के माने 'का क्या तात्पर्य है ?

(क) व्यर्थ लिखना (ख) शब्द-अर्थ में विसंगति

(ग) कल्पना करना (घ) स्पष्ट लेखन

ii) चिड़िया के परों में चंचलता किस कारण आ जाती है ?

(क) नीड़ के नज़दीक पहुँच जाने के कारण

(ख) बच्चों के प्रति ममता के कारण

(ग) शिकारी के डर के कारण

(घ अकारण ही

iii) भक्तिन और लेखिका के पारस्परिक संबंधों को सेवक-स्वामी संबंध क्यों नहीं कहा जा सकता?

(क) क्योंकि भक्तिन सेवक का काम नहीं करती थी

(ख) क्योंकि महादेवी ने भक्तिन को कभी सेवक नहीं माना

(ग) क्योंकि भक्तिन स्वतंत्र व्यक्तित्व की थी

(घ) क्योंकि वे दोनों एक दूसरे को नहीं जानते थे

iv) कैमरे में बंद अपाहिज कविता में मीडिया के किस भाव का पता चलता है?

(क)मदद की भावना (ख) संवेदनशीलता

(ग) संवेदनहीनता (घ) सामाजिक कार्य की भावना

v) गगरी फूटी बैल पियासा 'के माध्यम से लेखक ने आज के समाज की किस समस्या को दर्शाया है?

(क) भ्रष्ट्राचार (ख) दहेज प्रथा

(ग) गरीबी (घ) आतंकवाद

vi) कमज़ोर इच्छा-शक्ति वाले लोग बाजार के जादू से मुक्त नहीं हो सकते | लेखक ने ऐसा क्यों कहा है?

(क) उन्हें दुकानदार आसानी से अपने ज़ाल में फँसा सकतेहैं |

(ख) वे अनिश्चितता के शिकार होते हैं |

(ग) ऐसे लोग अपने मन पर नियंत्रण नहीं रख पते हैं, अतः आसानी से शिकार बन जाते हैं|

(घ) उपर्युक्त सभी का।

<u>प्र- 07.</u> निम्नलिखित प्रश्नों के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए | 1x5=5

i) सिल्वर वैडिंग कहानी का मुख्य पात्र कौन है ?

(क) किशनदा (ख) यशोधर पंत

(ग) भूषण (घ) इनमें से कोई नहीं

ii) यशोधर बाबू के बच्चों की कौन सी बात प्रशंसनीय नहीं है ?

(क)महत्वाकांक्षी और प्रगतिशील होना

(ख) मानवीय संबंधों की गरिमा और संस्कारों में रूचि न लेना

(ग) जीवन में उन्नति करना

(घ) सामर्थ्य के अनुसार घर में आधुनिक सुविधाएँ जुटाना

iii) यशोधर बाबू की पत्नी समय के साथ ढल सकने में सफल होती है लेकिन यशोधर बाबू असफल रहते हैं ऐसा क्यों ? सटीक विकल्प का चुनाव कीजिए -

(क) पीढ़ी के अन्तराल के कारण |

(ख) पत्नी बच्चों से अधिक प्रेम करती थी |

(ग) किशनदा उन्हें भड़काते थे |

(घ) वे परिवर्तन को सहजता से स्वीकार नहीं कर पाते थे |

iv) आप " सिल्वर वैडिंग ' कहानी की मूल संवेदना किसे कहेंगे / कहेंगी ?

(क) पाश्चात्य संस्कृति का प्रभाव (ख) पीढ़ी का अंतराल

(ग) हाशिए पर धकेले जाते मानवीय मूल्य (घ) उपरोक्त सभी

v) सिल्वर वेडिंग कहानी की मूल संवेदना पीढ़ी का अंतराल है, क्योंकि-

(क) पश्चिमी अंधानुकरण के कारण मानवीय मूल्य समाप्त होते जा रहे हैं।

(ख) पारिवारिक सम्बन्धों में आत्मीयता की कमी आ रही है।

(ग) नई पीढ़ी पुरानी पीढ़ी को महत्त्व देती आ रही है।

(घ) उपरोक्त में कोई नहीं।

vi) 'जूझ' कहानी में आनंदा खेती करना क्यों नहीं चाहता था ?

(क) वह इस सत्य को जान चुका था कि खेती से जीवनभर कुछ हाथ नहीं आएगा।

(ख) वह अपने पिता की बात नहीं मानना चाहता है।

(ग) वह अत्यधिक परिश्रम नहीं करना चाहता है।

(घ) वह खेती को तुच्छ समझता है।

उत्तर कुंजी - प्रतिदर्श प्रश्नपत्र- 1

केन्द्रीय विद्यालय संगठन, एरणाकुलम संभाग
कक्षा – XII, हिन्दी आधार (302

प्रश्न 1 : अपठित गद्यांश 1

(I) (ग) परिश्रम का महत्व
(II)(घ) पुरुषार्थ
(III) (घ) परिश्रम से
(IV) (क) परिश्रम और दृढसंकल्प
(V)(ख) प्रतिस्पर्धी के रूप में
(VI) (ग) विद्यार्थी जीवन में
(VII) (क) हरित क्रांति
(VIII) (घ) सकल पदारथ है जग माहीं, कर्महीन नर पावत नाहीं
(IX) (ख) त्रासदी
(X) (ग) परि

अथवा

अपठित गद्यांश 2

3. *(ग) स्त्री की महत्ता*
4. *(ख) वे अपने मूल स्वभाव को जान कर उस पर चल नहीं सकी*
5. *(ख) सभी पुरुष स्त्रियों की गोद में पलते–बढ़ते हैं|*
6. *(ग.) प्रेम और करुणा*
7. *(ख) मिश्र वाक्य*
8. *(ख) स्त्रियों के पास*
9. *(ख) पांच हजार वर्षों से*
10. *(घ) उपरोक्त सभी*
11. *(ख) नारी की*
12. *(ग) द्वंद्व समास*

प्रश्न 2 : अपठित पद्यांश 1

1. *(क) ताकि वह स्वतंत्र देश के लिए नए गीत गा सके*
2. *(घ) प्रकाश के गुणों से युक्त है*
3. *(क) आजादी के बाद हमें मिलकर आगे बढ़ना है*
4. *(क) जो घमंड नहीं दिखाता है*
5. *(घ) मिलकर देश की उन्नति के विषय में सोचना*

अथवा

अपठित पद्यांश 2

1. *(ग) मनुष्य*
2. *क) मरने के बाद लोग याद करते हैं*
3. *(ख) केवल अपना स्वार्थ साधना*
4. *(क) जो मानव दूसरों के लिए अपनी जान दे दे*
5. *(घ) अनुप्रास*

प्रश्न 3 : *1. क) साफ-सुधरी और टाइप्ड कॉपी*
2. क) सबसे पहले
3. घ) ड्राई एंकर
4. ग) समाचार माध्यमों में किसी समाचार को प्रसारित या प्रकाशित करने के लिए पहुँचने की आख़िरी सीमा।
5. घ) प्रभासाक्षी
6. घ) बाइट यानी कथन

प्रश्न 4 *i) ख) कार्यक्रम की रोचकता के लिए*
ii) ग) कि क्या दर्शक भी उनके रोने का इंतजार करते हैं?
iii) ख) उसे अपनी पीड़ा जाहिर करने का अवसर मिला है।
iv) क) संचालकों का संवेदनारहित व्यवहार
v) ख) रघुवीर सहाय

प्रश्न 5 *i) (ख) जैनेन्द्र कुमार*
ii) (क) बाजार में
iii) (ग) दोनों सही है
iv) (ख) आंख की राह
v) (ग) तब उसे सभी सामान ज़रूरी और आराम को बढ़ाने वाला लगता है

प्रश्न 6 *i) (ग) कल्पना करना*
ii) (ख) बच्चों के प्रति ममता के कारण
iii) ((ख) क्योंकि महादेवी ने भक्तिन को कभी सेवक नहीं माना
iv) (ग) संवेदनहीनता
v) (ग) ऐसे लोग अपने मन पर नियंत्रण नहीं रख पते हैं, अतः आसानी से शिकार बन जाते हैं।

प्रश्न 7 *i) (ख) यशोधर पंत*
ii) (ख) मानवीय संबंधों की गरिमा और संस्कारों में रूचि न लेना
iii) (घ) वे परिवर्तन को सहजता से स्वीकार नहीं कर पाते थे।
iv) (ख) पीढ़ी का अंतराल
v) (क) पश्चिमी अंधानुकरण के कारण मानवीय मूल्य समाप्त होते जा रहे हैं।
vi) (क) वह इस सत्य को जान चुका था कि खेती से जीवनभर कुछ हाथ नहीं आएगा।

प्रतिदर्श प्रश्नपत्र- 2
केन्द्रीय विद्यालय संगठन, एरणाकुलम संभाग
कक्षा – XII, हिन्दी आधार (302)
प्रथम सत्र परीक्षा –2021-22

निर्धारित अंक – 40 **अधिकतम अवधि: 1½ घंटे**

सामान्य निर्देश:

- इस प्रश्न-पत्र के तीन खण्ड हैं- खंड-क, खंड- ख, खंड- ग ।
- खंड 'क' के 30 प्रश्नों में दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए केवल 15 प्रश्नों के उत्तर देने हैं।
- खंड 'ख' के 06 प्रश्नों में से केवल 05 प्रश्नों के उत्तर देने हैं।
- खंड 'ग' के 22 प्रश्नों में दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए केवल 20 प्रश्नों के उत्तर देने हैं।
- सावधानीपूर्वक उचित विकल्प का चयन कीजिए।

	अपठित बोध (अंक-15)	**अंक**
प्रश्न 1-	**निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए :-** तेरहवीं सदी तक धर्म के क्षेत्र में बड़ी अस्तव्यस्तता आ गई थी| जनता में सिद्धों और योगियों आदि द्वारा प्रचलित अंधविश्वास फ़ैल रहे थे, शास्त्रज्ञान-संपन्न वर्ग में भी रूढ़ियों और आडंबरों की प्रधानता हो चली थी| मायावाद के प्रभाव से लोकविमुखता और निष्क्रियता के भाव समाज में पनपने लगे थे| ऐसे समय में भक्ति आंदोलन के रूप में ऐसा भारतव्यापी विशाल सांस्कृतिक आंदोलन उठा जिसने समाज में उत्कर्ष सामाजिक और वैयक्तिक मूल्यों की प्रतिष्ठा की| कृष्ण का मधुर रूप स्वीकृत हुआ| इस प्रकार उत्तर भारत में विष्णु के राम एवं कृष्ण अवतारों की प्रतिष्ठा हुई| इस प्रकार इन विभिन्न मतों का आधार लेकर हिंदी में निर्गुण और सगुण नाम से भक्तिकाव्य की दो शाखाएँ साथ-साथ चली| निर्गुणमत में दो उपविभाग हुए –ज्ञानाश्रयी और प्रेमाश्रयी| पहले के प्रतिनिधि कबीर और दूसरे के जायसी हैं| सगुणमत भी दो उपधाराओं में प्रवाहित हुआ- रामभक्ति और कृष्णभक्ति| पहले प्रतिनिधि तुलसी हैं और दूसरे के सूरदास| ज्ञानाश्रयी शाखा के प्रमुख कवि कबीर पर तात्कालीन विभिन्न धार्मिक प्रवृत्तियों और दार्शनिक मतों का सम्मिलित प्रभाव है| उनकी रचनाओं में धर्मसुधारक और समाजसुधारक का रूप विशेष प्रखर है| उन्होंने आचरण की शुद्धता पर बल दिया| बाह्याडंबरों, रूढ़ियों और अंधविश्वासों पर उन्होंने तीव्र कुठाराघात किया| प्रेमाश्रयी काव्यधारा के सर्वप्रमुख कवि जायसी हैं| पंडित हजारीप्रसाद द्विवेदी के अनुसार भक्ति आंदोलन भारतीय चिंता-धारा का स्वाभाविक विकास है| आज की दृष्टि से इस संपूर्ण भक्तिकाव्य का महत्व उसकी धार्मिकता से अधिक लोकजीवनगत मानवीय अनुभूतियों और भावों के कारण है| इसी विचार से इस काल को जॉर्ज ग्रियर्सन ने स्वर्णकाल, श्यामसुंदरदास ने स्वर्णयुग, आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने भक्तिकाल एवं हजारीप्रसाद द्विवेदी ने लोक जागरण काल कहा है| हिन्दी भाषा साहित्य के श्रेष्ठ कवि और उत्तम रचनाएँ इसी काल में प्राप्त होती हैं| इसे ही हिन्दी साहित्य का श्रेष्ठ युग माना जाता है| दक्षिण में आलवार बंधु नाम से कई प्रख्यात भक्त हुए हैं| इनमें से कई तथाकथित नीची जातियों के भी थे| वे बहुत पढ़े-	

	लिखे नहीं थे, परन्तु अनुभवी थे|	
	निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए -	
(I)	**तेरहवीं सदी में सिद्धों और योगियों द्वारा जनता के बीच क्या फैलाया जा रहा था?** (i) शास्त्रज्ञान (ii) भक्तिभाव (iii) अंधविश्वास (iv) उपर्युक्त सभी	**1**
(II)	**तेरहवीं सदी के समाज में लोकविमुखता एवं निष्क्रियता के भाव किस के प्रभाव से फ़ैल रहे थे ?** (i) समाजशास्त्रियों के (ii) मायावाद के (iii) सिद्धों और योगियों के (iv) शास्त्रज्ञों के	**1**
(III)	**भक्ति आंदोलन के परिणामस्वरूप समाज में क्या परिवर्तन आए ?** I. सामाजिक मूल्यों की प्रतिष्ठा हुई II. वैयक्तिक मूल्यों की प्रतिष्ठा हुई III. राम और कृष्ण अवतारों की प्रतिष्ठा हुई IV. उपर्युक्त सभी	**1**
(IV)	**भक्तिकाल के निर्गुणमत की प्रेमाश्रयी धारा के प्रमुख कवि रहे हैं –** (i) कबीरदास (ii) सूरदास (iii) जायसी (iv) तुलसीदास	**1**
(V)	**भक्तिकाल के निर्गुणमत की ज्ञानाश्रयी धारा के प्रमुख कवि हैं –** (i) कबीरदास (ii) सूरदास (iii) जायसी (iv) तुलसीदास	**1**
(VI)	**कबीरदास ने अपनी रचनाओं में विशेषरूप से किस पर बल दिया है ?** (i) मूर्तिपूजा पर (ii) बाह्याडंबरों पर (iii) ईश्वर की भक्ति एवं आराधना पर (iv) आचरण की शुद्धता पर	**1**
(VII)	भक्ति आंदोलन को भारतीय चिंता-धारा का स्वाभाविक विकास माना है – (i) पंडित हजारीप्रसाद द्विवेदी ने (ii) आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने (iii) जॉर्ज ग्रियर्सन ने (iv) श्यामसुंदरदास ने	**1**
(VIII)	आज की दृष्टि से भक्तिकाल के संपूर्ण काव्य के महत्व का प्रमुख कारण क्या है ? I. उसकी धार्मिकता II. उसकी लोकजीवनगत मानवीय अनुभूतियाँ और भाव III. उसका बाह्याडंबरों पर तीव्र कुठाराघात IV. उसका रूढ़ियों और अंधविश्वासों पर तीव्र कुठाराघात	**1**
(IX)	आलवार बंधुओं का संबंध भारत के किस क्षेत्र से रहा है ?	**1**

	(i) उत्तर भारत से (ii) दक्षिण भारत से (iii) पूर्वी भारत से (iv) पश्चिमी भारत से	
(X)	किस काल को हिन्दी साहित्य का श्रेष्ठ युग माना जाता है ? (i) वीरगाथा काल (ii) भक्तिकाल (iii) रीतिकाल (iv) आधुनिक काल	1
	अथवा	
	निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए :- मनुष्य के जीवन में लक्ष्य का होना बहुत आवश्यक है| लक्ष्य के बिना जीवन दिशाहीन तथा व्यर्थ ही है| एकबार एक दिशाहीन युवा आगे बढ़े जा रहा था, राह में महात्मा जी की कुटिया देखकर रुक गया| महात्मा जी से पूछने लगा कि यह रास्ता कहाँ जाता है? महात्मा जी ने पूछा "तुम कहाँ जाना चाहते हो?" युवक ने कहा "मैं नहीं जानता मुझे कहाँ जाना है|" महात्मा जी ने कहा "जब तुम्हें पता ही नहीं कि तुम्हें कहाँ जाना है, तो यह रास्ता कहीं भी जाए इससे तुम्हे क्या फर्क पड़ेगा?" कहने का मतलब है कि बिना लक्ष्य के जीवन में इधर-उधर भटकते रहिये कुछ भी प्राप्त नहीं कर पाओगे| यदि कुछ करना चाहते हो तो पहले अपना एक लक्ष्य बनाओ और उस पर कार्य करो| अपनी राह स्वयं बनाओ| वास्तव में जीवन उसी का सार्थक है जिसमें परिस्थितियों को बदलने का साहस है| गाँधीजी कहते थे- कुछ न करने से अच्छा है, कुछ करना| जो कुछ करता है वही सफल-असफल होता है| हमारा लक्ष्य कुछ भी हो सकता है, क्योंकि हर इंसान की अपनी-अपनी क्षमता होती है और उसी के अनुसार वह लक्ष्य निर्धारित करता है| जैसे विद्यार्थी का लक्ष्य है अधिकाधिक ज्ञान प्राप्त करना तो नौकरी करने वाले का लक्ष्य होगा पदोन्नति प्राप्त करना| हर इंसान को अपने जीवन में बड़ा लक्ष्य बनाना चाहिए, किन्तु बड़े लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए छोटे-छोटे लक्ष्य बनाने चाहिए| जब हम छोटे लक्ष्य प्राप्त कर लेते हैं तो बड़े लक्ष्य को प्राप्त करने का हममें आत्मविश्वास आ जाता है| स्वामी विवेकानंद ने कहा है कि जीवन में एक ही लक्ष्य बनाओ और दिन-रात उसी के बारे में सोचो| स्वप्न में भी वही लक्ष्य दिखाई देना चाहिए, उसे पूरा करने की एक धुन सवार हो जानी चाहिए| बस सफलता आपको मिली ही समझो| सच तो यह कि जब आप कोई काम करते हैं तो यह जरूरी नहीं कि सफलता मिले ही लेकिन असफलता से भी घबराना नहीं चाहिए| इस बारे में स्वामी विवेकानंद जी कहते हैं कि हजार बार प्रयास करने के बाद भी यदि आप हार कर गिर पड़ें तो एक बार पुनः उठे और प्रयास करें| हमें लक्ष्य प्राप्ति तक स्वयं पर विश्वास रखना चाहिए|	
	निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए -	
(I)	किसके बिना जीवन दिशाहीन एवं व्यर्थ है ? (i) धन (ii) ऐश्वर्य (iii) लक्ष्य (iv) प्रसिद्धि	1
(II)	"तुम कहाँ जा रहे हो?" महात्मा जी द्वारा यह पूछे जाने पर युवक ने क्या कहा ?	1

	I. मैं जानता हूँ मुझे कहाँ जाना है II. मैं नहीं जानता मुझे कहाँ जाना है III. मैं अपने लक्ष्य को प्राप्त करने जा रहा हूँ IV. मैं वहीं जाऊँगा जहाँ आप बताओगे	
(III)	किसी विद्यार्थी का क्या लक्ष्य होना चाहिए ? I. परीक्षा में उत्तीर्ण होना II. किसी भी तरीके से सर्वाधिक अंक प्राप्त करना III. अनुशासित रहना IV. अधिकाधिक ज्ञान प्राप्त करना	**1**
(IV)	वास्तव में किसका जीवन सार्थक है ? I. जो आत्मनिर्भर जीवन जीना जानता है II. जिसमें कड़ा परिश्रम करने की चाह है III. जिसमें परिस्थितियों को बदलने का साहस है IV. जिसके पास धन-दौलत की कमी नहीं है	**1**
(V)	गाँधी जी के अनुसार इंसान अपना लक्ष्य निर्धारित करता है – I. अपनी क्षमता के अनुसार II. अपने ज्ञान के अनुसार III. अपने सामाजिक स्तर के अनुसार IV. अपने आर्थिक स्तर के अनुसार	**1**
(VI)	स्वामी विवेकानंद जी ने जीवन में सफल होने के लिए क्या कहा है ? I. जीवन में एक ही लक्ष्य बनाओ और दिन-रात उसी के बारे में सोचो II. स्वप्न में भी वही लक्ष्य दिखाई देना चाहिए III. उसे पूरा करने की एक धुन सवार हो जानी चाहिए IV. उपर्युक्त सभी	**1**
(VII)	हमें कब तक स्वयं पर विश्वास रखना चाहिए ? I. जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए II. जब तक दूसरों का विश्वास हम पर हो III. जब तक हम प्रयास करते रहें IV. जब तक हम थक न जाएँ	**1**
(VIII)	जब हम छोटे लक्ष्य प्राप्त कर लेते हैं तो क्या होता है ? I. हमारे जीवन का लक्ष्य पूरा हो जाता है II. बड़े लक्ष्य को प्राप्त करने का हममें आत्मविश्वास आ जाता है III. हम जीवन में सफल हो जाते हैं IV. हमे आनंद की प्राप्ति होती है	**1**
(IX)	"हजार बार प्रयास करने के बाद भी यदि आप हार कर गिर पड़ें तो एक बार पुनः उठे और प्रयास करें| हमें लक्ष्य प्राप्ति तक स्वयं पर विश्वास रखना चाहिए|" यह किसने कहा है ?	**1**

	(i) महात्मा गाँधी जी ने (ii) स्वामी विवेकानंद जी ने (iii) महात्मा जी ने (iv) सुभाषचंद्र बोस ने	
(X)	गद्यांश का उचित शीर्षक है – (i) विद्यार्थी जीवन का लक्ष्य (ii) जीवन में लक्ष्य का महत्व (iii) परिश्रम का महत्व (iv) सफलता का महत्व	1
	अपठित पद्यांश से बहुविकल्पीय प्रश्न (अंक-5)	
प्रश्न 2-	निम्नलिखित अपठित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए :- देश कागज पर बना नक्शा नहीं होता कि एक हिस्से के फट जाने पर बाकी हिस्से उसी तरह साबुत बने रहें और नदियाँ ,पर्वत, शहर ,गाँव वैसे ही अपनी जगह दिखें अनमने रहें | यदि तुम यह नहीं मानते तो मुझे तुम्हारे साथ नहीं रहना है | इस दुनिया में आदमी की जान से बड़ा कुछ भी नहीं है | न ईश्वर न ज्ञान, न चुनाव , कागज पर लिखी कोई भी इबारत फाड़ी जा सकती है | और जमीन की सात परतों के भीतर गाड़ी जा सकती है | जो विवेक खड़ा हो लाशों को टेक वह अंधा है | जो शासन चल रहा हो बंदूक की नली से हत्यारों का धंधा है | यदि तुम यह नहीं मानते तो मुझे अब एक क्षण भी तुम्हे नहीं सहना है | एक बच्चे की हत्या एक औरत की मौत एक आदमी का चिथड़ा तन	

	किसी शासन का नहीं संपूर्ण राष्ट्र का पतन है।	
	निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए -	
(I)	निम्न में से क्या सही है ? I. देश कागज पर बना नक्शा होता है II. देश कागज पर बना नक्शा मात्र नहीं होता है III. देश का नक्शा महत्वपूर्ण होता है IV. देश का नक्शा कागज मात्र होता है	**1**
(II)	काव्यांश के अनुसार अँधा कौन है ? (I) कानून (II) शासन (III) विवेक (IV) ज्ञान	**1**
(III)	काव्यांश में सबसे महत्वपूर्ण किसको माना है ? I. ईश्वर के प्रति आस्था को II. सत्ता के लिए होने वाले चुनाव को III. देश के नक्शे को IV. आदमी की जान को	1
(IV)	देश के किसी भी बेबस नागरिक की मौत को कवि ने क्या कहा है ? I. विवेक का पतन II. शासन का पतन III. बुद्धि का पतन IV. संपूर्ण राष्ट्र का पतन	1
(V)	काव्यांश में आए 'संपूर्ण' का विलोम शब्द है – (I) अपूर्ण (II) पूर्ण (III) निपुण (IV) परिपूर्ण	1
	अथवा	
	निम्नलिखित अपठित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए :-	
	पावस ऋतु थी, पर्वत प्रदेश, पल-पल परिवर्तित प्रकृति-वेश। मेखलाकर पर्वत अपार अपने सहस्त्र दृग-सुमन फाड़, अवलोक रहा है बार-बार नीचे जल में निज महाकार, -जिसके चरणों में पला ताल दर्पण सा फैला है विशाल! गिरि का गौरव गाकर झर-झर मद में नस-नस उत्तेजित कर मोती की लड़ियों-सी सुन्दर झरते हैं झाग भरे निर्झर!	

	गिरिवर के उर से उठ-उठ कर उच्चाकांक्षाओं से तरूवर है झाँक रहे नीरव नभ पर अनिमेष, अटल, कुछ चिंता पर। उड़ गया, अचानक लो, भूधर फड़का अपार वारिद के पर! रव-शेष रह गए हैं निर्झर! है टूट पड़ा भू पर अंबर! धँस गए धरा में सभय शाल! उठ रहा धुआँ, जल गया ताल! -यों जलद-यान में विचर-विचर था इंद्र खेलता इंद्रजाल पावस ऋतु थी, पर्वत प्रदेश, पल-पल परिवर्तित प्रकृति-वेश।	
	निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए -	
	इस कविता में कवि ने किसका सजीव चित्रण किया है ? I. प्राकृतिक सौंदर्य का II. पर्वतीय क्षेत्र में वर्षा ऋतु का III. मैदानी क्षेत्र में छाये बादलों का IV. पर्वतों से गिरते झरनों का	1
	सहस्त्र दृग सुमन ' से क्या तात्पर्य है ? I. हजारों पुष्पयुक्त वृक्ष II. हजारों चमकती आँखें III. हजारों पुष्प रूपी आँखें IV. हजारों आँखें रुपी फूल	1
	'दर्पण-सा फैला है विशाल' में अलंकार है I. यमक अलंकार II. पुनरुक्ति प्रकाश अलंकार III. उत्प्रेक्षा अलंकार IV. उपमा अलंकार	1
(IV)	'जलदयान' का अर्थ क्या है ? I. जल से रिक्त बादल II. जल से भरे बादल III. बादलों के ऊपर उड़ते विमान IV. बादल रुपी विमान	1
(V)	'झरने के झरझर स्वर-' में कवि ने क्या कल्पना की है ? I.मानो ये झरने पर्वत की महानता का गुणगान कर रहे हैं II.मानो झरने तालियाँ बजा रहे हों III.मानो ये झरने पर्वत को स्नान करा रहे हों IV.मानो झरने कल-कल कर बहने लगे	1

	कार्यालयी हिंदी और रचनात्मक लेखन से बहुविकल्पीय प्रश्न)अंक(5-	
प्रश्न 3-	निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए -	
	निम्न में से जनसंचार का कार्य नहीं है – (I) सूचना देना (II) मनोरंजन करना (III) नेता चुनना (IV) एजेंडा तय करना	1
II	समाचार लेखन की शैली क्या होती है ? (I) पिरामिड शैली (II) सीधा पिरामिड शैली (III) उल्टा पिरामिड शैली (IV) विवरणात्मक शैली	1
III	ऐसी पत्रकारिता जिसमें फैशन, अमीरों की पार्टियों, महफ़िलों और जानेमाने लोगों के निजी जीवन के बारे में बताया जाता है – (I) एडवोकेसी पत्रकारिता (II) पीत पत्रकारिता (III) पेजथ्री पत्रकारिता (IV) खोजी पत्रकारिता	1
IV	निम्न में से जनसंचार की विशेषता है – इसमें फ़ीडबैक तुरंत प्राप्त नहीं होता इसके संदेशों की प्रकृति सार्वजनिक होती है इसमें ढेर सारे द्वारपाल काम करते हैं उपर्युक्त सभी	1
V	निम्न में से कौनसा कार्यालयी पत्र के अंतर्गत नहीं आता है ? (I) परिपत्र (II) आवेदन पत्र (III) निमंत्रण पत्र (IV) प्रार्थना पत्र	1
	पाठ्यपुस्तक आरोह भाग-2 से बहुविकल्पीय प्रश्न (अंक-15)	
प्रश्न4-	निम्नलिखित पठित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए :- हो जाए न पथ में रात कहीं, मंजिल भी तो है दूर नहीं- यह सोच थका दिन का पंथी भी जल्दी-जल्दी चलता हैं! दिन जल्दी-जल्दी ढोलता हैं! बच्चे प्रत्याशा में होंगे, नीड़ों से झाँक रहे होंगे- यह ध्यान परों में चिड़ियों के भरता कितनी चंचलता है! दिन जल्दी-जल्दी ढलता है! मुझसे मिलने को कौन विकल? मैं होऊँ किसके हित चंचल? यह प्रश्न शिथिल करता पद को, भरता उर में विह्वलता हैं! दिन जल्दी-जल्दी ढलता है!	अंक 5
	निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए -	
I	बच्चे किस चीज की प्रत्याशा में होंगे ? माँ के द्वारा लाए जाने वाले भोजन की माँ के अपनत्व एवं प्यार की माँ की मौजूदगी में मिलने वाली सुरक्षा भावना की उपर्युक्त सभी	1

II	'दिन जल्दी-जल्दी ढलता है!' में निहित अलंकार है- (I) मानवीकरण (II) पुनरुक्तिप्रकाश (III) अनुप्रास (IV) रुपक	1
III	क्या सोचकर पंथी जल्दी-जल्दी कदम बढ़ाता है ? (I) दिन जल्दी-जल्दी ढल रहा है (II) वह मंजिल के नजदीक पहुँच चुका है (III) कहीं मंजिल पर पहुँचने से पहले रात न हो जाए (IV)उपर्युक्त सभी कारणों से	1
IV	'पंथी' का शाब्दिक अर्थ है - (I) मुसाफ़िर (II) राहगीर (III) पथिक (IV) उपर्युक्त सभी	1
V	कवि के हृदय में कैसे भाव भरे हुए हैं ? (I) चंचलता (II) शिथिलता (III) विह्वलता (IV) अस्थिरता	1
प्रश्न 5-	निम्नलिखित पठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए :- सेवक-धर्म में हनुमान जी से स्पर्द्धा करने वाली भक्तिन किसी अंजना की पुत्री न होकर एक अनामधन्या गोपालिका की कन्या है- नाम है लछमिन अर्थात लक्ष्मी। पर जैसे मेरे नाम की विशालता मेरे लिए दुर्वह है, वैसे ही लक्ष्मी की समृद्धि भक्तिन के कपाल की कुंचित रेखाओं में नहीं बँध सकी । वैसे तो जीवन में प्रायः सभी को अपने-अपने नाम का विरोधाभास लेकर जीना पड़ता है; पर भक्तिन बहुत समझदार है, क्योंकि वह अपना समृद्धिसूचक नाम किसी को बताती नहीं । केवल जब नौकरी की खोज में आई थी, तब ईमानदारी का परिचय देने के लिए उसने शेष इतिवृत्त के साथ यह भी बता दिया; पर इस प्रार्थना के साथ कि मैं कभी नाम का प्रयोग न करूँ | उपनाम रखने की प्रतिभा होती, तो मैं सबसे पहले उसका प्रयोग अपने ऊपर करती, इस तथ्य को वह देहातिन क्या जाने, इसी से जब मैंने कंठी माला देखकर उसका नया नामकरण किया तब वह भक्तिन-जैसे कवित्वहीन नाम को पाकर भी गद्गद् हो उठी| भक्तिन के जीवन का इतिवृत्त बिना जाने उसके स्वभाव को पूर्णत: क्या अंशत: समझना भी कठिन होगा| वह ऐतिहासिक झूँसी में गाँव-प्रसिद्ध एक सूरमा की एकलौती बेटी ही नहीं, विमाता की किंवदंती बन जाने वाली ममता की छाया में भी पली है| पाँच वर्ष की वय में उसे हंडिया ग्राम के एक संपन्न गोपालक की सबसे छोटी पुत्रवधू बनाकर पिता ने शास्त्र से दो पग आगे रहने की ख्याति कमाई और नौ वर्षीया युवती का गौना देकर विमाता ने, बिना माँगे पराया धन लौटने वाले महाजन का पुण्य लूटा|	अंक 5
	निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए -	
I	भक्तिन अपना वास्तविक नाम लोगों को क्यों नहीं बताती थी ? (I) उसे अपना वास्तविक नाम अच्छा नहीं लगता था (II) उसका नाम उसकी वास्तविकता से विपरीत था (III) उसे भक्तिन नाम अच्छा लगता था (IV)लेखिका ने उसे ऐसा करने को कहा था	1
II	लेखिका ने भक्तिन की तुलना हनुमान जी से की है - (I) भक्ति के संदर्भ में (II) सेवाभावना के संदर्भ में (III) आर्थिक स्थिति के संदर्भ में (IV) समझदारी के संदर्भ में	1

III	'शेष इतिवृत्त' से तात्पर्य है – (I) उसके ससुराल के बारे में (II) उसके पीहर के बारे में (III) अभी तक के अपने सम्पूर्ण जीवन के बारे (IV) अपने बचपन के बारे में	1
IV	जब नौकरी की खोज में आई थी, तब भक्तिन ने शेष इतिवृत्त के साथ अपना वास्तविक नाम भी लेखिका को बता दिया | क्यों ? (I) अपना बताने में उसे कोई झिझक नहीं थी (II) ईमानदारी का परिचय देने के लिए (III) नौकरी प्राप्त करने के लिए (IV) उपर्युक्त सभी कारणों से	1
V	गद्यांश में 'पराया धन' किसके लिए आया है ? (I) पुत्रवधू के लिए (II) पत्नी के लिए (III) बेटी के लिए (IV) स्त्री जाति के लिए	1
	पाठ्यपुस्तक आरोह भाग-2 के पठित पाठों पर बहुविकल्पीय प्रश्न (अंक-5)	
प्रश्न 6-	निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए -	
I	'बाज़ारूपन' से अभिप्राय है- (I) बाज़ार की चकाचौंध में फँसकर अनावश्यक चीजें खरीदना (II) अपनी जरूरतों को समझते हुए आवश्यक चीजें ही खरीदना (III) बाज़ार में दुकानदार द्वारा चीजों को सजाकर रखना (IV) उपर्युक्त सभी सही हैं	1
II	'कविता के बहाने' कविता में कविता की तुलना निम्न में से किससे नहीं की गई है- (I) फूल से (II) कली से (III) चिड़िया से (IV) बच्चे से	1
III	'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता में दूरदर्शन/मीडिया के किस रूप को दिखाया गया है? (I) संवेदनशील (II) संवेदनहीन (III) करुणामय (IV) दयालु	1
IV	'सहर्ष स्वीकारा है' कविता में कवि से क्या नहीं सहा जाता है ? (I) प्रियतमा से विरह की वेदना (II) प्रियतमा के प्रेम का रमणीय उजेला (III) प्रियतमा की स्मृतियों का गहन अंधकार (IV) प्रियतमा से मिलने वाली सुखद आत्मीयता	1
V	'काले मेघा पानी दे' पाठ में जीजी लेखक के हाथों से पूजा-अनुष्ठान क्यों कराती है? (I) ताकि उसका पुण्य लेखक को मिल सके (II) ताकि उसका पुण्य जीजी को मिल सके (III) ताकि उस पुण्य से समाज का भला हो सके (IV) उपर्युक्त सभी सही हैं	1
	अनुपूरक पाठ्यपुस्तक वितान भाग-2 से बहुविकल्पीय प्रश्न (अंक-5)	
प्रश्न 7-	निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए -	
I	यशोधर बाबू की चारित्रिक विशेषता नहीं है –	1

	(I) संस्कारी (II) परम्परावादी (III) आधुनिकतावादी (IV) संवेदनशील	
II	यशोधर बाबू के बेटे भूषण की चारित्रिक विशेषता नहीं है - (I) रिश्तों के प्रति संवेदनशील (II) स्वार्थी एवं आत्मकेंद्रित (III) आधुनिकतावादी (IV) दिखावे की प्रवृत्ति	1
III	यशोधर बाबू अपने कार्यालय पैदल ही आते जाते थे | क्यों ? (I) साइकिल सवार होकर जाना उनके बच्चों को अच्छा नहीं लगता था (II) स्कूटर की सवारी उन्हें निहायत बेहूदा लगती थी (III) कार लेने की उनकी हैसियत नहीं थी (IV) उपर्युक्त सभी कारणों से	1
IV	"आने दे अब उसे, मैं उसे सुनाता हूँ कि नहीं अच्छी तरह देख।" यह कथन किसने व किससे कहा ? दत्ता जी राव ने लेखक के पिता से दत्ता जी राव ने लेखक की माता से दत्ता जी राव ने लेखक से लेखक के पिता ने लेखक से	1
V	मराठी अध्यापक न.वा. सौंदलगेकर के अध्यापन से लेखक में क्या नए परिवर्तन आए? (I) वह खेत में अकेले काम करते हुए मास्टर के अभिनय, यति-गति, आरोह-अवरोह की नकल करते हुए खुले कंठ से कविता गाने लगा| (II) लेखक को अब खेतों में काम करते हुए अकेला रहना अच्छा लगने गया| (III) लेखक धीरे-धीरे मास्टरजी के बताए राग से अलग भी कविताओं को गाने लगा| (IV) उपर्युक्त सभी सही हैं|	1

प्रतिदर्श अंक योजना - 2

प्रथम सत्र परीक्षा (सत्र-2021-22)

विषय- हिंदी आधार (विषय कोड- 302) **कक्षा- बारहवीं**

निर्धारित समय– 2 घंटे **अधिकतम अंक– 40**

	अपठित बोध (अंक-15)	
प्रश्न 1-	**अपठित गद्यांश से बहुविकल्पीय प्रश्न**	**10अंक**
(I)	*III. अंधविश्वास*	***1***
(II)	*II. मायावाद के*	***1***
(III)	*IV. उपर्युक्त सभी*	***1***
(IV)	*III. जायसी*	***1***
(V)	*I. कबीरदास*	***1***
(VI)	*IV. आचरण की शुद्धता पर*	***1***
(VII)	*I. पंडित हजारीप्रसाद द्विवेदी ने*	***1***
(VIII)	*II. उसकी लोकजीवनगत मानवीय अनुभूतियाँ और भाव*	***1***
(IX)	*II. दक्षिण भारत से*	***1***
(X)	*II. भक्तिकाल*	***1***
	अथवा	
(I)	*III. लक्ष्य*	***1***
(II)	*II. मैं नहीं जानता मुझे कहाँ जाना है*	***1***
(III)	*IV. अधिकाधिक ज्ञान प्राप्त करना*	***1***
(IV)	*III. जिसमें परिस्थितियों को बदलने का साहस है*	***1***
(V)	*I. अपनी क्षमता के अनुसार*	***1***
(VI)	*IV. उपर्युक्त सभी*	***1***
(VII)	*I. जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए*	***1***
(VIII)	*II. बड़े लक्ष्य को प्राप्त करने का हममें आत्मविश्वास आ जाता है*	***1***

(IX)	*II. स्वामी विवेकानंद जी ने*	***1***
(X)	*II. जीवन में लक्ष्य का महत्व*	***1***
प्रश्न 2-	***अपठित पद्यांश से बहुविकल्पीय प्रश्न***	***अंक 5***
(I)	*II. देश कागज पर बना नक्शा मात्र नहीं होता है*	***1***
(II)	*III. विवेक*	***1***
(III)	*IV. आदमी की जान को*	***1***
(IV)	*IV. संपूर्ण राष्ट्र का पतन*	***1***
(V)	*I. अपूर्ण*	***1***
	अथवा	
(I)	*II. पर्वतीय क्षेत्र में वर्षा ऋतु का*	***1***
(II)	*III. हजारों पुष्प रूपी आँखें*	***1***
(III)	*IV. उपमा अलंकार*	***1***
(IV)	*IV. बादल रुपी विमान*	***1***
(V)	*I. मानो ये झरने पर्वत की महानता का गुणगान कर रहे हैं*	***1***
प्रश्न 3-	***कार्यालयी हिंदी और रचनात्मक लेखन से बहुविकल्पीय प्रश्न***	***अंक 5***
(I)	*III. नेता चुनना*	***1***
(II)	*III. उल्टा पिरामिड शैली*	***1***
(III)	*III. पेजथ्री पत्रकारिता*	***1***
(IV)	*IV. उपर्युक्त सभी*	***1***
(V)	*III. निमंत्रण पत्र*	***1***
प्रश्न4-	***पाठ्यपुस्तक आरोह भाग-2 से बहुविकल्पीय प्रश्न (अंक-15) पठित काव्यांश***	***अंक 5***
(I)	*IV. उपर्युक्त सभी*	***1***
(II)	*II. पुनरुक्तिप्रकाश*	***1***

(III)	*IV. उपर्युक्त सभी कारणों से*	***1***
(IV)	*IV. उपर्युक्त सभी*	***1***
(V)	*III. विह्वलता*	***1***
प्रश्न 5-	***पठित गद्यांश***	***अंक 5***
(I)	*II. उसका नाम उसकी वास्तविकता से विपरीत था*	***1***
(II)	*II. सेवाभावना के संदर्भ में*	***1***
(III)	*III. अभी तक के अपने सम्पूर्ण जीवन के बारे*	***1***
(IV)	*II. ईमानदारी का परिचय देने के लिए*	***1***
(V)	*III. बेटी के लिए*	***1***
प्रश्न 6-	***पाठ्यपुस्तक आरोह भाग-2 के पठित पाठों पर बहुविकल्पीय प्रश्न***	***अंक 5***
(I)	*I. बाज़ार की चकाचौंद में फँसकर अनावश्यक चीजें खरीदना*	***1***
(II)	*II. कली से*	***1***
(III)	*II. संवेदनहीन*	***1***
(IV)	*II. प्रियतमा के प्रेम का रमणीय उजेला*	***1***
(V)	*I. ताकि उसका पुण्य लेखक को मिल सके*	***1***
प्रश्न 7-	***अनुपूरक पाठ्यपुस्तक वितान भाग-2 के पठित पाठों पर बहुविकल्पीय प्रश्न***	***अंक 5***
(I)	*III. आधुनिकतावादी*	***1***
(II)	*I. रिश्तों के प्रति संवेदनशील*	***1***
(III)	*IV. उपर्युक्त सभी कारणों से*	***1***
(IV)	*II. दत्ता जी राव ने लेखक की माता से*	***1***
(V)	*IV. उपर्युक्त सभी सही हैं*	***1***

प्रतिदर्श प्रश्नपत्र- 3
केन्द्रीय विद्यालय संगठन, एरणाकुलम संभाग
कक्षा – XII, हिन्दी आधार (302)
प्रथम सत्र परीक्षा –2021-22

निर्धारित अंक – 40 **अधिकतम अवधि: 1½ घंटे**

निर्देश* इस प्रश्न पत्र के तीन खंड हैं।

- खंड अ मे तीस प्रश्नों में से केवल 5 प्रश्नों का ही उत्तर देना है।
- खंड स मे 21 प्रश्नों मे से केवल 20 प्रश्नों का ही उत्तर देना है।
- निर्देशो को बहुत ध्यानपूर्वक पढ़कर उनका पालन कीजिए।
- इस प्रश्न पत्र मे वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं।
- प्रत्येक प्रश्न के उत्तर मे 4 विकल्प दिए गए हैं।
- विकल्पो मे से सबसे उचित का चयन सावधानी पूर्वक कीजिए ।

	खंड – अ वस्तुपरक प्रश्न	
	अपठित गदयांश	
प्रश्न–	दिए गए अपठित गद्यांश में से किसी एक गदयांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर सही विकल्प का चयन कीजिए।	10
	मेरे विचार से सफलता प्राप्त करने के लिए जिन गुणों या वृत्तियों का होना आवश्यक है वे हैं–परिश्रम, प्रसन्नता, प्रेम व पवित्रता । हम इनमें से सर्वप्रथम वृत्ति अर्थात काम करने की लगन या परिश्रम को लेते हैं । कहा गया है कि काम ही भगवान की भक्ति है इसका अभिप्राय यह है कि जब हम काम में लीन होतें है तो अपने आस –पास की सभी वस्तुओं के बारे में भूल जातें हैं, तभी काम में हमारी लगन के कारण हमें सफलता प्राप्त होती है। यह भी आवश्यक है कि परिश्रम या काम नि:स्वार्थ भाव से अर्थात बिना फल की प्राप्ति की इच्छा से किया जाना चाहिए । गीता का सर्वप्रसिद्ध श्लोक कर्मण्येवाधिकारस्तू मा फलेषु कदाचन" इसी सत्य का द्योतक है। हम काम अथक व निर्वाध भाव से इस प्रकार करें, जिस प्रकार सरिता या नदी हर मौसम में बिना आराम किए अपने मार्ग के पत्थरों को काटती हुई चली जाती है। सूर्य भी फल की इच्छा के बगैर हर समय अपना प्रकाश फैलाता रहता है। हमें भी मन सदैव शांत रखना चाहिए। काम को ही आराम समझते हुए अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते जाना ही सफलता का पहला रहस्य है । दूसरा साधन है –प्रसन्नता । जीवन में संघर्ष , बाधाएँ आती रहती हैं, परंतु धैर्यवान व्यक्ति हमेशा प्रसन्न रहता है । हमें हर समय प्रसन्न , मुस्कराते हुए रहने की आदत डालनी चाहिए। प्रभु पर अटूट विश्वास रखते हुए बिना किसी भय ,चिंता या दु:ख के अपने काम में प्रसन्नतापूर्वक जुटे रहना तथा अपने मस्तिष्क को सदैव शांत रखना ही प्रसन्न रहने की कुंजी है। प्रसन्नता को कठिनाइयों या दु:खों की बेदी पर बलिदान करना आत्मघात के समान है।	10x1=10
1	परिश्रम का क्या अर्थ है ? क- काम करने का तरीका ख- कार्य करने की लगन	1

	ग- कार्य को निर्धारित करना घ- कार्य की योजना बनाना	
2	भक्ति की क्या विशेषता बताई गई है ? क- काम में हमारी लगन के कारण हमें सफलता प्राप्त होती है । ख- नि:स्वार्थ भाव से कार्य करना ग- मन सदैव शांत रखना घ- काम में लीन होना	1
3	कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन" से क्या तात्पर्य है ? क-लाभ को ध्यान में रखकर कार्य करना ख-लाभ का ध्यान किए बिना कार्य करना ग-बिना लाभ के कार्य नहीं करना करना घ-इनमें से कोई नहीं	1
4	सफलता प्राप्त करने के लिए कौन से गुण आवश्यक हैं? क- परिश्रम ख- प्रसन्नता ग- पवित्रता घ- सभी।	1
5	नदी और सूर्य को देखकर हमें क्या शिक्षा मिलती है? क-सदैव आगे बढ्ने की ख-परिश्रम करने की ग-निस्वार्थ भाव से मेहनत करने की घ- प्रसन्न रहने की	1
6	कार्य करने का सही तरीका क्या बताया गया है? क- मुस्कराते रहने की आदत डालनी चाहिए। ख- प्रभु पर अटूट विश्वास रखते हुए बिना किसी भय ,चिंता या दु:ख के अपने काम करना ग- हमें हर समय प्रसन्न रहना चाहिए घ- हमें भी मन सदैव शांत रखना चाहिए।	1
7	धैर्यवान व्यक्ति की क्या विशेषता बताई गई है ? क-निर्वाध भाव से कार्य करने की ख-संघर्षशील ग-प्रसन्न रहना घ-चिंता या दु:ख में रहना	1
8	आत्मघात के समान किसे माना गया है? क- मुस्कराते हुए रहने की आदत ख-खुशियों को मुसीबतों के कारण खत्म करना ग- लाभ को ध्यान में रखकर कार्य करना घ- काम को ही आराम समझते हुए अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते जाना	1

9	नि:स्वार्थ शब्द का अर्थ निम्न में से है ? क-निम्न स्वार्थ ख-स्वार्थपूर्ण ग-बिना स्वार्थ के घ-बिना कार्य के	1
10	उपर्युक्त गदयांश का उचित शीर्षक दीजिए। क- जीवन में संघर्ष ख- फल की इच्छा ग- सफलता घ- भगवान की भक्ति	1
	अथवा	
	साहित्य का जीवन के साथ गहरा संबंध होता है । साहित्यकार अपनी पैनी दृष्टि से देखता है और संवेदनशील मन से उसको अभिव्यक्त करता है। चारों ओर देखे गए सत्य और भोगे गए यथार्थ को कभी कल्पना के रंग, तो कभी ज्यों का त्यों पाठको के सामने प्रस्तुत कर देता है । साहित्यकार में सौन्दर्य को देखने और परखने की अद्‌भुत शक्ति होती है । मनोरम दृश्यों के सौन्दर्य और मुग्ध कर देने वाले स्वरों की मधुरता से वह अकेले ही आनंदित नहीं होता बल्कि वह इससे दूसरों को भी आनंदमग्न करने के लिए आतुर रहता है । साहित्यकार जब समाज को अपने मन की बात सुनाता है तो साहित्यकार और समाज का संबंध स्पष्ट दिखाई पड़ता है । समाज की रूढ़ियों और विडंबनाओं को उजागर कर वह जनमानस को जागृत करता है । उन्हें बताता है की जो कुछ पुराना है, वह सोना ही हो यह जरूरी नहीं है । हमें जकड़ने वाली पीछे धकेलने वाली रूढ़ियों से छुटकारा पाना ही होगा । इस प्रकार साहित्यकार समाज का पथ-प्रदर्शक भी है । यह भी सत्य है की अनेक रचनाएँ समाज में क्रांति का आधार भी बनी है । इसलिए साहित्य को केवल मनोरंजन की वस्तु समझना अपनी आँखों पर पट्टी बांधकर सूरज को नकारना है ।	
11	साहित्यिक अभिव्यक्ति किसका परिणाम है? क- संवेदनशील मन ,पैनी दृष्टि ख- साहित्यकार ग- गहरा संबंध घ- मनोरम दृश्य	1
12	साहित्य और जीवन के साथ कैसा संबंध होता है? क-दोनों अलग-अलग है ख-दोनों में कुछ समानता है ग-दोनों एक दूसरे से जुड़े है घ- इनमे से कोई नहीं	1
13	भोगे गए यथार्थ का क्या अर्थ है? क-दूसरों का दुख ख-अपने किसी प्रिय की पीड़ा ग- स्वयं अनुभव किया हुआ घ- साहित्यिक अनुभव	1
14	साहित्यकार में कौन सा विशेष गुण होता है ?	1

	क- साहित्य का जीवन के साथ सामंजस्य करना ख- रूढ़ियों और विडंबनाओं को उजागर करना ग- आनंदमग्न होने का गुण घ- सौन्दर्य को देखने और परखने की अद्‌भुत शक्ति	
15	साहित्यकार और समाज का स्पष्ट संबंध कब दिखाई पड़ता है ? क- समाज की रूढ़ियों और विडंबनाओं को उजागर करने पर ख- देखे गए सत्य और भोगे गए यथार्थ को प्रस्तुत करने पर ग- मनोरम दृश्यों के सौन्दर्य का वर्णन करने पर घ- समाज को अपने मन की बात सुनाने पर	1
16	अपनी आँखों पर पट्टी बांधकर सूरज को नकारना है । किस बात की ओर संकेत करता है ? क- साहित्यकार में सौन्दर्य को देखने और परखने की अद्‌भुत शक्ति ख- रूढ़ियों और विडंबनाओं को उजागर कर वह जनमानस को जागृत करना ग- साहित्य को मनोरंजन का साधन समझना घ- साहित्यकार समाज का पथ-प्रदर्शक भी है।	1
17	साहित्य का महत्वपूर्ण कार्य क्या है? क- जनमानस को जागृत करना ख- सूचना देना ग- मनोरंजन करना घ- इनमे से कोई नहीं	1
18	पथ-प्रदर्शक का क्या अर्थ है? क-मार्ग का जानकार ख-रास्ता दिखने वाला ग- साथ साथ चलने वाला घ-साहित्य की जानकारी रखने वाला	1
19	साहित्य और क्रांति के बीच क्या संबंध है ? क-साहित्य क्रांति पर आधारित है ख-बहुत सी क्रांति साहित्य पर आधारित है ग-साहित्य और क्रांति में कोई संबंध नहीं है घ-क्रांति और साहित्य दोनों सौन्दर्य से जुड़े है	1
20	उपर्युक्त गदयांश का उचित शीर्षक दीजिए। क- साहित्य और मनोरंजन ख- साहित्यकार ग- समाज घ- साहित्य और जीवन	1
प्रश्न–	**दिए गए अपठित पद्यांश में से किसी एक पदयांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर सही विकल्प का चयन कीजिए।** तुम भारत, हम भारतीय हैं, तुम माता, हम बेटे, किसकी हिम्मत है कि तुम्हें दुष्टता-दृष्टि से देखे | ओ माता, तुम एक अरब से अधिक भुजाओं वाली, सबकी रक्षा में तुम सक्षम, हो अदम्य बलशाली	5X1=5

	भाषा, वेश, प्रदेश भिन्न हैं, फिर भी भाई-भाई, भारत की साझी संस्कृति में पलते भारतवासी | सुदिनों में हम एक साथ हँसते,गाते, सोते हैं, दुर्दिन में भी साथ-साथ जागते,पौरुष धोते हैं | तुम हो शस्य-श्यामला, खेतों में तुम लहराती हो, प्रकृति प्राणमयी, साम-गानमयी, तुम न किसे भाती हो | तुम न अगर होती तो धरती वसुधा क्यों कहलाती ? गंगा कहाँ बहा करती, गीता क्यों गाई जाती ?	
21	साझी संस्कृति का क्या अर्थ है? क- अदम्य बलशाली संस्कृति ख- भाषा,वेश,प्रदेश भिन्न होते हुए भी एक होना ग- प्राचीन संस्कृति घ- अभिजात्य वर्ग की संस्कृति	1
22	भारत को अदम्य बलशाली क्यों कहा गया है? क- भिन्न भिन्न राज्य है ख- भाषा,वेश,प्रदेश भिन्न है ग- एक अरब से अधिक भुजाओं की ताकत है घ- इनमें से कोई नहीं	1
23	'तुम एक अरब से अधिक भुजाओं वाली' पंक्ति का क्या अर्थ है? क- शस्य-श्यामला ख- प्रकृति प्राणमयी ग- साझी संस्कृति घ- इनमें से कोई नहीं	1
24	सुख-दुःख के दिनों में भारतीयों का परस्पर सहयोग कैसा होता है? क-कोई सहयोग नहीं रहता ख-सभी अपना-अपना कार्य करते है ग-सब की विचारधारा भिन्न है घ-मिलजुल कर रहते है	1
25	कविता में किसका वर्णन किया गया है? क- गंगा का ख- प्रकृति का ग- भारत का घ- संस्कृति की	1
	अथवा	
	मैं कब कहता हूँ, जग मेरी दुर्धर गति के अनुकूल बने , मैं कब कहता हूँ जीवन नन्दन कानन का फूल बने?	

	काँटा कठोर है, तीखा है, इसमें उसकी मर्यादा है, मैं कब कहता हूँ वह घट कर प्रांतर का ओछा फूल बने। मैं कब कहता हूँ, मुझे युद्ध में कहीं न तीखी चोट मिले मैं कब कहता हूँ प्यार करू तो मुझे प्राप्ति की ओट मिले। मैं कब कहता हूँ विजय करू मेरा ऊंचा प्रासाद बने या पात्र जगत की श्रद्धा की मेरी धुंधली- सी याद बने। पथ मेरा रहे प्रशस्त सदा क्यों विकल करे यह चाह मुझे नेतृत्व न छिन जाए मेरा क्यों इसकी हो प्रवाह मुझे । मैं प्रस्तुत हूँ चाहे मेरी मिट्टी जनपद की धूल बने फिर उसी धूली का कण-कण भी मेरा गति रोधक शूल बने।	
26	कवि संसार के विषय में क्या चाहता है ? क- संसार उसकी गति से चले ख- संसार एक गति से चले ग- संसार अपनी गति से चले घ- संसार और उसकी गति में कोई समानता नहीं हो	1
27	इस कविता में कवि चाहता कि फूल प्रांतर का ओछा फूल बने , यह कथन क-सत्य है ख-असत्य है ग-आंशिक सत्य है घ- आंशिक असत्य है	1
28	इस कविता में कवि चाहता कि उसे युद्ध में कभी भी पराजय न मिले यह कथन -: क--सत्य है ख- आंशिक सत्य है ग- असत्य है घ- आंशिक असत्य है	1
29	नेतृत्व छिन जाने का भय कवि को क-प्रभावित नहीं करता ख-कवि को डराता है ग-कवि विकल हो जाता है घ-इनमें से कोई नहीं	1
30	कविता के अनुसार कवि किसी भी परिस्थिति के लिए क-सदैव तैयार है ख-परिस्थितियों को अपने अनुकूल ढालना चाहता है ग- कवि युद्ध से बचना चाहता है घ- कवि अपना मार्ग प्रशस्त चाहता है	1
	कार्यालयी हिन्दी और रचनात्मक लेखन	

प्रश्न	निम्नलिखित में से निर्देशानुसार विकल्प का चयन कीजिए।	5X1=5
31	हिंदी का पहला साप्ताहिक पत्र किसे माना जाता है? क- सरस्वती ख- उदंत मार्तंड ग- बंगाल गज़ट घ- नव-भारत	1
32	उल्टा पिरामिड शैली ,में मुख्य समाचार लिखा जाता है । क-प्रारम्भ में ख-मध्य में ग-अंत में घ- कहीं भी लिख सकते हैं ।	1
33	एडवोकेसी पत्रकारिता किसे कहते हैं ? क- खास मुद्दे या विचारधारा के पक्ष में जनमत बनाने ख- सनसनीखेज समाचारों से संबंधित ग- किसी विशेष क्षेत्र की विशेष जानकारी देते घ- इनमें से कोई नहीं	1
34	पत्रकारिता का मूल तत्त्व क्या है ? क- नवीनता ख-रेखांकन और कार्टोग्राफ़ ग- महत्त्वपूर्ण लोग घ- नईं सूचनाएँ प्रदान करना	1
35	संचार के मूल तत्त्व कौन-सा हैं? क-जनसंचार ख- शोर ग- सूचना देना ग- शिक्षित करना	1
36	समाचार लेख़न मे कुल कितने ककारो क प्रयोग करते है? क 2 ख 3 ग 4 घ 6	1
	पाठ्य –पुस्तक पर आधारित प्रश्न	
प्रश्न–	निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढिए । जाने क्या रिश्ता है जाने क्या नाता है जितना भी उंडेलता हुँ,भर- भर फिर आता है। दिल मे क्या झरना है मीठे पानी का सोता है भीतर वह ऊपर तुम मुझ पर त्यों तुम्हारा ही खिलता वह चेहरा है।	

	निम्नलिखित में से निर्देशानुसार विकल्प का चयन कीजिए।	5X1=5
37	कवि और कविता का नाम लिखिए । क- मुक्तिबोध - सहर्ष स्वीकारा है ख-रघुवीर सहाय- कैमरे मे बंद अपाहिज ग-कुंवर नारायण – कविता के बहाने घ-इनमें से कोई नहीं	1
38	अपने प्रिय के प्रति कवि जितना अपने भावो की अभिव्यक्ति कर्ते हैं उतना ही उनका ह्रुदय पुन: भर आता है ।इस पंक्ति मे कविका कौनसा भाव व्यक्त हो रहा है ? क-प्रिय के प्रति गहरी आसक्ति ख- प्रिय के प्रति गहरा दुख ग- प्रिय के प्रति गहरी सहानुभूति घ- प्रिय के प्रति आशंका	1
39	इस काव्यांश मे किस भाषा प्रयुक्त हैं ? क-हिंदुस्तानी ख-पूर्वी हिंदी ग-खडीबोली हिंदी घ- कनौजी	1
40	दिल की तुलना किससे की गई है? क-सागर ख- झरना ग- नदी घ- इनमें से कोई नहीं	1
41	वह और तुममे कवि क इशारा किस ओर है? क-प्रिय ख-ईश्वर ग-माता घ- उपर्युक्त सभी	1
प्रश्न	**निनलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढिए ।** बाजार में एक जादू है वह आँख की राह का काम करता है वह रूप का जादू है पर जैसे चुबंक का जादू लोहे पर ही चलता है, वैसे ही इस जादू की भी मर्यादा है। जेब भरी हो, मन खाली हो, ऐसी हालत में जादू का असर खूब होता है । जेब खाली पर मन भरा न हो, तो भी जादू चल ही जाएगा। मन खाली है तो बाजार की अनेक चीजो का निमंत्रण उस तक पहुच जाएगा। कहीं	

	उस वक्त जेब भरी तब तो फिर वह मन किसकी मानने वाला है! मालुम होता है यह भी कर लू, वह भी कर लू। सभी सामान जरूरी ओर आराम को बढ़ाने वाला होता है। पर यह सब जादू का असर है। जादू की सवारी उतरी की पता चलता है कि फैंसी चीजों की बहुतायत आराम में मदद नहीं देती, बल्कि खलल ही डालती है।	
	निम्नलिखित में से निर्देशानुसार विकल्प का चयन कीजिए।	5X1=5
42	बाजार के जादू का प्रभाव कैसे अपना असर शुरू करता है? क-सोचने पर ख-देखने से ग-बात करने से घ-पैसे से	1
43	जादू का असर खूब होता है जब क- जेब भरी हो, मन खाली हो ख- जेब खाली पर मन भरा न हो ग- मन खाली हो घ- जेब भरी हो	1
44	बाजार के जादू का प्रभाव खत्म होने पर- क-क्रोध आ जाता है ख-बुरा लगता है ग-शांति मिलती है घ-समस्या बढ़ती है	1
45	बाजार के जादू की तुलना किससे की गई है? क-लोहे से ख-खाली मन से ग-चुंबक से घ-आँख	1
46	उपर्युक्त गद्यांश के लेखक का क्या नाम है? क-महादेवी वर्मा ख-धर्मवीर भारती ग-रज़िया सज्जाद जाहिर घ-जैनेन्द्र कुमार	1
	निम्नलिखित 5 प्रश्नों में से निर्देशानुसार सबसे सटीक विकल्प का चयन कीजिए।	
47	पानी डालते समय जी जी की क्या हालत थी? क, हाथ कांप रहे थी ख, पानी बाहर गिर रहे थे ग,लेखक मुह फुलाए खडे थे घ,पानी बरबाद हो रहा था	1
48	भक्तिन के संदर्भ मे हनुमान जी का उल्लेख क्यो हुआ हे? क.समझ्दारी के लिए ख,स्पर्द्धा के लिए ग,सेवाभाव के लिए	1

	घ,शक्ति के लिए	
49	बिना मुरझाए महकने के माने पंक्ति मे कौनसा अलंकार है? क यमक ख,रूपक ग,उपमा घ अनुप्रास	1
50	मीडियावाले कैमरे के सामने किसे लाना चाहता है? क,निर्धन को ख,बच्चे को ग, शारीरिक चुनौतिवाले व्यक्ति को घ,उपर्युक्त मे से कोई नहीं	1
51	नीड पर इंतजार करते बच्चो की याद आते ही चिडियो पर क्या प्रभाव हुआ ? क, चिडिया की उड्ने की गति धीमी हो गई । ख, चिडिया की उड्ने की गति बठ गई । ग,ऊंची उडान भरना शुरू किया । घ,उपर्युक्त मे से कोई नही।	1
52	बाजार दर्शन मे भगतजी जैसे व्यक्ति के जीवन से हम क्या प्रेरणा प्राप्त करते हैं? क,बाजार से खाली हाथ वापस लौट सकते है ख,बाजार के बाजारूपन का प्रभाव शून्य रहेगा ग,आत्म संयम की प्रेरणा मिलती है घ,बाजार का नकारात्मक प्रभाव बेअसर रहेगा	1
प्रश्न	**पूरक पाठ्य -पुस्तक**	5x1=5
53	सुविधाजनक और आधुनिक होते हुए भी,अपने घर मे हो रहे कुछ बदलाव किसको पसंद नहीं लगता? सिल्वर वैडिंग' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए। क,यशोधर बाबू को ख- यशोधर बाबू की पत्नी को ग- यशोधर बाबू की बेटी को घ- यशोधर बाबू के बच्चों को	1
54	सिल्वर वैडिंग'कब मानते हैं? क- शादी के पच्चीस साल मे ख- शादी के द्स साल मे ग- शादी केपच्चास साल मे घ- शादी के पांच साल मे	1
55	यशोधर बाबू के बच्चों की कौन-सी बातें आपत्तिजनक है? क-महत्वाकांक्षी और प्रगतिशील होना |	1

	ख-जीवन में उन्नति करना | ग-समय और सामर्थ्य के अनुसार घर में बदलाव लाना घ-रिश्तेदारों, धर्म और समाज के प्रति नकारात्मक भाव	
56	'जूझ' कहानी के आधार पर आंनदा के चरित्र की विशेषताएँ निम्न में से नहीं है। क-पढ़ने की लालसा ख-आत्मविश्वासी एवं कर्मठ बालक ग- झगड़ालू घ- वचनबद्धता	1
57	आनन्दा के पिता की भाँति आज भी अनेक गरीब व कामगार पिता अपने बच्चों को स्कूल नहीं भेजना चाहते क्यों ? आपकी दृष्टि में इसका क्या कारण है । क- अशिक्षित होने के कारण ख- बच्चों के लड़ाई झगड़े के कारण ग- स्कूल अच्छा नहीं होने से घ- फीस ज्यादा होने के कारण	1
58	'जूझ कहानी के आधार पर जूझ शब्द क अर्थ क्या है? क- संघर्ष ख-खुशी ग- शोक घ- वीरता	1

उत्तर कुंजी – प्रतिदर्श प्रश्नपत्र- 3
केन्द्रीय विद्यालय संगठन, एरणाकुलम संभाग

	खंड – अ वस्तुपरक प्रश्न	
	अपठित गदयांश	
प्रश्न–	उत्तर	10x1=10
1	ख-कार्य करने की लगन	1
2	घ- काम में लीन होना	1
3	ख-लाभ का ध्यान किए बिना कार्य करना	1
4	घ- सभी |	1
5	ग-निस्वार्थ भाव से मेहनत करने की	1
6	ख-प्रभु पर अटूट विश्वास रखते हुए बिना किसी भय ,चिंता या दु:ख के अपने काम करना	1
7	ग-प्रसन्न रहने की	1
8	ख-खुशियों को मुसीबतों के कारण खत्म करना	1

9	ग-बिना स्वार्थ के	1
10	ग- सफलता	1
	अथवा	
11	क- संवेदनशील मन ,पैनी दृष्टि	1
12	ग- दोनों एक दूसरे से जुड़े है	1
13	ग-स्वयं अनुभव किया हुआ	1
14	घ- सौन्दर्य को देखने और परखने की अद्भुत शक्ति	1
15	घ- समाज को अपने मन की बात सुनाने पर	1
16	ग- साहित्य को मनोरंजन का साधन समझना	1
17	क- जनमानस को जागृत करना	1
18	ख-रास्ता दिखने वाला	1
19	ख-बहुत सी क्रांति साहित्य पर आधारित है	1
20	घ-साहित्य और जीवन	1
प्रश्न–	उत्तर	5X1=5
21	ख- भाषा,वेश,प्रदेश भिन्न होते हुए भी एक होना	1
22	ग- एक अरब से अधिक भुजाओं की ताकत है	1
23	घ- इनमें से कोई नहीं	1
24	घ-मिलजुल कर रहते है	1
25	ग- भारत का	1
	अथवा	
26	ग- संसार अपनी गति से चले	1
27	ख-असत्य है	1
28	ग- असत्य है	1
29	क-प्रभावित नहीं करता	1
30	क-सदैव तैयार है	1
	कार्यालयी हिन्दी और रचनात्मक लेखन	
प्रश्न–	उत्तर	5X1=5
31	ख- उदंत मार्तंड	1
32	क-प्रारम्भ में	1
33	क- खास मुद्दे या विचारधारा के पक्ष में जनमत बनाने	1
34	घ-नईं सूचनाएँ प्रदान करना |	1
35	ख- शोर	1
36	घ,6	
	पाठ्य -पुस्तक	
प्रश्न–	उत्तर	5X1=5
37	क-सहर्ष स्वीकारा है-गजानन माधव मुक्तिबोध	1
38	क,प्रिय के प्रति गहरी आसक्ति	1
39	ग,खडीबोली हिंदी	1

40	ख-झरना	1
41	घ-उपर्युक्त सभी	1
प्रश्न–	उत्तर	5X1=5
42	ख-देखने से	1
43	क- जेब भरी हो, मन खाली हो	1
44	ग,शांति मिल्ती है	1
45	ग-चुंबक से	1
46	घ-जैनेन्द्र कुमार	1
	पूरक पाठ्य -पुस्तक	
प्रश्न-6	उत्तर	5x1=5
47	क, हाथ कांप रहे थे	1
48	ग, सेवाभाव के लिए	1
49	घ, अनुप्रास	1
50	ग,शारीरिक चुनौतिवाले व्यक्ति को	1
51	ख,चिडिया की उड्ने की गति बट गई	1
52	ग- आत्म संयम की प्रेरणा	1
	पूरक पुस्तक	5x1=5
53	घ-यशोधर बाबू	1
54	क- पच्चीस साल मे	1
55	घ- रिश्तेदारों, धर्म और समाज के प्रति नकारात्मक भाव	1
56	ग- झगड़ालू	1
57	क- अशिक्षित होने के कारण	**1**
58	क-संघर्ष	**1**

प्रतिदर्श प्रश्नपत्र- 4
केन्द्रीय विद्यालय संगठन, एरणाकुलम संभाग
कक्षा – XII, हिन्दी आधार (302)
प्रथम सत्र परीक्षा –2021-22

निर्धारित अंक – 40 **अधिकतम अवधि: 1½ घंटे**

निर्देश* इस प्रश्न पत्र के तीन खंड हैं।

- खंड अ मे तीस प्रश्नों में से केवल 5 प्रश्नों का ही उत्तर देना है।
- खंड स मे 21 प्रश्नों मे से केवल 20 प्रश्नों का ही उत्तर देना है।
- निर्देशो को बहुत ध्यानपूर्वक पढ़कर उनका पालन कीजिए।
- इस प्रश्न पत्र मे वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं।
- प्रत्येक प्रश्न के उत्तर मे 4 विकल्प दिए गए हैं।
- विकल्पो मे से सबसे उचित का चयन सावधानी पूर्वक कीजिए ।

प्रश्न संख्या	**खंड अ** **अपठित बोध**	**15 अंक**
	अपठित गद्यांश	10
प्रश्न	**निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प का चुनाव कीजिए-**	10
	लोकतंत्र के मूलभूत तत्त्व को समझा नहीं गया है और इसलिए लोग समझते हैं कि सब कुछ सरकार कर देगी, हमारी कोई जिम्मेदारी नहीं है	लोगों में अपनी पहल से जिम्मेदारी उठाने और निभाने का स्तर विकसित नहीं हो पाया है, फलस्वरूप देश की विशाल मानव शक्ति अभी खर्राटे लेती पड़ी है और देश की पूंजी उपयोगी बनाने के बदले आज बोझरूप बन बैठी है| लेकिन उसे नींद से झकझोर कर जागृत करना है| किसी भी देश को महान बनाते हैं उसमें रहने वाले लोग	लेकिन अभी हमारे देश के नागरिक अपनी जिम्मेदारी से बचते रहे हैं	चाहे सड़क पर चलने की बात हो अथवा साफ-सफाई की बात हो, जहां तहां हम लोगों को गंदगी फैलाते और बेतरतीब ढंग से वाहन चलाते देख सकते हैं, फिर चाहते हैं सब कुछ सरकार ठीक कर दे |सरकार ने बहुत सारे कार्य किए हैं, इसे अस्वीकार नहीं किया जा सकता है	वैज्ञानिक प्रयोगशालाएँ खोली है, विशाल बांध बनवाए हैं, फौलाद के कारखाने खोले हैं, आदि- आदि बहुत सारे काम सरकार के द्वारा हुए हैं, पर अभी करोडों लोगों को कार्य में प्रेरित नहीं किया जा सका है | वास्तव में होना तो यह चाहिए कि लोग अपनी सूझबूझ के साथ अपनी आंतरिक शक्ति के बल पर खड़े हों और अपने पास जो कुछ साधन सामग्री हो उसे लेकर कुछ करना शुरू कर दें और फिर सरकार उसमें आवश्यक मदद करे	उदाहरण के लिए गांव वाले बड़ी-बड़ी पंचवर्षीय योजनाएं नहीं समझ सकेंगे पर वे लोग यह बात जरूर समझ सकेंगे कि अपने गांव में कहाँ कुआं चाहिए, कहां सिंचाई की जरूरत है, कहां पुल की आवश्यकता है, बाहर के लोग इन सब बातों से अनभिज्ञ होते हैं		
1.	**लोकतंत्र का मूलभूत तत्व है** A. कर्तव्य पालन B. लोगों का राज्य C. चुनाव D. जनमत	1
2.	**किसी देश की महानता निर्भर करती है**	1

	A. वहाँ की सरकार पर B. वहाँ के निवासियों पर C. वहाँ के इतिहास पर D. वहाँ की पूंजी पर	
3.	**सरकार के कामों के बारे में कौन सा कथन सही नहीं है** A.वैज्ञानिक प्रयोगशालाएँ बनवाई हैं B. विशाल बांध बनवाए हैं C. वाहन चालकों को सुधारा है D. फौलाद के कारखाने खोले हैं	1
4.	**सरकारी व्यवस्था में किस कमी की ओर लेखक ने संकेत किया है ?** A. गांव से जुड़ी समस्याओं के निदान में ग्रामीणों की भूमिका को नकारना B. योजनाएं ठीक से न बनाना C. आधुनिक जानकारी का अभाव D. जमीन से जुड़ी समस्याओं की ओर ध्यान न देना	1
5.	**"झकझोर कर जागृत करना "का भाव गद्यांश के अनुसार होगा-** A. नींद से जगाना B. सोने ना देना C. जिम्मेदारी निभाना D. जिम्मेदारियों के प्रति सचेत करना	1
6.	**लोकतंत्र में लोग समझते है -** A. सरकार सबकुछ देगी B. हमें सबकुछ करना होगा C. राजनीतिक पार्टी हमें सब देगी D. समाज हमें सबकुछ देगा	1
7.	**सरकार के कामों के बारे में कौन सा कथन सही है** A.वैज्ञानिक प्रयोगशाला बनवाई है B. विशाल बांध बनवाए हैं C. फौलाद के कारखाने खुले हैं D.उपरोक्त तीनों	1
8.	**देश के नागरिक अपनी कौन सी ज़िम्मेदारी निभाते हैं ?** A. साफ-सफाई की B.नियमानुसार सड़क पर चलने की C. नियमानुसार सड़क पर वाहन चलाने की D. इनमे से कोई नहीं	1
9.	**लोगों को कैसा होना चाहिए ?** A. अपनी सूझ-बूझ से काम करें B. अपनी आंतरिक शक्ति के बल पर खड़े हों C. उपलब्ध साधन -सामग्री से काम शुरू कर दें D.उक्त सभी	1
10.	**गाँव वाले क्या नहीं समझ सकेंगे -** A. कहाँ पुल की आवश्यकता है B. कहाँ कुआँ चाहिए C. पंचवर्षीय योजनाओं को नहीं समझ सकेंगे D. कहाँ सिंचाई की जरूरत है	1
	अथवा	
	सुव्यवस्थित समाज का अनुसरण करना अनुशासन कहलाता है। व्यक्ति के जीवन में अनुशासन का बहुत महत्त्व है। अनुशासन के बिना मनुष्य अपने चरित्र का निर्माण नहीं कर सकता तथा चरित्रहीन व्यक्ति सभ्य-समाज का निर्माण नहीं कर सकता। अपने व्यक्तित्व के विकास के लिए भी मनुष्य को अनुशासनबद्ध होना अति अनिवार्य है। विद्यार्थी जीवन मनुष्य के भावी जीवन की आधारशिला होता है, अतः विद्यार्थियों के लिए अनुशासन में रह कर जीवन यापन करना अत्यंत आवश्यक है। वर्तमान समाज में सर्वत्र अव्यवस्था का साम्राज्य फैला हुआ है। विद्यार्थी, राजनेता, सरकारी कर्मचारी, श्रमिक आदि सभी स्वयं को स्वतंत्र भारत का नागरिक मानकर मनमानी कर रहे हैं। शासन में व्याप्त अस्थिरता समाज के अनुशासन को भी प्रभावित कर रही है। यदि किसी को अनुशासन में रहने के लिए कहा जाए तो वह 'शासन का अनुसरण' करने की बात कहकर अपनी अनुशासनहीनता पर पर्दा डालने का प्रयास करता है। वास्तव में अनुशासन शब्द का अर्थ अपने पर नियंत्रण ही है। विद्यार्थी जीवन में अबोधता के कारण उन्हे भले बुरे की पहचान नहीं होती। ऐसी	

	स्थिति में थोड़ी सी असावधानी उन्हें अनुशासनहीन बना देती है। आजकल विद्यार्थियों की पढाई में रूचि नहीं है। वे आधुनिक शिक्षा पद्धति को बेकारों की सेना तैयार करने वाली नीति मान कर इसके प्रति उदासीन हो गए हैं तथा फैशन, सुख-सुविधापूर्ण जीवन जीने के लिए गलत रास्तों पर चलने लगे हैं। वर्तमान जीवन में व्याप्त राजनीतिक दलबंदी भी विद्यार्थियों में अनुशासनहीनता को प्रोत्साहित करती है। राजनीतिक नेता अपने स्वार्थ के लिए विद्यार्थियों को भड़का देते हैं तथा विद्यार्थी वर्ग भले–बुरे की चिंता किए बिना तोड़-फोड़ में लग जाता है। आधुनिक युग में अति व्यस्त जीवन पद्धति के कारण माता पिता अपनी संतान का पूरा ध्यान नहीं रख पाते। चार-पांच घंटे कॉलेज में रहने वाला विद्यार्थी उन्नीस-बीस घंटे तो अपने परिवारजनों के साथ ही रहता है। पारिवारिक परिवेश का उस पर बहुत प्रभाव पडता है। यदि उसके माता-पिता अनुशासित जीवन नहीं जीते तो उसे भी उच्श्रृंखल जीवन जीना पड़ता है। वे माता पिता जो अपने बच्चों पर ध्यान नहीं दे पाते, उनके बच्चों में भी समय पाबंदी और मूल्यों को लेकर संदेह बना रहता है तथा बच्चे भी शिक्षा की तरफ ध्यान नहीं दे पाते। विद्यार्थियों में अनुशासन बनाए रखने के लिए विशेष योजना चलानी चाहिए; ताकि उनमें नैतिक व चारित्रिक उत्थान को बढ़ाया जा सके। इस प्रकार के प्रोत्साहनों से उन्हे अपने कर्त्तव्य का बोध कराया जा सकता है। अतः हम कह सकते है कि अनुशासन से ही विद्यार्थियों के साथ-साथ राष्ट्र को ऊंचा उठाया जा सकता है। इससे उसके स्वभाव व सद्वृत्तियों को ऊंचा उठाया जा सकता है। ऐसा विद्यार्थी समाज और राष्ट्र का नाम करता है। उसमें सद्गुण और कर्मठता के गुण आते है। परिश्रम और कर्त्तव्य के द्वारा वह देश सेवा करता है।	
11.	गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। A.परिश्रम और कर्तव्य B. जीवन में अनुशासन का महत्त्व C.युवा-शक्ति D. जीवन की सीख	1
12.	अनुशासन से क्या अभिप्राय है ? A. दूसरों पर शासन B. कड़ी कानून व्यवस्था C. नैतिक व चारित्रिक शिक्षा D. स्वयं पर नियंत्रण	1
13.	माता पिता का बच्चों के प्रति क्या कर्त्तव्य होना चाहिए ? A.उनको सही दिशा और मार्गदर्शन देना चाहिए B. उनको दंड देना चाहिए C.उन्हें हर निर्णय हेतु प्रोत्साहित करना चाहिए D. उन्हें हमेशा संरक्षण देना चाहिए	1
14.	मानव जीवन के विकास हेतु क्या आवश्यक है? A.जो मन में आए वह करना B. आज्ञा का पालन करने वाला C.अनुशासन का पालन D. जीवन का प्रतिबंधों के अधीन होना	1
15.	वर्तमान समाज में किस प्रकार की स्थिति होनी चाहिए ? A.नैतिक शिक्षा अनिवार्य हो B. अनुशासन, सद्गुणों का पालन करता कर्मरत समाज C.बच्चों में समय की पाबंदी व मूल्यों का विकास D. विरोध के लिए संभावना हो	1
16.	आजकल विद्यार्थी पढ़ाई के प्रति उदासीन क्यों हैं? A.सामाजिक, घरेलू और आस पास की परिस्थितियां राह नहीं दिखा रही B. जीवन आत्मकेंद्रित है C.माता-पिता अति व्यस्त हैं D. शिक्षा व्यवस्था पूर्णतः दोषपूर्ण है	1

17.	परिश्रमी और कर्मण्य शब्दों के विलोम शब्द लिखिए | A. अपरिश्रमी, अकर्मण्य B. मेहनती, अकर्मण्य C. अपरिश्रमी, भाग्यवादी D. इनमें कोई नहीं	1
18.	विद्यार्थियों का दृष्टिकोण आजकल क्या होने लगा है A. आधुनिक शिक्षा पद्धति के प्रति उदासीनता B. मूल्यों को लेकर संदेह C. राजनैतिक दलबंदी की ओर आकर्षण D. उपरोक्त सभी	1
19.	संतान को लेकर आजकल माता-पिता की क्या स्थिति है? A. वे बच्चों की पूरी देखरेख करते हैं B. बच्चों पर पर्याप्त ध्यान नहीं देते C. बच्चों के काम में हस्तक्षेप नहीं करते D. बच्चों से कठोरता करते हैं	1
20.	कर्मठता शब्द में कौन सा प्रत्यय है? A. कर्मठ B. कर्म C. ठता D. ता	1
	अपठित पद्यांश	5
प्रश्न	**निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए-**	5
	दंड भोगकर जब मैं छूटा, पैर न उठते थे घर को; पीछे ठेल रहा था कोई भय-जर्जर तनु पंजर को। पहले की-सी लेने मुझको नहीं दौड़कर आई वह; उलझी हुई खेल में ही हा! अबकी दी न दिखाई वह। उसे देखने मरघट को ही गया दौड़ता हुआ वहाँ, मेरे परिचित बंधु प्रथम ही फूँक चुके थे उसे जहाँ। बुझी पड़ी थी चिता वहाँ पर छाती धधक उठी मेरी, हाय! फूल-सी कोमल बच्ची हुई राख की थी ढ़ेरी! अंतिम बार गोद में बेटी, तुझको ले न सका मैं हा! एक फूल माँ का प्रसाद भी तुझको दे न सका मैं हा!	
21.	कवि को किस अपराध का दंड मिला? A. प्रसाद लेने का B. मंदिर न आने का C. मंदिर की पवित्रता नष्ट करने का D. धोखा देने का	1
22.	कवि के पैर घर की तरफ क्यों नहीं उठ रहे थे? A. किसी अनहोनी की आशंका के फलस्वरूप B. जेल से आने के कारण C. वह जेल में असमर्थ था D. घर नहीं जाना चाहता था	1

23.	कवि कि पुत्री उसको को लेने बाहर क्यों नहीं आई? A. वह बीमार थी B. उसकी मृत्यु हो चुकी थी C. वह खेल रही थी D. उसे पिता के आने का पता नहीं चला	1
24.	'एक फूल माँ का प्रसाद भी तुझको दे न सका मैं हाँ!' पंक्ति में कौन से भाव प्रकट हो रहे हैं? A. सुख और दुख के मिले-जुले भाव B. कष्ट और बेचैनी के भाव C. विवशता और शोक के भाव D. डर और करूणा के भाव	1
25.	हाय! फूल-सी कोमल बच्ची हुई राख की थी ढ़ेरी! में कौन-सा रस और अलंकार है ? A. वात्सल्य रस / उपमा अलंकार B. वीर रस / रूपक अलंकार C. करुण रस / उपमा अलंकार D. शांत रस / अतिशयोक्ति	1
	अथवा	
प्रश्न	**निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए-**	5
	क्या रोकेंगे प्रलय मेघ ये, क्या विद्युत-घन के नर्तन, मुझे न साथी रोक सकेंगे, सागर के गर्जन-तर्जन। मैं अविराम पथिक अलबेला, रुके न मेरे कभी चरण, शूलों के बदले फूलों का किया न मैंने मित्र चयन। मैं विपदाओं में मुसकाता, नव आशा के दीप लिए फिर मुझको क्या रोक सकेंगे, जीवन के उत्थान-पतन, मैं अटका कब, कब विचलित मैं, सतत डगर मेरी संबल रोक सकी पगले कब मुझको,यह युग की प्राचीर निबल आँधी हो, ओले-वर्षा हों, राह सुपरिचित है मेरी, फिर मुझको क्या डरा सकेंगे, ये जग के खंडन-मंडन। मुझे डरा पाए कब अंधड़, ज्वालामुखियों के कंपन, मुझे पथिक कब रोक सके हैं, अग्निशिखाओं के नर्तन। मैं बढ़ता अविराम निरंतर, तन-मन में उन्माद लिए, फिर मुझको क्या डरा सकेंगे, ये बादल-विद्युत नर्तन।	
26.	उपर्युक्त काव्यांश में कवि के स्वभाव की किन प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख किया गया है? A. गतिशीलता, साहस व संघर्षशीलता B. सुंदरता का C. मुस्कराहट की शक्ति का D. उन्माद का	1
27.	कविता में आए मेघ, विद्युत और ज्वालामुखी किनके प्रतीक हैं? A. गतिशीलता, साहस व संघर्षशीलता B. जीवनपथ में आई बाधाओं के C. जीवन के उत्थान-पतन के D. बादल-विद्युत नर्तन के	1
28.	कवि की राह में कौन बाधक नहीं है ? A. प्रलय मेघ B. विद्युत-घन के नर्तन C. सागर के गर्जन-तर्जन D. उन्माद	1
29.	निम्न में से कौन से शब्द–युग्म में विलोम शब्द नहीं हैं – A. उत्थान- पतन B. खंडन- मंडन C. फूल – शूल D. गर्जन - तर्जन	1

30.	'युग की प्राचीर' से क्या तात्पर्य है? A. जीवनपथ में आई बाधाएँ B. आँधी, ओले-वर्षा C. समय की बाधाएँ D. जीवन मार्ग की सुविधाएँ	1
	खंड ब **अभिव्यक्ति और माध्यम के पाठों पर आधारित प्रश्न**	5
प्रश्न	**निम्नलिखित में से किन्हीं 5 प्रश्नों के उत्तर दीजिए-**	5
31.	मुद्रण की सर्वप्रथम शुरुआत कहाँ हुई? A. चीन B. जापान C. जर्मनी D. भारत	1
32.	भारत में पहला छापाखाना कब और कहां शुरू हुआ? A. 1556 दिल्ली में B. 1556 गोवा में C. 1856 गोवा में D. 1936 दिल्ली में	1
33.	मुद्रित माध्यम की विशेषता नहीं है। A. स्थायित्व B. लिखित भाषा का विस्तार C. वैचारिक माध्यम D. एक रेखीय माध्यम	1
34.	निम्न में से कौन उल्टा पिरामिड शैली का हिस्सा नहीं है – A. बॉडी B. इंट्रो या मुखड़ा C. भूमिका D. समापन	1
35.	भारत में टेलीविजन की शुरुआत कब हुई? A. 15 अगस्त 1947 B. 15 सितंबर 1959 C. 15 अक्टूबर 1969 D. 15 सितंबर 1936	1
36.	'ड्राई एंकर' का आशय है A.जब एंकर के पास कोई खबर नहीं होती B. जब एंकर अपने संवाददाता से नहीं जुड़ पाता C. जब एंकर संवाददाता से प्राप्त जानकारी को सीधे-सीधे बताता है D. जब एंकर संवाददाता से फोन पर बात करता है	1
	खंड स **पाठ्य पुस्तक व अनुपूरक पुस्तक**	20
	पठित पद्यांश पर आधारित प्रश्न	5
प्रश्न	**निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प का चुनाव कीजिए-**	5
	हम दूरदर्शन पर बोलेंगे हम् समर्थ शक्तिवान हम एक दुर्बल को लाएँगे एक बंद कमरे में उससे पूछेंगे तो आप क्या अपाहिज हैं? तो आप क्यों अपाहिज हैं? आपका अपाहिजपन तो दुख देता होगा देता है? (कैमरा दिखाओ इसे बड़ा-बड़ा) हाँ तो बताइए - आपका दुख क्या हैं ? जल्दी बताइए वह दुख बताइए (बता नहीं पाएगा)	
37.	मीडिया कैमरे के सामने किसे लाना चाहती है ? A. किसी निर्धन को	1

	B. किसी बच्चे को C. शारीरिक चुनौती झेलने वाले व्यक्ति को D. उक्त सभी	
38.	कौन लोग स्वयं को समर्थ और शक्तिवान मानते हैं ? A. राजनेता B. मीडियाकर्मी C. साहित्यकार D. शिक्षितजन	1
39.	मीडिया के द्वारा पूछे गए प्रश्नों से क्या झलकता है ? A. सहानुभूति B. संवेदनशीलता C. संवेदनहीनता D. करुणा	1
40.	उक्त काव्यांश के अनुसार मीडिया की नजर में दुर्बल कौन है ? A. दिव्यांगजन B. निर्धन C. महिलाएँ D. निरक्षर	1
41.	उक्त काव्यांश के शब्द प्रयोग की विशिष्टता है ? A. सरल शब्दावली B. कोष्ठकों का प्रयोग C. अलंकार प्रयोग D. प्रतीक का प्रयोग	1
	पठित गद्यांश पर आधारित प्रश्न	5
प्रश्न	**निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प का चुनाव कीजिए-**	5
	कभी-कभी कैसे-कैसे संदर्भों में ये बातें मन को कचोट जाती हैं, हम आज देश के लिए करते क्या हैं? माँगें हर क्षेत्र में बड़ी-बड़ी हैं पर त्याग का कहीं नाम-निशान नहीं है। अपना स्वार्थ आज एकमात्र लक्ष्य रह गया है। हम चटखारे लेकर इसके या उसके भ्रष्टाचार की बातें करते हैं पर क्या कभी हमने जाँचा है कि अपने स्तर पर अपने दायरे में हम उसी भ्रष्टाचार के अंग तो नहीं बन रहे हैं? काले मेघा दल के दल उमड़ते हैं, पानी झमाझम बरसता है, पर गगरी फूटी की फूटी रह जाती है, बैल पियासे के पियासे रह जाते हैं? आखिर कब बदलेगी यह स्थिति ?	
42.	लेखक के मन को किस तरह की बातें कचोटती हैं ? A. त्याग और कर्तव्य न कर स्वार्थ की बातें करना B. देश के लिए बलिदान करना C. देश की भलाई के लिए कार्य करना D. अपने कर्तव्य का पालन करना	1
43.	गगरी तथा बैल के उल्लेख से लेखक क्या कहना चाहता हैं? A. देश के संसाधनों का भरपूर उपयोग हो रहा है B. देश में अपार संसाधन है पर जनता की जरुरतें पूरी नहीं हो रही है	1

	C. गगरी भर नहीं पा रही है बैल प्यासे रह जाते हैं D. देश में सबको सुविधाएँ मिल रही है	
44.	भ्रष्टाचार की चर्चा करते समय क्या आवश्यक हैं ? A. हमें अपना कार्य करते रहना है B. हमें अपनी भलाई की बात सोंचना है C. हम स्वयं उसमें लिप्त तो नहीं हैं D. हम भ्रष्टाचार से दूर रहें	1
45.	'आखिर कब बदलेगी यह स्थिति?'- आपके विचार से यह स्थिति कब बदल सकती है? A. हमारी अपनी भलाई करते रहने से B. हमारे मन में विचार कर लेने से C. सबको रोजगार मिल जाने से D. लोगों के स्वार्थ और भ्रष्टाचार से दूरी बना लेने से	1
46.	देश से भ्रष्टाचार कैसे समाप्त हो सकता है ? A. सबको रोजगार मिल जाने पर B. देश से गरीबी मिट जाने पर C. समाज और सरकार में दृढ़इच्छा शक्ति जाग्रत हो जाने पर D. आंदोलन करने पर	1
	पाठ्यपुस्तक के पठित पाठों पर आधारित प्रश्न	5
प्रश्न	**निम्नलिखित में से किन्हीं 5 प्रश्नों के उत्तर दीजिए-**	5
47.	अपने प्रिय की स्नेह की प्रगाढ़ता में रहने के कारण कवि की आत्मा कैसे हो गई थी ? A. सशक्त B. भावशून्य C. कमजोर और अक्षम D. पीड़ा से भरी हुई	1
48.	'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता में मीडिया का दिव्यांगजन के प्रति कैसा व्यवहार बताया गया है - A.संवेदनशील B.संवेदनहीन व क्रूर C.स्वार्थी D.छलपूर्वक	1
49.	कविता के अस्तित्व पर विचार करती हुई 'कविता के बहाने' कविता क्या निष्कर्ष प्रस्तुत करती है ? A. कविता के अस्तित्व पर आज गहरा संकट है । B. अब कविता लिखना व्यर्थ है । C. कविता कालजयी होती है । D. उपरोक्त में से कोई नहीं	1
50.	नीड़ पर प्रतीक्षा करते बच्चों की याद आते ही चिड़ियों पर क्या प्रभाव हुआ ? A. चिड़ियों के उड़ने की गति धीमी हो गई । B. चिड़ियों के उड़ने की गति बढ़ गई । C. चिड़िया ने ऊंची उड़ान भरना शुरू कर दिया । D. उपरोक्त में से कोई नहीं ।	1
51.	वह अपना समृद्धिसूचक नाम किसी को बताती नहीं। -यहाँ किस नाम को समृद्धिसूचक कहा है? A. भक्तिन B. लक्ष्मी C. समृद्धि D. इनमें से कोई नहीं	1
52.	बाज़ार को सार्थकता कौन देते है ? A. जो बाजार से जरूरत की चीजें खरीदते हैं B. जो बाज़ार से सभी चीजें खरीदते हैं C. जो बाजारमें बिक्री बढ़ाते हैं D. जो पर्चेजिंग पावर का गर्व करते हैं	1
	अनुपूरक पाठ्यपुस्तक के पठित पाठों पर आधारित प्रश्न	5

प्रश्न	निम्नलिखित में से किन्हीं 5 प्रश्नों के उत्तर दीजिए-	5
53.	यशोधर बाबू आदर्श पुरुष कौन थे? A. किशनदा B. भूषण C.गांधीजी D. उपर्युक्त सभी	1
54.	यशोधर बाबू अपनी पत्नी को क्या कहकर उनका मज़ाक उड़ाते थे ? A. शानयल बुढ़िया B. चटाई का लँहगा C. बूढी मुँह मुँहासे, लोग करें तमासे D. उपर्युक्त सभी	1
55.	."मूर्ख लोग घर बनाते हैं सयाने उसमें रहते हैं" यह कथन किसका है ? A. यशोधर बाबू का B. भूषण का C. किशनदा का D. उपर्युक्त में से कोई नहीं	1
56.	जूझ साहित्य की किस विधा में लिखा गया है ? A. कहानी B. आत्मकथात्मक उपन्यास C. संस्मरण D. रेखाचित्र	1
57.	बसंत पाटिल कौन थे? A. आनन्द की कक्षा का मॉनिटर B. गणित के अध्यापक C. मराठी के अध्यापक D. आनंद को चिढ़ाने वाला साथी	1
58.	. 'जूझ' पाठ के अनुसार कविता के प्रति लगाव से पहले और उसके बाद अकेलेपन के प्रति लेखक की धारणा में क्या बदलाव आया? सही विकल्प छाँटिए: A. अकेलापन डरावना है। B. अकेलापन उपयोगी है| C. अकेलापन अनावश्यक है D. अकेलापन सामान्य प्रक्रिया है।	1

प्रश्न पत्र 4 का उत्तर संकेत

1 - D	7 -D	13 -A	19 -B	25 -C	31 -A	37 -C	43 -B	49 -C	55 -C
2 -B	8 -D	14 -C	20 -D	26 -A	32 -B	38 -B	44 -C	50 -B	56 -B
3 -C	9 -D	15 -B	21 -C	27 -B	33 -D	39 -C	45 -D	51 -B	57 -A
4 -A	10 -C	16 -A	22 -A	28 -D	34 -C	40 -A	46 -C	52 -A	58 -B
5 -D	11 -B	17 -A	23 -B	29 -D	35 -B	41 -B	47 -C	53 -A	
6 -A	12 -D	18 -D	24 -C	30 -C	36 -C	42 -A	48 -B	54 -D	